

DPN 5890

Title: सारस्वती प्रक्रिया SĀRASVATĪ PRAKRIYĀ

Run. No. 6581

Cat. No.

Micro. No.

Subject व्याकरण

Religion: Hindu / Bauddha

Language: Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 29 x 13.2 Folios 164 Lines (in a page) 8

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator स्वस्वपाचार्य Svastipācārya

Scribe / donor योगनरसिंह / फणीन्द्ररत्न वज्राचार्य
yoganarasimha / Phanindra Ratna

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Vajracarya

Script: New. / Dev. / Bhuji. / Ran. /

Illus.:

Material: palmleaf / paper / thiyasaphu / one side yellow

Condition: fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon:

↓
श्री गणेशाय नमः ॥ श्री सरस्वत्यै नमः ॥ ॥ प्रणम्य परमात्मानं बाल[बु]धी(धनी) शार्दूल सिद्धये ॥

सारस्वती मृतुं कुर्वे अदिपानाति विस्तारं ॥ ॥

सारस्वती

प्रसादीन्द्ररत्न वज्राचार्य

10

57

O

5

10

15

20

25

30

सौर स्वती

॥ शुभ ॥

फणीन्द्ररत्न वज्राचार्य

सानि

१

प्रथागतमनूयमन्त्रविनयवर्क

२ श्रीगणेशायनमः॥ श्रीसनस्वयेनमः॥ ॥ प्रथम्यपनमात्मानं बालधीवृद्धिसिद्धय
॥ सानस्वमीमृहं कर्षे प्रक्रियात्रातिविरुनी॥ ॐ दयापियस्यानं नययुग्मदेवानिरधः॥ य
क्रियाकस्यकस्यकमावकुं नवः कथं॥ तज्जतावत्संस्तुतव्यवहावायसंगृहक॥ अॐ उम
० सुमाना॥ अनेन प्रस्थाहानगुरुधायवर्कः॥ पतिगन्यक॥ तर्थासमानसंस्तुतविधीयत॥ नः
न अस्तुमानाः कथं न स्यात्मा जालाघवन आचार्ये पञ्चास्रवासन्यक॥ नेतवृत्तुवृत्तान्धिननसं
धयाविवक्तिरत्नारु॥ विवक्तिरस्तु सन्धिर्हवनीतिनियमान्॥ लोकि कप्रथागनिष्यरुथ समयमा
कृत्वा च॥ रुस्वदीर्घप्लुत रुदाः सवर्कः॥ १ रुर्वा रुस्वदीर्घप्लुत रुदाः पयस्यनी सवर्कः॥ रुन्यक॥
लाकाद्यस्य सिद्धिनिविक्रति॥ तत्तालाक १ वरुस्वादिसंस्तुतान्या॥ १ कमाशा रुस्वः॥ धिमा

गुनः
१

ॐ दीर्घः॥ शिमाशुभः॥ व्यङ्ग्यार्त्तमाह्वयः॥ एषामन्यप्युदाहरिताः॥ उच्चैर्नृपत्रयमाना
उदाहृताः॥ नीचैर्ननूदाहृताः॥ समवृत्त्यास्वनिताः॥ एतेऽपि संधिनातिः॥ एषांस्त्वानसन्तिः॥ उच्चैः
स्वनाः॥ अकानादयः॥ पञ्चवत्तान एकां नादय उच्चैः स्वनाः॥ उच्चैः॥ अवज्ञानामिनः॥ अवज्ञान
वज्ञानः॥ स्वना नामिन उच्चैः॥ अनकाकातावत्स्वनाः॥ पत्याहानीति अहयियया व्यङ्ग्यार्त्तमाह्वयः
कामतिः॥ हयवनलः॥ अक्षनदमः॥ मरुधधरुः॥ ऊडदगवः॥ खरुः॥ ०५॥ वटककपः॥ सवणः॥ आद्य
कार्यापत्याहानीति घृकृताः॥ आर्याकार्यामरुवर्त्तः॥ अक्राः॥ आदिवर्त्तः॥ नसगृकृमानसनामाप्र
त्याहानः॥ तथाहिः॥ अकानावकानासगृहेकृमाः॥ अवपुत्याहानः॥ सवः॥ अ० उ० म० ०५०५
अहयवनलः॥ अक्षनदमः॥ मरुधधरुः॥ ऊडदगवः॥ खरुः॥ तथावत्सीरव्याकः॥ सीपयः॥ वटककपः॥ ति

सानस्त्र
२

वपप्रत्याहान॥ मरुधघरुं किमस्य प्रत्याहान॥ ऊडगवर्ति ऊवप्रत्याहान॥ अवयययययन
यनप्रत्याहान॥ कृत्स्नसमरुतगुणक॥ सख्यानियमस्तुनास्ति॥ हसाव्य ऊनानि॥ हकानादय
१ सकानाकावर्धु हसाव्य ऊनानिरुवक्ति॥ स्वनहीनव्य ऊनी॥ कस्य कानस्रवमूर्खा स्वनार्थत्वा
दितिसरुक॥ काय्यो यत्॥ प्रत्यया यतिनिका॥ कस्मै वित्कार्यो याच्चार्य्यमात्रावर्धुं स्रुकारुव
ति॥ यस्मै स्रुत्वा तस्य लाप॥ वर्धुं दर्शने लाप॥ वर्धुं विना धलाप॥ मित्रवदागम॥ गुरुवदा
दग॥ स्वनानरुनिता हसा स्याग॥ दीव हावागीता हसा हस्योगा उवाक॥ कबूट्टुपूवर्गो
१॥ उकानपवर्धुपनिगुहार्थ॥ अनदानामिना गुह॥ नामिना स्वनका अनू उ उ उ क गुहार्थ
का॥ आने अ वृद्धि॥ आ आन उ उ उ क वृद्धि स्रुका॥ अन्यस्वनादिष्टि॥ अर्थाय १ स्वनस्रुदाः

गुनः
२

सा. सं.
३

वर्धुत्वात्॥ वर्णवर्णसवर्धु००तिवचानाद्यथासख्यं वावकव्यं॥ स्वनहीनं पत्रधसंथाद्यं॥ दद्यानय
००तिसिद्धौ॥ ॥ तर्कननाचतः३स्माकं इग्धयः३मधुनायत॥ अन्नसंनोचनार्थयदद्यानयवनानन॥ अ
नुवितकिस्वननहितत्वात्नामिनःस्वन००तिनून्नात्वात्॥ प्रत्ययनहितस्वनयस्यलोप००तिनत्वात्॥ न
सनहितत्वात्संथागकस्यलोप००तिनत्वात्॥ ॥ गेनीअ००तिस्ति०॥ ॥ अर्ह००तिवि०॥ षेनोन्न
नरुस्पद्वि०॥ कि०॥ ॥ नाद्यपा०॥ स्वनपूर्वा०॥ द्वास्वनोयपोद्वि०॥ वति॥ जलपुम्बिका न्यायनं नन
रुस्था०॥ गमनं॥ पाषा०॥ पिपु०॥ न्यायनअ०॥ कथं नत्वात्॥ अ०॥ नरुत्त०॥ धीयातिपश्चा०॥ द्रुस्पउ०॥ द्यता॥ ॥ शो
र्यगु०॥ ॥ स्वन००॥ नूवर्ह०॥ ॥ एवंमन्मगापियनसूगारु०॥ को०॥ र्यसिद्धित०॥ सर्वगसूगकना
पदाकनादनू०॥ हलि०॥ रूतव्या०॥ ॥ शक्त०॥ यस्त०॥ तयानास्मा०॥ तिर्नि०॥ र्व्यत॥ ॥ उ०॥ उ०॥ व०॥ र्गु०॥ ब०॥ त्वाप

गुरुः
३

यत्स्वनपन॥ मधुज्ज॥ मधुगु॥ पूर्ववत्सिञ्जाम्॥ जनो॥ ज्वर॥ नत्वमापयत्स्वनपन॥ पितृज्जर्थः
पितृज्जर्थः॥ कृज्जर्थः॥ कृज्जर्थः॥ १ लो॥ १ वर॥ लत्वमापयत्स्वनपनो॥ १ ज्वर॥ लत्वमापयत्स्वनपनो॥ १ ज्वर॥
कृति॥ लाकृति॥ १ ज्वर॥ १ कानो॥ ज्वर॥ वतिस्वनपनो॥ नेज्जनी॥ नयनं॥ १ ज्वर॥ १ कानो॥ ज्वर॥ व
रवतिस्वनपनो॥ रुज्जति॥ रवति॥ पठशा॥ पठवा॥ ॥ गवा॥ दर्वर्ग॥ गमा॥ का॥ दो॥ व॥ क॥ व्य॥ ॥ र॥ ग॥ क॥
थ॥ ग॥ वा॥ क॥ थ॥ ग॥ वा॥ य॥ थ॥ म॥ वा॥ जि॥ नी॥ स्वनमा॥ क॥ हि॥ धी॥ प्रो॥ ठ॥ १ ग॥ वा॥ का॥ ग॥ द॥ य॥ ॥ र॥ ग॥ क॥
ग॥ वा॥ जि॥ नी॥ र॥ ग॥ क॥ ग॥ वा॥ ग॥ र॥ ग॥ १ ॥ ग॥ व॥ द॥ ॥ स्वन॥ १ नि॥ धी॥ ॥ स्वनि॥ धी॥ ॥ अ॥ क॥ रु॥ हि॥ धी॥ ॥ अ॥ क॥ रु॥ हि॥ धी॥ ॥ प्रो॥ ठ॥
१ ॥ प्रो॥ ठ॥ ॥ कृ॥ चि॥ स्वन॥ व॥ य॥ कान॥ १ ॥ य॥ थ॥ ॥ प॥ नि॥ मा॥ र॥ र॥ ग॥ य॥ ति॥ ॥ ग॥ व॥ ति॥ ॥ न॥ व॥ ज॥ न॥ स्वन॥ ना॥ र॥ र॥ ध॥ वा॥ ॥ व्य॥ ज॥ न॥
प॥ य॥ स्वन॥ ना॥ र॥ र॥ ध॥ वा॥ न॥ र॥ व॥ ति॥ ॥ द॥ वि॥ गृ॥ हं॥ प॥ दू॥ ह॥ रू॥ ॥ ज॥ ल॥ प॥ मं॥ ॥ वा॥ यो॥ ग॥ ति॥ ॥ नो॥ यो॥ नं॥ ॥ वे॥ धृ॥ ति॥ ॥ मा॥ र॥ म॥ यु॥ तं॥

नाजावान्वादि॥ १५१ मात॥ पदाकस्तितादकागोका नान्नपनस्याकानस्यलोपाहवति॥ तञ्जु॥
 कृ॥ पटाञ्जु॥ पटा॥ अण्पदाकत्वा नञ्जनमित्यादौ न॥ कपनकनसमसं दर्थ॥ सवर्णदीर्घ॥ स
 ह॥ सवर्णस्य सवर्णपनसहदीर्घो हवति॥ अदीर्घो दीर्घतां याति नास्ति दीर्घता॥ पूर्वदीर्घस्वर्णद
 ह्वापनलोपाविधीयते॥ शुभञ्जु॥ शुभा॥ दधि० ह॥ दधीह॥ हाहमकान॥ हाहकान॥ पमञ्ज
 सनी॥ पमसनी॥ दधुञ्जु॥ दधु॥ ननूदधीहत्यादिषू० यस्वन्नकथं नष्टाफि॥ तदर्शनमा
 ह॥ सामान्यभक्तुगानूनीविधावनवान् रुवन्॥ अल्पव्यापकविरमय-वरुव्यापकसामान्य॥ पन
 दपूर्ववारधवापायभट्टतामिह॥ अ००॥ अर्ह००० व००० पनसहृणका नाहवति॥ तव०० दी॥
 तवदी॥ मम०० दी॥ ममदी॥ हलादनीषाशोर्ध्वावकव्य॥ हल०० वा॥ हलीषा॥ मनस००० वा॥ म
 हतिषालोगलीषायासनीषायागयेस्वन्मुककश्चुञ्चउतशिकाहलादय॥ १५॥

4

[illegible]

4

सा. स्व गदसन्धिर्नैषा प्राप्तिः॥ अमी आदि त्याः॥ अमबा एग॥ अम्य तु॥ अदित्व॥ ॐ वउ चउ चयं॥ ॐ का वा
 द कउ का उ का वा कश्च ग द्या दित्व वरुं मा भः सन्धि च पा प्राप्तिः॥ मही वा दित्व ॐ॥ अमी तुं अ॥ प दू अ ग
 ॥ माले आ नय॥ मही वा दित्व किं॥ मही व॥ मो द सी व॥ दम्य ती व॥ जा या प ती व॥ मा या प ती व॥ उ त म
 सि ४ वा द यः॥ अ नि पा तः॥ आ का न उ का नि पा त उ क स्व व श्व सन्धि नैषा प्राप्तिः॥ अ उ व म न्य स॥ ना अ ग थ
 त वी॥ अ अ प्य हि॥ ॐ ॐ रुं प ग्ध॥ उ उ ति ष॥ इ वा दा क्तान व न लू तः॥ इ वा दा क्तान ग य न वि वा न ना
 द न च दः॥ लू ता रु व ति॥ लू तः॥ लू त श्व सन्धि नैषा प्राप्तिः॥ द व द रु उ हि॥ ॥ ॐ ति उ ह ति ता वः॥ ॥
 अथ व्य ऊ न का र्य म च्य तं॥ च पा अ व ग वाः॥ प दा न व रुं मा ना श्व पा ज वा रु व ति अ व प म॥ ष दू अ
 उ॥ ष उ न॥ वा क्य थ॥ वा ग्य थ॥ त हू ॐ दं॥ त दि दं॥ क कृ प्य थ॥ क कृ व थ॥ अ व ग रु हं किं

गुनः
 ६

मर्थी॥ चपाङ्गुलं लुप्तं नृत्तं लुप्तं॥ उ३ म३ उ३ मावा॥ पदान्तं वर्तमानाश्च पा३ म३ प३ न३ उ३ मावा॥ व३ व३ न्ति॥
वाक्मात्री॥ वाङ्मात्री॥ वाग्मात्री॥ वदन्तं॥ वदन्तं॥ वदन्तं॥ वदन्तं॥ वदन्तं॥ वदन्तं॥ वदन्तं॥ वदन्तं॥ वदन्तं॥
यनी॥ तन्तयनी॥ तदन्तयनी॥ तिष्ठन्मिनाति॥ तिष्ठन्मिनाति॥ तिष्ठन्मिनाति॥ उ३ न३ न३ म३ नाति॥ उ३ न३
न्म३ नाति॥ उ३ न३ न३ म३ नाति॥ म३ य३ तिष्ठन्मिनाति॥ चपाङ्गुलं लुप्तं नृत्तं लुप्तं॥ वि३ न३ म३ यी॥ वि३ न३ म३ यी॥ मृ३ न३ म३
यी॥ मृ३ न३ म३ यी॥ तन्मयी॥ तन्मयी॥ पदान्तिर्किंपनमात्मायत्न॥ चपाङ्गुलं॥ चपाङ्गुलं॥ चपाङ्गुलं॥ चपाङ्गुलं॥ चपाङ्गुलं॥
वा३ व३ न्ति॥ वा३ व३ न्ति॥ वा३ व३ न्ति॥ वा३ व३ न्ति॥ वा३ व३ न्ति॥ वा३ व३ न्ति॥ वा३ व३ न्ति॥ वा३ व३ न्ति॥ वा३ व३ न्ति॥
तन्मयी॥ तन्मयी॥ वागद्विकल्पार्थं॥ हा३ म३ हा३॥ चपाङ्गुलं॥ चपाङ्गुलं॥ चपाङ्गुलं॥ चपाङ्गुलं॥ चपाङ्गुलं॥
मं३ क३ श्व३ प३ रु३ द३ र्गं३ क३ श्व३ उ३ र्थं३ र्ति॥ तन्मयी॥ तन्मयी॥ तन्मयी॥ तन्मयी॥ तन्मयी॥ तन्मयी॥ तन्मयी॥ तन्मयी॥

तत्० कान०॥ त० कान०॥ तत्० जीनं॥ त० जीनं॥ तत्० शोक०॥ त० शोक०॥ प्रज्ञा हानस्य नैव
 नियमानासीति वचनात्॥ चटते कपानीकृथयद्यो जउदगवा मरुधघरा गुरो न कमाथे र
 वति॥ ॥ शार्ङ्गि ल०॥ तवर्गस्य लकानपनलका नातवति॥ तत्तलनाति॥ तत्तलनाति॥ तवान्
 लिखति॥ तवांश्चिखति॥ ॥ अकस्यो द्विप्रदनेरुवर्जिता यवला०॥ सानूनासिकानि ननूनासि
 काश्चकृसानूनासिकवनकानस्यलका नातवति॥ ॥ नवि॥ षका नपनठवर्गस्य ता दूत्वेन राय
 ति॥ तवान् षष्ठ०॥ तवां षष्ठ०॥ तानन्यात्॥ पदाकवर्हमाना दवर्गस्य नस्य स्का० दूत्वेन रावति
 ॥ षट्सीदकि॥ षट्सीदकि॥ षट्सीदकि॥ षट् नन०॥ षट् नन०॥ षट् नन०॥ न० सकृद्वर्तनाकस्य प
 दस्य दूत्वेन सगगमा रवति॥ टिकिता वायन्यार्वकव्यो॥ नान्विर्गु॥ नार्जिश्चिर्गु॥ तवा

सा. स्व
८

नूतनाति॥रुवास्तिनामि॥रुवान्दीकत॥रुवांहीकत॥रुवान्०कानध॥रुवांष्टकानध॥
नह्व्यप्रभात॥नकावपनवर्जितस्य ह्व्यम्यनपनत॥सकोनाहवति॥रुवान्छादयति
॥रुवांष्ट्रदयति॥रुवान्तनति॥रुवांस्तनति॥रुवांतिर्कि॥रुवात्कनाति॥प्रप्रभेचिन्न
हि॥रुवान्दानूक॥रुवावका॥नानुस्यपदस्य रगपनवाचगमगमारुवति॥यदाधिर्तगदाधित
मव॥रुवान्गून॥रुवाञ्च॥रुवाञ्च॥रुवाञ्च॥रुवाञ्च॥रुवाञ्च॥रुवाञ्च॥रुवाञ्च॥रुवाञ्च॥
न॥रुवाञ्च॥प्रभान्गयनी॥प्रभञ्चयनी॥प्रभञ्चयनी॥प्रभञ्चयनी॥प्रभञ्चयनी॥प्रभञ्चयनी॥
कानधकानधनका नां स्वाइरुना॥दिर्हवतिस्वनपनपदाकव॥प्रत्यदूर्दी॥प्रत्यद्विदी॥स
गहूर्ह॥सूगद्विह॥नाजन्ूर्ह॥नाजन्निह॥दीर्घत्वा रुवानित्याह॥दीनेह॥प्रस्वाइरुना

गुनः
८

धुकाभादिर्हं वति॥ स्वसवपामसानां॥ मसानां स्वसपनवपा र्वीति॥ तव ह्युगी॥ तव ह्युगी॥ कविदी
घां दपिव कव्यं॥ जी ह्यु॥ श्रु ह्यु॥ आ च्छा त्या निर्यी॥ आ ह्यु दयनि॥ मा ह्यु दय॥ लज्जम॥ अन्
स्वानस्य मका नारवति स्वनेपन॥ तं आ ह॥ तमा ह॥ दग्धतां ह॥ दग्धतामिह॥ भा न्स्वाना॥ म
को नस्या न्स्वाना रवति॥ हसपन पदा क्व॥ तमू हसति॥ तं हसति॥ पदमू ह्यथा॥ पदं ह्यथा॥ अपदा
क्व॥ गम्यतां॥ नम्यतां॥ नश्च पदा क्व मस॥ नका नस्य मका नस्य चापदा क्व वर्हमानस्या न्स्वाना र
वति मसपन॥ यमनसि॥ यसांसि॥ पयानसि॥ पर्यांसि॥ पूमस्यी॥ पूर्यी॥ कम्स॥ वी स॥ सम
स॥ सी स॥ वकानग ह्ये॥ त्यदा न्यपिरुवति॥ उमा यपत्य॥ अन्स्वानस्य उमा र्वीति यप
न॥ अस्य यपस्य सव ह्ये॥ त्वं कनाति॥ त्वं कनाति॥ तं कनाति॥ तं कनाति॥ सी कनाति॥ स कनाति॥

सा.स्व
९

ति॥ वरर्जवर्जोक्त॥ अनूस्वानस्य वरर्जपवनवर्जोक्तवति॥ वर्जोक्तवपननूपस्यादित्यर्थः॥ यवस्य
पवनयवलावा॥ अनूस्वानस्य यवपेनैलेयवलावाशक्ति॥ सूर्यतां॥ सूर्यतां॥ सूर्यवत्सजः॥ सूर्यस्य
न॥ त्वल्लनाति॥ त्वल्लनाति॥ ॐ हृदसि॥ अनूस्वानस्य ॐ कानमापयच्छन्दसि गायसह न हृष
पनक्त॥ हंस॥ हंस॥ वर्यसाम॥ वर्यसाम॥ तं न वि॥ तं न वि॥ ॥ ॐ नित्यं अनस
धि॥ ॥ अथ विसर्गसंधिर्निर्गयत॥ विसर्गनीयस्य स॥ विसर्गनीयस्य सकाशात् वतिरिव
सपन॥ क० कनाति॥ क० कनाति॥ क० वनति॥ क० वनति॥ क० द्वादयति॥ क० द्वादयति॥
गवसवा॥ विसर्गनीयस्य गवसपनवासकाशात् वति॥ क० गत॥ क० गत॥ क० वृष्ट॥ क
वृष्ट॥ क० साधू॥ क० साधू॥ क० ध्यात० क० ध्यात० वा॥ विसर्गनीयस्य कवर्जपवनवर्जसम्बन्धिः

गुन
९

निखपपन कयो वारुवति॥ कपावृच्चान्धार्थो॥ क० कनाति॥ क० कनाति॥ क० सवति॥ क०
 चति॥ वावस्पत्यादयः सहा सैशानि पात्साधवः॥ वाव० पति॥ वावस्पति॥ तदुहो० कनपत्ता
 र० नदवतया० सु० दत्ताप० वृहत्पति॥ वृहस्पति॥ तत्कन० तत्कन० काव० कन॥ का
 वस्कन॥ शन० कन॥ शनस्कन॥ हनि० वृ० हनि० वृ० यशु० नानूपपयतं तन्निपातना
 सिद्धं॥ अ० काना नातिषू॥ अ० काना विसर्जनीयस्य पदार्थं वारुवति॥ नागादिगणवर्जितधूपवग०
 ॥ अ० पति॥ अ० पति॥ अ० गण॥ अ० र्ज० अ० नातिष्विति विरगवत्तदहाना० अ० न
 पी॥ अ० नथकनी॥ अपराकत्वादहायी॥ अ० त्प० अ० काना त्पनस्य विसर्जनीय उक्ता वारुवति
 अ० निपनत॥ तपनस्तत्कानस्य॥ तपस्तत्पना वा तावान्गु० क० अ० अर्थ॥ कार्य॥ पदार्थः

न

सा. स्व
१०

त्वात्॥ हव॥ अकावात्पनस्पविसर्जनीयस्य उकावात् हवति हवपन॥ क॥ गत॥ कागत॥ देव॥ आ
ति॥ देवाजाति॥ मन॥ नथ॥ मनानथ॥ आदवलापण॥ अवर्ह्यत्यनस्पविसर्जनीयस्य लापण
वति अवपन॥ देवा॥ अण॥ देवाण॥ वाता॥ वाता॥ वातावाता॥ अकात्पनित्यस्य विषयीपनिह
त्यदीर्घा इदाहवति॥ कूनव॥ आत्महितीमर्तु॥ कूनवात्माहितीमर्तु॥ यन्नकृत्वा नानत्यर्तुत्सर्वानि
पातनादिद्वी॥ स्वनयत्वा॥ अवर्ह्यत्यनस्पविसर्जनीयस्य यत्वावति स्वनपन॥ देवा॥ अण॥ दे
वायण॥ देवाअण॥ रास॥ रासरागसअधास॥ त्यक्तस्मात्पनस्पविसर्जनीयस्य लापणवत्यव
पन॥ रा॥ अहि॥ राअहि॥ राग॥ नमस्तु॥ रागनमस्तु॥ अधा॥ याहि॥ अथायाहि॥ नामिनान॥ ना
मिन॥ पनस्पविसर्जनीयस्य नरावत्यवपन॥ अग्नि॥ अण॥ अग्निनण॥ पद॥ यजत॥ पदय्यंक्तं

गुनः
१०

हृत्सिद्धिः॥ जपादसङ्गाध्यापि प्रतिगिपायमिह विपायामपि पूर्वप्रतिपन्नमसिद्धिस्त्याह॥

अनरूपकृतिकस्य विसर्जनीयस्य न ह्यकारवति ३

५ वा

॥ हनि ४ ग कृति ॥ हनिर्ग कृति ॥ उपसा नावृध ॥ उपसा विसर्जनीयस्य पदान्कारवति वृधपन ॥
उष ४ वृध ॥ उष वृध ॥ अनरूपकृतिकस्य खपवा ॥ अनरूपकृतिकस्य विसर्जनीयस्य खपनेपन ह्यः
वारवति ॥ गी ४ पति ॥ गीपति ॥ गीर्पति ॥ धू ४ पति ॥ धूपति ॥ धूर्पति ॥ अनरूपकृतिनपि ॥ पु
चनसा नाजनितिवा ॥ पुचनगदस्य कानादरभाहवति नाजनिपन ॥ ह पुचनानाजन ॥ ह पुचनः
नाजनितिवा ॥ न ४ नरूपसर्वविधिविसर्जनीयस्य पदान्कारवत्येवपन ॥ प्रात ४ अत ॥ प्रातनत ॥ अत
४ गत ॥ अतर्गत ॥ निलापादीर्घ ॥ नरूपस्य नरूपनलापाहवति ॥ पूर्वस्य वदीर्घ ॥ पुन ४ नमन ॥ पुन
नमन ॥ शुक् ४ नृपात्मनाहति ॥ शुक्ली नृपात्मनाहति ॥ नामिना नरूपकृतिन ॥ उच्च ४ नोति ॥ उच्चनोति ॥
संवाह ॥ सगदादवगदात्यनस्य विसर्जनीयस्य लापाहवति हसपन ॥ स ४ वनति ॥ सवनति ॥ उष

षू॥ प्रमननोतीति प्रमनमकाशोतीति मयूनन ॥ ॐतिविसर्गसन्धिः ॥ अथ विरुक्तिर्दि-
 तावत ॥ साविध ॥ स्यादित्यादिश्च विरुक्तं नैपदी ॥ ननु स्यादिविरुक्तिर्नान्नायाकता ॥ अथ विरुक्तिर्नाम
 ॥ विरुक्तिर्नहिर्गंधादुर्वर्जितं नार्थवद्बुद्धनृपनामाव्यय ॥ कृतद्वितसमाश्रयादिपदिपक्वसंज्ञा ॐतिः
 कविरु ॥ तस्मात् ॥ सिउजसुअमुअगस ॥ हस्योसिहस्योस्यस ॥ हसिहस्यस्यस ॥ हसुअसुआम ॥ हिउ
 ससुप ॥ तस्मान्नामपनास्यादयः सुफविरुक्तायावकि ॥ ननुप्यर्थमात्रेकत्वविवक्षायांप्रमेकवचनद-
 वसि ॐतिस्तिष्ठत ॥ ॐकाउच्चावत्तार्थः ॥ आविमर्गे ॥ सकाननरुयाविंसर्गनीयादरुगवति अधाव
 सपदानेव ॥ देवः ॥ अपदानककथं ॥ आसुविरुक्तीति ॥ द्वित्वविवक्षायां ओअओओ ॥ देवो ॥ वरुत्वविव-
 क्षायां वरुवचनदेवजसु ॐतिस्तिष्ठत ॥ उकावस्यत्संज्ञायां लापः ॥ प्रयाजनजसीति विरगवर्णः ॥ दीर्घविरु-

सा.स्व
१२

दवा॥ सुन्दसि॥ अकानाकससाः सुक्कविद्वक्कव्य॥ दवास॥ वाक्कधास॥ द्वितीयेकववनद्व
असूँतिस्ति॥ अमगसावस्य॥ समानाइहंनयानमगसानकानस्यलापारवत्यध्या॥ दवी॥ दवी
॥ वरुवनदवगसूँतिस्ति॥ गकानगगीविगवधार्थ॥ सानंपस॥ पुलिगसमानाइहंनस्यग
स॥ सकानस्यनकानादरुगवति॥ गगीगगिपनपूर्वस्यदीर्घावति॥ यदादगसुद्वहवति॥ सकसु
हृहोपूननस्रव्या॥ दवान्॥ हतीयेववनदवटाँतिस्ति॥ टकानाः नवन्धसुनतिविगवधार्थ॥ ट
न॥ अनात्यनसाँनारुवति॥ अँ॥ देवन॥ अहि॥ अकानस्यआत्वीरुवतिरुकाभपन॥ दवासी
॥ वस्य॥ अकानात्यनस्यरिसारुकास्यकानादरुगवति॥ अँ॥ देवउसूँतिस्ति॥ वृद्धिः
विसर्जनीयो॥ दवी॥ अकननवहिनननयानननस्यकार्यकर्ह्वीवहिनननसिद्धीस्यात्॥ नन

गुणः
१२

असिद्धवहिननननन॥

अकननगर्वीकितामधादुगगर्गयाः कार्मनननगर्वी

थमन्नसर्वर्थादीर्घाः अकानस्यसि सिद्धन्त्यकाभावकाव्यः॥ कर्त्तरि॥ चतुर्थकवचनद्व
द्वदसि॥ तिष्ठति॥ रुकानदित्वा योर्थः॥ सर्वः॥ रुकः॥ अकानात्यनस्य दसि॥ तस्यागग
माहवति॥ कित्वा दसि॥ अयः॥ दीर्घः॥ दवाय॥ नित्यानित्ययानित्यविधिवत्त्वान् अतिर्यपनि
राधतिपनानित्यी॥ तनउनेनस्यात्॥ पूर्ववत्॥ दवायी॥ अतिवत्त्व॥ अकानस्य उत्तरवति॥ स
सकानरुकानचपनवत्त्वसति॥ ददसि॥ पचमकवचनद्वदसि॥ तिष्ठति॥ रुसि॥ अकाना
त्यनादसिनरुवति॥ दीर्घः॥ दवात्॥ रुकानस्यकार्यावाहननसि॥ विरुकिप्रदर्शयस्यला
पतिनप्राप्ति॥ पूर्ववत्॥ दवायी॥ देवस्य॥ षष्ठकवचनद्वदसि॥ तिष्ठति॥ रुस्य॥ अका
नात्यनादस्यरुवति॥ देवस्य॥ वरुवचनावाहत्वेनस्यात्॥ असि॥ अकानस्य उत्तरवति॥ अ

सा.ख
१३

सिपन॥ॐ अ॥ दवया॥ नूठान॥ समाना इह न स्यामानूठागमाहवति॥ टित्वादाशे॥ अ॥ ध॥ न
वत्पनवर्हितव्ये॥ ननवाविहमिषादोषथेनूदुपयाग॥ तस्मान्नामिन॥ स्वन॥ ॐ ॥ प्रपिनेह
वति॥ उका नउच्चानमर्थ॥ नामि॥ नामिपेनपूर्वस्यदीर्घाहवति॥ दवाना॥ सफम्यकववनद
दि॥ ॐ ॥ तिस्ति॥ अ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ देव॥ दवया॥ किलाखे॥ स॥ कृतस्य॥ कवर्धेदिलावपुत्याहाना इह न
सकनवित्पु॥ शकृतस्य सकावस्यवकावाह॥ अ॥ वति॥ दववू॥ विपनीरुपु॥ ह॥ स॥ स॥ स॥
षत्वीनस्याह॥ नामसयान॥ आमनुरधसिद्धि॥ आमनुरध॥ अ॥ हिमूवीकनर॥ स॥ स॥ नर्थविहित
॥ सिद्धिस॥ ह॥ वति॥ ॥ समाना द॥ लापा॥ अ॥ ना॥ समाना इह न स्या॥ रध॥ लापा॥ ह॥ वत्प॥ ध॥ ना॥ अ॥ ग
समानादिगिपदे॥ स्वपदे॥ व्याख्ययी॥ अ॥ न॥ था॥ ह॥ हा॥ हा॥ ह॥ रु॥ रु॥ रु॥ ह॥ वा॥ न॥ पु॥ मी॥ ॥ ॐ ॥ सा॥ दो॥ वि॥ ना॥ ध

गुः
१३

[illegible]

सा.न
१४

वोयदहीतिसुर्वोदिकार्येनरुवति॥तथसर्वनामाकश्चिरुस्मेसर्वोयः॥त्युनस्यदसमडल्या
थे॥सर्वेपर्यायः॥उत्पार्थ॥नारुसमायमउठाव॥अरुपुलिहत्वेननूपनयीनिर्विगेषतात
सर्वे॥सर्वो॥जसी॥सर्वोदनकाजातात्यनाजसर्वरुवति॥गुनः॥भिद्वेसर्वेस्यवकव्य॥गुन
त्वात्सर्वोदग॥अः॥सर्वो॥असुगसाजस्यत्यकोनलाप॥सर्वे॥सर्वो॥सानः॥पूस॥सर्वो
न॥पुत्रो॥रामनक॥षकाननरुअवरुत्यपनस्यनकानेस्यकाजादरुवति॥अरुसिह
स्येनरुवति॥सर्वोनिस्पादो॥अवकृष्यननपि॥अवपत्याहानेकवर्जतपवर्जतवमरध्यवव
धानपिरुतिनान्यन॥अपिगदानुकसमृच्चयार्थ॥नननंविर्गकष्योवधीवेनपिस्पात॥निर्वर्त
॥उनः॥कहा॥उनस्कहा॥उनपहा॥उनस्यहा॥०॥तिसिद्धति॥सर्वे॥सर्वो॥सर्वो॥वर्तु

गुनः
१४

अधन॥अधनाः२

५२

सा.स्व
१५

ॐ कानावावकव्य॥पूर्वे॥पूर्वो॥पन॥पना॥अपन॥अपना॥दकि॥दकि॥उरुन
॥उरुना॥अवन॥अवना॥स्व॥स्वा॥अनन॥अनना॥दसि॥दसि॥स्मा॥स्मि॥वावकव्य॥पू
र्वस्मा॥पूर्वो॥पूर्वस्मि॥पूर्वो॥पनस्मा॥पना॥पनस्मि॥पन॥आदिगेशा॥अवनद
कि॥उरुनअपनअधनस्वअननपर्यन्तदसि॥विकल्प॥७॥नवविउर्यकवचनषष्ठाच
नित्यमवसर्वाकार्य॥प्रथमचनमरुयायउल्लाखकतिपयनेमानीजसीवा॥प्रथमप्रथमा॥चन
म॥चनमा॥२॥गर्षदवत्वादीद्व॥द्वसर्वादनूकसीहानस्यात्॥नननमानी॥३॥त्यादि॥नया
यटीप्रत्ययो॥तीयप्रत्ययानुस्यसर्वेगद्वद्वपंदित्वावकव्य॥द्वितीयस्म॥द्वितीयाय॥द्वि
तीयस्मा॥द्वितीयात्॥द्वितीयस्मि॥द्वितीय॥७॥वहतीयगद्व॥उरुगदानित्यादिवचनानु॥

गुनः
१५

उहो॥उहो॥उहायी॥उहायी॥उहया॥उहया॥हउहो॥उहयगवानि सोह्यदिवचनाहाव॥
 ॥उकवचनवरुवचनरुवत॥उहय॥उहय॥उहय॥उहयान॥उहयन॥उहय॥उहयस्मे॥उ
 हयस्य॥उहयस्मात्॥उहयस्य॥उहयस्य॥उहयसी॥उहयस्मि॥उहयष॥हउहय॥हउहय॥स
 वोदीनीसीहायीयाजनदववत॥अकावाकस्यापिमासगदस्यविगममाह॥मासस्यालोपावा॥मा
 सगदस्याकावस्यालोपाहेवोवति॥सर्वोस्वविरुकिषूपनत॥अकानलोपकैपे॥हसय॥सर्लोप॥
 हसानादीवक्ताच्चपवस्यसर्लोपाहवति॥अर्विसर्ग॥मा॥मा॥मा॥मा॥मा॥मा॥मा॥मा॥
 मा॥
 मा॥

मासः

मासाः

नउच्चानधार्थः॥ अर्विसर्गः॥ तस्यपथमेकवचनहनिः॥ ओयूँश्चउधयूँ॥ ॐकानाकाइकानाकाचयन
 स्यओयूँआपद्यत०००॥ कुरुवतः॥ सवर०००दीर्घः॥ हनी॥ ॥ उओजति॥ ॐकानाकस्यउकानाकस्यजतिः
 पने॥ कानेअनश्चरवति॥ ॥ अय॥ हनयः॥ ॥ ॥ ॥ ॐकानाकस्यउकानाकस्यधिविवयउकान
 अकानश्चरवति॥ पथमताधिलोपः॥ पस्यलापपस्यलकदी॥ हहनी॥ हहनी॥ हहनयः॥ अमग
 शानस्यहनी॥ हनी॥ हनीन॥ पूर्ववत्॥ ॥ यथा॥ अमि॥ ॐकानाकाइकानाकाचयनक्षानातवतिः
 अमिया॥ हनिमा॥ अमियामिति॥ वृद्धा॥ ॥ धन्वा॥ हनिस्याम्॥ हनिति॥ ॥ ॐकानाकस्यउका
 नाकस्यवदिति॥ पने॥ कानेअनश्चरवतः॥ अ०००॥ ॥ अय॥ हनयः॥ हनिस्यो॥ हनिस्यः॥ हसिदक्षानस्य॥
 ॥ दश्यामूरुनरुस्यदसिदक्षानकास्यलोपातवति॥ आदोदिति॥ अर्विसर्गः॥ हनः॥ हनिस्यो॥ हनि

सा.न
१७

त्यः॥ हनः॥ ॐ यं स्वः॥ नायपादिः॥ आर्विसर्गः॥ हर्षः॥ नृजामः॥ नाभिः॥ युष्मन्मः॥ अवकुधः॥ त
नपि॥ हनीर्षी॥ हनीर्षी॥ ॐ इत्यां उरुनस्पदभोरुवतिसचठितेतिपत्रठर्षीपोरुवति॥ हनी॥ हनी
॥ किलात्यसः॥ हनिषु॥ ॐ अग्निनविकविगिनिजघिमूनिपुरुतयः॥ उकाभाकश्चिकुवायूतान्
पुरुतयः॥ ॐ अवंसेरुसिध्यन्ति॥ कानः॥ कानू॥ कानवः॥ हकाना॥ हकानू॥ हकानवः॥ कानू॥ कानू
कानूत॥ कानूना॥ कानूयी॥ कानूतिः॥ कानूवे॥ कानूयी॥ कानूये॥ कानू॥ कानूयी॥ कानूये॥ कानूये॥ कानूये॥
कानूये॥ कानूनी॥ कानू॥ कानूये॥ कानूये॥ ॥ सखिमदस्यरुदः॥ सखिधः॥ सखिमदस्यरुदः॥ सखिमदस्यरुदः॥ सखिमदस्यरुदः॥
॥ धर्जलवति॥ उक्तादिलापः॥ स्वनहीनेपत्रधर्मेयः॥ सखा॥ अर्धनिति विरमवताः॥ ॐ तिस्रः
॥ उकाभा॥ हसखा॥ ॐ सखा॥ सखिमदस्यकाभादः॥ सखा॥ उकाभादिष्वर्धपत्रधर्मे॥ यदितिदिष्टः

१७

सादर्भकदत्तस्थितिः यः॥ १॥ अयः॥ अपदान्तत्वात् स्वाहापि नूतनवति॥ सखायो॥ सखाधनि सखाधनि
 तिपदं॥ २॥ सख्युनिषंगोपनवरुनीये॥ अन्यथाह सख्युः सख्युः कात्रातनिवार्यता॥ दिवसस्योकात्रेखावाक्य
 दत्ति॥ सखायाः॥ सखायः॥ सखायः॥ सखायो॥ सखीनः॥ सखिपत्नीकः॥ सखिपतिमन्द्यानीः
 गगमाहवति॥ दक्षिणपुपनेषु॥ कित्वादकः॥ सर्वरक्षदीर्घः सहः॥ दीर्घत्वान्नानवति॥ ॐ यं स्व
 नः॥ सख्या॥ पत्या॥ आगमजमनित्यं जनिर्त्यत्वात्॥ सखिना॥ पतिना॥ ॐ तिकुन्दसिपथागः॥ सखिः
 स्यो॥ सखिसिः॥ सर्वरक्षदीर्घः सहः॥ ॐ यं स्वनः॥ सख्या॥ सखिस्याम्॥ सखिस्यः॥ अकः॥ सखिपतिम
 द्यागमगमाहवति॥ दक्षिणसार्धकानपनः॥ कित्वादकः॥ ॐ यं स्वनः॥ सख्युजसु ॐ तिसिः॥ न
 गादः॥ अकानात्वनस्पदसिदसादनकारस्पडकानाहवति॥ सचठिठित्वाटिलोपः॥ सख्युः॥

सा.न
१८

पक्ष॥ सखिणां॥ सखिषु॥ सख्यु॥ पक्षु॥ सखा॥ पक्षा॥ सखीनां॥ पतीनां॥ सफस्यकवचनं॥
कनोडिखोकात्रकसखिपक्षानिगितिगभभावकव्य॥ अकन सखिधिपतिधरान्यायात्रस
तं॥ तिदीर्घत्वाट लापानतवति॥ ति॥ प्रस्यलापप्रस्यलकृ॥ ओपनप्रकदभविक्रगमनं
नवता॥ सखा॥ पक्षा॥ पक्षा॥ सखिषु॥ पतिषु॥ एवंअनिसखिअतिसखिसूसखि॥ सखिवा
यूसखिविकसखिपंचसखिसंयवता॥ तृतीयादोहनिभयवता॥ पतिभयस्यपथमाद्वितीयया
हनिभयवत्येकिया॥ तृतीयादोसखिभयवतवकव्य॥ पतिनसेजासुवसखिभयवधकवश
तत॥ ससासाकेसनादयो रवकि॥ प्रजापतिना॥ प्रजापतया॥ ॥ स्यादि॥ द्विभयानिसेधिवचनाक॥
वि॥ तिस्मि॥ भदादधनस्यादो॥ भदादधनकात्रावतिस्यादोपन॥ अरधनितिनिधधत्तातु॥

गुरुः
१८

[illegible]

रि२

ता.न
१८

सादिनरुवति॥ अरुस्वतुमद्वनडसयस्व नववट्टकता॥ ॐ सादोनरुवति॥ सुप्रियो॥ सुप्रियश॥
सुप्रियो॥ सुप्रियो॥ सुप्रियो॥ सुप्रियश॥ सुप्रिया॥ सुप्रिीसी॥ सुप्रिीसी॥ सुप्रिय॥ सुप्रिीसी॥ सुप्रिी
स्य॥ सुप्रियश॥ सुप्रियश॥ सुप्रिीसी॥ सुप्रिीस्य॥ सुप्रियश॥ सुप्रियाश॥ सुप्रियो॥ सुप्रियि॥ सुप्रिया
श॥ सुप्रिीसी॥ हसुप्रिीसी॥ हसुप्रियि॥ हसुप्रियश॥ प्रववकीपनिजीविकीपूमी अथीमकी अघ्रीपर
तय॥ तथेवसुधीमद॥ ॥ कुकानाकः स्वयंरुमद॥ स्वयंरु॥ स्वयंरुवो॥ स्वयंरुव॥ स्वयं
वी॥ स्वयंरुवो॥ स्वयंरुव॥ स्वयंरुवः॥ स्वयंरुसी॥ स्वयंरुति॥ स्वयंरुव॥ स्वयंरुसी॥ स्वयंरुस्य
निष्पादि॥ ॥ सनानीमदस्योविरमधाहसादोस्वनादोदुविरमध॥ ॐ कामउज्ञानमार्थ॥ अविंस
गि॥ सनानी॥ खोवा॥ धातानवयवसंयोगपूर्वोयस्मादीकानाइकानानास्तिनदन्तस्यानकस्वनः

गुरुः
१८

स्य कान स्या कान स्य य कान व का नो त व त ॥ स्व व प न ॥ वर्षा रूप न रू व्यति नि क रू ग द सू भी म यो व ॥
 यित्वा वी ग ॥ दिये वि व का ॥ सना न्यो ॥ सना न्य ॥ सना न्य ॥ सना न्यो ॥ सना न्य ॥ सना न्य ॥ सना नी लो
 सना नी सि ॥ सना न्य ॥ सना नी स्यो ॥ सना नी स्य ॥ सना न्य ॥ सना नी स्य ॥ सना नी स्य ॥ सना न्य ॥ सना न्य
 ॥ सना न्यो दी नां वा मा नू ज ग भा व क व्य ॥ सना न्यो ॥ सना नी नी ॥ सफ म्प क व व न सना नी छि ॥ ति ति
 ॥ आ म्प दिय य ॥ जा व का दी व का नी म द वा रू न स्य क नामा द र ॥ त व ति ॥ जा म्प निय म र ॥ गि रू गं स
 म्प दि ती ॥ क नाम ॥ ति व क व्य ॥ क व ल स्या न्न ॥ पु थ मी पु यो ॥ क नामा न दु क वि ति रू चि ती ॥ सना न्यो ॥ स
 ना न्य ॥ सना नी य ॥ ह सना नी ॥ ह सना न्यो ॥ ह सना न्य ॥ ॥ नी ॥ नि यो ॥ नि य ॥ नि य नि स्या दि ॥ लू ॥
 लू ॥ लू व ॥ लू वा ॥ लू स्यो ॥ लू ति नि स्या दि ॥ वर्षा रू ॥ वर्षा रू ॥ वर्षा रू ॥ वर्षा रू ॥ वर्षा रू ॥ वर्षा रू ॥ वर्षा रू ॥

मसिहप्रत्यवहूणायावाहू९

नाका रम ग द ॥ ओ नो ॥ ओ कानस्यो कानाद रम रु व नि य च ॥ स स्या दि षू प न षू ॥ र मे ॥ ओ आ व ॥ ग व ॥
ग व ॥ ह र मे ॥ आ नू ण सि ॥ ओ कान स्या त्वं रु व नि अ मि ग सि व प न ॥ सा मा न्य ना वि र ग धा व न वा नू ॥ गं
॥ ग व ॥ ग ॥ उ क द ग वि क न म न न्य व नू ॥ ॐ ति न्या या नू ॥ क स मा स ॥ ग स ॥ स कान स्य न काना द
रम रु व नि ॥ र म नू कू न्द सि ॥ सा न ॥ पू स ॥ अ म ग सा न स्य न स्या नू ॥ ओ अ व ॥ ग वा ॥ र म र्था ॥ र म रि ॥
ग व ॥ र म र्था ॥ र म र्था ॥ इ सि इ सा न स्य त्प का न ला प ॥ र म ॥ र म र्था ॥ र म र्था ॥ र म ॥ ग वा ॥ ग वी ॥
कू न्द सि र म नू दू व कू व ॥ अ नू व र्मा स्य र म ग द स्य आ नू ज ग मा रु व नि ॥ र म नी ॥ ग वि ॥ ग वा ॥
र म र्था ॥ ह र म ॥ ह र म व ॥ उ वी सू यो ग द ॥ ओ काना का र म्मे ग द ॥ त स्य ह सा दो व वि र ग य ॥
॥ स्व ना दा वा वा द ग ॥ र म्मे ॥ र म व ॥ र म व ॥ र म वी ॥ र म व ॥ र म वा ॥ र म्मे र्था ॥ र म्मे रि ॥ र म

सा.स्य
२२

[illegible]

गुणः
२२

गीर्णं॥ दोस्तान॥ आवकस्यटो सांपनयानत्वं वति॥ अयादग॥ गीगया॥ गीगस्यी॥ गीगसि॥ दिता
यत्॥ आवकात्यनर्षादिसिद्धसिद्धिं॥ स्वर्णयजगसाहवति॥ टकानस्त्वननियमार्थ॥ जनेने॥
गीर्णये॥ गीगस्यी॥ गीगस्य॥ गीगया॥ गीगस्यी॥ गीगस्य॥ गीगया॥ गीगया॥ गीगया॥ गीगया॥ गीगनी॥
आम्ह॥ यदादगस्त्वनवति॥ दितायत्॥ गीगया॥ गीगया॥ गीगया॥ जर्वं॥ क्षामक्षामालाहलादा
लाजायामायाप्रहृतय॥ सर्वोदीनाकुटिस्त्विगप॥ सर्वो॥ सर्वो॥ सर्वो॥ सर्वो॥ सर्वो॥ सर्वो॥ सर्वो॥ सर्वो॥
या॥ सर्वोस्यी॥ सर्वोसि॥ यदा॥ आवकात्सर्वोद॥ पनस्ययट॥ सुजगसाहवति॥ पूर्वस्यवा॥ कानो
हवति॥ स्वस्य॥ सर्वोस्यी॥ सर्वोस्य॥ सर्वोस्य॥ सर्वोस्यी॥ सर्वोस्य॥ सर्वोस्य॥ सर्वोस्य॥ सर्वोस्य॥ सुजगम॥
॥ सर्वोस्यी॥ सर्वोस्यी॥ सर्वोस्य॥ सर्वोस्य॥ हसर्वो॥ हसर्वो॥ हसर्वो॥ जर्वीवि॥ अन्या॥ अन्यतना॥

सावस्व
५३

[illegible]

गुनः
२३

[illegible]

साजस्व
२५

॥ स्त्रीषू ॥ ७ वंशी गदह ॥ ॥ श्रीः ॥ श्रियो ॥ श्रियः ॥ श्रियः ॥ श्रियो ॥ श्रियः ॥ श्रिया ॥ श्रीर्या ॥ श्री
तिः ॥ वयुवं ॥ ॐ युवकास्तु यावत्माना हारि मा विव नानाम जग मा ह व मि ॥ श्रियो ॥ श्रियः ॥
श्रीर्या ॥ श्रीर्यः ॥ श्रियः ॥ श्रियाः ॥ श्रीर्या ॥ श्रीर्यः ॥ श्रियः ॥ श्रियाः ॥ श्रियोः ॥ आदीना वा ने मेः
चक्रव्यः ॥ श्रीर्मा ॥ श्रीर्या ॥ इ नामः ॥ आदीना मूलवस्य इ नामा द र ग स व मि ॥ श्रिर्या ॥ अजग
मा हा व आ मा प सा व ॥ श्रियि ॥ श्रियाः ॥ श्रीषू ॥ हृष्टी ॥ ७ वंधी जीप ह म योः ॥ पा नि वि काः ॥ अ
वीर की नील क्ली धी जी पी क्ष मू क्षा दि तः ॥ स फा ना म व ग दान सि लो पान क दा च न ॥ ७ व
रु ग द ॥ रु ग द शु व धू ज म्वा दी ना कु न दी ग द व ॥ नू र्प न र्या ॥ ॐ का न उ च्चा न क्ष र्थः ॥ आः
वि स र्ज ॥ व धू ॥ ड वी ॥ व र ध्वी ॥ व ध्वः ॥ व धूं ॥ व र ध्वी ॥ व धू ॥ र ध्वी स्वः ॥ ह व धू ॥ व ध्वः ॥ व

गुणः
२५

धूर्या॥वधूशि॥दितामरु॥वरधे॥वधूर्या॥वधूर्या॥वधू॥वधूर्या॥वधूर्या॥वधू॥व
धू॥वधूनी॥वधू॥वरधू॥वधू॥ॐ त्यादि॥मातृगदस्यपिहृगदवत्पुत्रिया॥माता॥मा
तृनी॥मातृज॥मातृवी॥मातृनी॥मातृ॥गसीतिदीर्घत्वी॥कुलिर्मत्वात्रत्वागवाविर्गवधूस्व
सृगदस्यकृत्तृगदवत्पुत्रिया॥नेकानोक्त॥कुलिर्मत्वात्रत्वागवाविर्गवधूस्व
गदस्यपूर्ववत्॥ॐ त्यादि॥मातृगदस्यपिहृगदवत्पुत्रिया॥माता॥मा
तृनी॥मातृज॥मातृवी॥मातृनी॥मातृ॥गसीतिदीर्घत्वी॥कुलिर्मत्वात्रत्वागवाविर्गवधूस्व
ॐ त्यादि॥ॐ तिष्ठीअनुरतिस्वन्पावायै कर्मसाजस्तापीगन्धर्वना
का॥कुलिर्मत्वा॥ अथस्वनाकानपुंसकलिर्मत्वा॥प्रद॥गन्धर्वना॥गन्धर्वना॥गन्धर्वना॥
॥नस्यप्रथमादितीयेकवचन॥अनाअम॥अकानाकानपुंसकलिर्मत्वा॥गन्धर्वना॥गन्धर्वना॥

ज्ञानत्व
२६

ति॥ अर्धो॥ अमाग्रहर्षलूग्यावृत्त्यर्थं॥ कनिवानक्षार्थं॥ असुगसावस्थस्यकानलापः॥ कुली॥ ह
कुल॥ ओमी॥ न प्रसक्तलिङ्गात्यनञोन्नीकानमापयता॥ कुले॥ जलग्नसाधि॥ न प्रसक्तलिङ्गा
त्यनयाक्रूसगसाधिरुर्वति॥ गकावसर्चोदग्भार्थं॥ शुनूगिच्चसर्वेस्यवक्त्रावा॥ नूनयम॥ न
प्रसक्तलिङ्गात्यनमागमाहवगिरगपन्न॥ यमप्रत्याहानाकनरुवति॥ मिदस्यास्त्वनाद्यानावक
॥ उकावउच्चावार्थं॥ मकावस्त्याननियमार्थं॥ नापधायादीर्घं॥ नान्तस्यापवायादीर्घो
वति॥ रग्मेधिवर्जित्वूपवत्सुनामिच॥ कुलानि॥ पुनवपि॥ कुली॥ कुल॥ कुलानि॥ रग्यैदवतु
॥ अवमूलफलपूष्यपुण्ड्रुकुट्टम्वादयायकानाकानप्रसक्तलिङ्गा॥ स्वन्याद॥ अन्यादगे
प्त्यवयो॥ स्पमाणुरुर्वति॥ उकावउच्चावार्थं॥ गकाव॥ सर्वोदग्भार्थं॥ अन्यत्॥ अन्यद्॥ अ

गुनुः
२६

न्य॥अन्यानि॥ २॥नृमदीर्घ॥ॐ नन॥ॐ नन॥ॐ नोतेति॥ २॥अन्यनन॥अन्यनन॥अ
न्यनवाशि॥ २॥कनचन॥कनव॥कनजाति॥ २॥कनमन॥कनम॥कनमानि॥ २॥गर्वपूर्व
व॥ॐ कावाकाऽस्तिगष्ट॥नपूसकाटस्यमाल्लक॥नपूसकेलिनात्यनयाऽस्यमाल्लकवति॥अ
स्ति॥युष्मी॥ॐ कावानस्यउकानाकस्यमकानाकस्यवनपूसकरवोवागुरक्षवकाय॥हृजृस्त॥
हृजृस्ति॥उकैहि॥सन्धाधनरुगनसक्तिनूपसाकैतथा नानमथप्यरुनी॥माध्मीदिनिर्वेष्टिगु
र्गलिगकनपूसकव्याधुवदावनिष्ठ॥उगनसी॥उगनसपूजदृगसूअन्यहृॐ हृनवासि
धेजरुवति॥उत्वादि लाप॥उगना॥हृउगन॥हृउगनन॥हृउगन॥हृॐ तिपून॥ॐ गक
नपूसकगुर्गवष्टि॥हृवाव॥हृवावि॥हृमरु॥हृमधू॥हृकल॥हृकल॥ॐ त्यादि॥नामिन

सा.ज
२१

४ स्वने ॥ नाम्यनस्यनपसकलिमस्यनमागमाहवति ॥ स्वनेपन ॥ अनेवविरुक्तिस्वनेचन
गृह्णते ॥ ननदद्युत्थादोनम्न ॥ अस्तिनी ॥ नापधयादीर्घः ॥ अस्तीनि ॥ २ ॥ अस्तीनि ॥
॥ अस्तीनीनामागमाहवति ॥ ॐ कानस्यवाकानादरगमहवति ॥ दादोस्वनेपन ॥ अस्तीनी
नीनादीस्वनेपननामिनः ४ स्वने ॥ ॐ तिनस्योत ॥ अस्तीपः ४ स्वने ॥ म्वयुक्तास्तदा ॥ नानस्यप
धया अकानस्यलापाहवति ॥ गमादीस्वनेपनतद्विरुक्तीपि ॐ कानव ॥ ॥ भकान
वकानाकसंयोगादेहनस्यनहवति ॥ अस्ती ॥ अस्तीर्षी ॥ अस्तीरिः ॥ अस्ती ॥ अस्तीर्षी ॥ अः
स्तीर्यः ॥ अस्ती ॥ अस्तीर्षी ॥ अस्तीर्यः ॥ अस्ती ॥ अस्ती ॥ अस्ती ॥ अस्ती ॥ अस्ती ॥ अस्ती ॥ अस्ती ॥
अकानस्यलापाहवति ॥ अस्ती ॥ अस्तीनि ॥ अस्ती ॥ अस्ती ॥ अस्ती ॥ अस्ती ॥ अस्ती ॥ अस्ती ॥ अस्ती ॥

गुनू४
२१

नि॥ वानिधि॥ वानीधि॥ २॥ नपूसकस्य ऊस्व॥ नपूसकस्य ऊस्वा रुवति॥ अमहिकुली॥ स्वना
दोनामिन॥ स्वन॥ तिनूमाग॥ अमहि॥ अमहिनी॥ अमहीनि॥ २॥ टादावृक्कपूस्वपूर्वदा॥
उक्कपूस्वनाम्यनूतनपूसकलीगटादोस्वनपत्रपूर्वदा रुवति॥ अमैध्व॥ अमैधिना॥ अमैध्वी
॥ अमैध्वि॥ अमैध्विनी॥ अमैध्वी॥ अमैध्वि॥ अमैध्वि॥ अमैध्वि॥ अमैध्वि॥ अमैध्वि॥ अमैध्वि॥
॥ अमैध्वि॥ अमैध्वि॥ अमैध्वि॥ अमैध्वि॥ अमैध्वि॥ अमैध्वि॥ अमैध्वि॥ अमैध्वि॥ अमैध्वि॥
नामिन॥ स्वन॥ तिनूमाग॥ अमहि॥ अमहिनी॥ अमहीनि॥ २॥ टादावृक्कपूस्वपूर्वदा॥
उक्कपूस्वनाम्यनूतनपूसकलीगटादोस्वनपत्रपूर्वदा रुवति॥ अमैध्व॥ अमैधिना॥ अमैध्वी
॥ अमैध्वि॥ अमैध्विनी॥ अमैध्वी॥ अमैध्वि॥ अमैध्वि॥ अमैध्वि॥ अमैध्वि॥ अमैध्वि॥
॥ अमैध्वि॥ अमैध्वि॥ अमैध्वि॥ अमैध्वि॥ अमैध्वि॥ अमैध्वि॥ अमैध्वि॥ अमैध्वि॥ अमैध्वि॥

सा. स्व
२८

॥ मधूना ॥ मधूत्यां ॥ मधूरिः ॥ मधून ॥ मधूत्यां ॥ मधूत्यः ॥ ॐ ह्यादि ॥ ह मधू ॥ अकानाकः क ह ग
॥ क ह ॥ नामिनः स्वन ॥ क ह ति ॥ क ह ति ॥ २ ॥ ह क ह ॥ क ह म ॥ क ऊ ॥ क ह त्यां ॥ क ह रिः ॥
क ह ॥ क ह त्यां ॥ क ह त्यः ॥ ॐ ह्यादि ॥ र म धी पूर्व वत् ॥ नेकानाका अति ने ग दृ ॥ ऊ स्वा द र ग संध
क ना ध मि का ना का ना व क थो ॥ ना य म ति का क म ति नि क ली ॥ अ नि ति ॥ अ ति नि धी ॥ अ ति नी ति ॥
अ ति वि धा ॥ ॐ ह्यादि ॥ अ कानाक उप र ग ग दृ ॥ ऊ स्वा द र ग संध क ना ध मि ति ॥ उप गु ॥ उप गु
नी ॥ उप गु ति ॥ २ ॥ उप गु धा ॥ उप ग वा ॥ ॐ ह्यादि ॥ अ कानाका अति ने ग दृ ॥ ना व म ति का क य
ऊ ली त द ति नू ऊ ली ॥ अ ति नू ॥ अ ति नू नी ॥ अ ति नू नि ॥ २ ॥ अ ति नू ना ॥ अ ति न वा ॐ ह्यादि ॥ सर्व
नामिनः स्वन ॐ ति नू म्भ क पूर्व हा वा रु व मि स्व व प न ॥ ॥ ॐ ति गी अ नू ह ति स्व नू पा वा य व

गुनः
२८

होस्व नानानपूंसकलिङ्गः॥ ॥ अथ हसानां प्रलीङ्गः पदार्थः ॥ तत्तु हकाराभावात् अन्तः
 हगदः॥ पञ्चत्वेन इह आमागमावकव्यः॥ मिदीत्यात्वेनात्यन्तावकव्यः॥ सावन इहः॥ अन्तः
 हगदस्य सोपनेनूमागमावति॥ हसपः सलोपः॥ सयोगात्कस्यलापः॥ सयोगात्कस्यपदस्यः
 लापावति न संपदाकवः॥ अन्तः॥ नून्निधानसामर्थ्यात्॥ वसवि सति दत्तालावः॥ यद्वा क
 तपि द्वा न सयोगात्कस्यलापाकनूपवेपनीत्यः॥ अन्तः॥ अन्तः॥ आवसः॥ अन्तः
 हस्यलोपः अमागमावति॥ उर्वः॥ हसाङ्गलोपः॥ हसाङ्गनस्यङ्गलोपावति॥ हन्तः
 न॥ हन्तः॥ हन्तः॥ अन्तः॥ अन्तः॥ अन्तः॥ अन्तः॥ अन्तः॥ वसवि स॥ वसः
 मुसः अन्तः॥ अन्तः॥ अन्तः॥ अन्तः॥ अन्तः॥ अन्तः॥ अन्तः॥ अन्तः॥

विनामावसानम् ॥ वह्नी नाम ता वा ऊवसान संरुं स्यात् ५ =

वह्नीनां मस्यवा मस्यवान् ५ =

सा. ख
२९

अनश्रुषी ॥ अनश्रुष्य ॥ अनश्रुह ॥ अनश्रुषी ॥ अनश्रुष्य ॥ अनश्रुह ॥ अनश्रुहा ॥ अनश्रु
ही ॥ अनश्रुहि ॥ अनश्रुहा ॥ खसवपा मसानां मिति तत्त्वी ॥ अनश्रुसू ॥ एगश्रुहगे देस्यरुका
नाकत्वपिविरेगष ॥ दादर्थ ॥ दादर्थोताह कानस्य घत्वैरुवमि ॥ धातामसनाम्रश्चनसं प
दाकव ॥ एगइघसि ००० तिस्ति ॥ आदिजवानां मलानस्य मलान् ॥ धातामलानस्य दौव
हं मानानां जवानां मिवारवकि ॥ सकानध्वगद्वपननाम्रश्चनसं पदाकव ॥ वावसान ॥ अ
वसान वह्नी मानानां मलानां जवानां मिवारवकि चपावा ॥ आदोहसप ॥ संज्ञापिभुषावसान ॥ एग
धूक् ॥ एगधूग ॥ एगइहो ॥ एगइह ॥ एगइहो ॥ एगइहो ॥ एगइह ॥ एगइहा ॥ रुकावादी
दादर्थ ००० तिघत्वैरुत आदिजवानां मिति दकानस्य धकावकनमरुजवा ॥ एगधूहाम् ॥

गुन ४
२९

सा.ख

313

वाशिः॥रा नोह॥रा नवाश्यामिषादि॥७वृष्टवाहगद॥पृष्टोह॥पृष्टोहा॥पृष्टवाश्यामि
पृष्टवाशिनिषादि॥वानिवागदस्यरुद॥अवर्षेद॥अवर्षेवक्रोदधोत्यनस्यवाहावा
वागदस्यउत्तंरवति॥गसाक्षेस्वनपन॥वायूह॥वायूहा॥वानिवाश्या॥वानिवाशिः॥००
दि॥७वृष्टनिवाहगद॥उलासाहगदस्यरुद॥सह॥वसादि॥सादिनृपसति सहसकान
स्यवकाजाद॥१॥रवतिजसपदानं॥उलाषाड्॥उलाषाड्॥उलासाह॥उलासाह॥००
षादि॥मिगुद्रहगदस्यरुद॥द्रहादीनांघत्वत्त्वा॥द्रहादीनांघत्वत्त्वा॥रवति
॥१॥धनामसपननामनश्चनसपदानं॥मिगुधुक्॥मिगुधुगु॥मिगुधुगु॥मिगुधुगु॥मिगुद्र
हो॥मिगुद्रह॥मिगुद्रह॥मिगुद्रह॥मिगुद्रह॥रकाजादोघत्वत्त्वा॥रकानम

८५४

30

5

10

15

20

2.5

सा.स्य
३९

नस्यानागमयस्यलापशतवति॥नसपदाश्वारधो॥नाजा॥अनागमयस्यतिनामाकस्येवाप
लकर्मनप्रभनसीत्यादीनलापश॥नाजानो॥नाजान॥अधाविकितिविखषक्षत॥हनाज
न॥नाजान॥नाजानो॥अलाप॥स्वन्नम्ययुकाश्वशदो॥सा॥धुरि॥धुनितिनकाजस्य॥काज
॥ज॥ज॥ज॥जकानजकानसंयागक्षारवति॥नाक्ष॥नाक्ष॥लापशिपूनर्तसंधिजितिनियमा
दहीत्यात्वनरवति॥नकुसन्धिप्रकनध॥वपपकिर्तनवर्धविनाधपूर्वकार्यो॥नाक्षर्यो॥
नांजलि॥नाक्ष॥नाक्षर्यो॥नाक्षर्य॥नाक्ष॥नांक्ष॥नाक्षर्यो॥नाक्षर्य॥नाक्ष॥नाक्ष॥
नाक्ष॥वदा॥नाक्ष॥नाक्षनि॥नाक्ष॥नाक्ष॥उर्वयकनसधर्मनआत्मनप्ररुगय॥
अम्वयुकातिविरणषक्षदक्षानास्ति॥यका॥यकानो॥यकान॥यकानो॥यकानो॥यकान॥

उन्
३९

यकना॥ यकसी॥ यकहि॥ सुधम्मर्ने॥ सुधम्मना॥ आत्मन॥ आत्मना॥ आत्मसी॥ आत्महि॥ आ
त्मनस्यादि॥ धनंयूवनमघवनगधानीपचसूनाऊनगधवत्युक्रिया॥ गसादीविभय॥ धादकु
॥ धादगसात्यनस्यचकानस्यउत्तंरुवतिस्वनपनतद्धि॥ ॐपि॥ कावव॥ गुन॥ गुना॥ धसी॥ ध
हि॥ ॐस्यादि॥ यूवनगधुवकानस्यात्वकनसवर्द्धदीर्घ॥ सह॥ मून॥ यूना॥ यूवसी॥ ॐस्यादि॥ म
घवनगधुवकानस्यात्वकन॥ उअ॥ मघान॥ मघाना॥ मघवस्यामित्यादि॥ पथिनूगधस्यहद॥
ॐता॥ त्यक्त॥ पथ्यादीनीमिकावस्याकानादलग्नवति॥ पचसूस्यादिपूयवयू॥ पथन्सि॥ ति
सि॥ ॥ आसी॥ पथ्यादीनीटिनात्तंरुगिसोपेवेवे॥ पथ्या॥ टनात्तविधसोनेमथ्यासिलापाशाव॥ प
न्धानो॥ पन्धान॥ तस्यसन्धाधनहपथिन्॥ पन्धानी॥ पन्धानो॥ पथ्या॥ पथ्यादीनीटिनात्तंरुगिसोपेवेवे॥

सा.सू.
३२

मिगसाक्षेस्वत्रपत्र॥पथ॥पथ॥पथिर्षी॥पथिरि॥ॐ॥सादि॥उर्वमथिनमृदुशिनगदो॥दहि
नगदस्यहद॥ॐ॥ना॥भो॥ॐ॥नहनपूषनमृयमनू॥सकवर्गभो॥सोवा॥धोपनउपधयादीर्षा
रवति॥नलापसिलापो॥दहो॥॥भो॥ॐ॥तिनियमादिवचनीनादोदीर्घोनस्याह॥दहि॥नो॥दहिः
न॥हदहि॥न॥दहिर्न॥दहिर्नो॥दहिर्न॥दहिर्ना॥दहिर्षी॥दहिरि॥ॐ॥सादि॥उर्वकलि
नकपोलिनमृगलिनददिन्मालिनधुनिपरतया॥उर्ववक्रहा॥वक्रहो॥वक्रहहा॥हव
क्रन॥वक्रहर्ष॥वक्रहरक्षो॥गसाक्षेस्वलोप॥अलोप॥हनाघो॥हन्वो॥हकावस्यघर्षव
ति॥नकावक्रिश्तिवपनो॥घर्ष्या॥गसत्वनिषधार्थ॥वक्रघ्न॥वक्रघ्ना॥वक्रहर्षी॥वहर्क्षेति॥
॥ॐ॥सादि॥उर्वपूषा॥पूषरक्षो॥पूषहा॥पूषर्षी॥पूषरक्षो॥पूष॥पूषा॥पूषर्षी॥पूषति॥

गुनः
३२

पूरुहोदोदितोपावटिकवित्॥ उरुयवित्पननूपय्य॥ पूरुहि॥ पूरुषि॥ पूरुषि॥ एव अर्यमा॥ अर्य
 मरुहो॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥
 ॐ त्यादि॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥
 पञ्चनजसूतिस्ति॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥
 कुरुवति॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥
 ॥ पञ्चनजसूतिस्ति॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥
 केलाप॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥
 अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥ अर्यमहा॥

सा.स्य.
३३

प्रियपञ्चमो॥ गसादोपथीटनिटिहोप॥ स्वनं० त्यकानलाप॥ प्रियपञ्च॥ प्रियपञ्च॥
 प्रियपञ्च॥ प्रियपञ्चनि॥ ०० त्यादि॥ वाजनगद्यबन्॥ ७वीप्रियसफा॥ प्रियसफानो॥ प्रियसफा
 न॥ प्रियनवा॥ प्रियनवानो॥ प्रियनवान॥ प्रियदग्ना॥ प्रियदग्ना॥ प्रियदग्ना॥ ०० त्यादि॥
 अष्टनगद्यस्यरुद॥ अष्टनाजोवा॥ अष्टनगद्यस्यनयाऊं गसावोरोरवति॥ छिन्नादिनाप॥ अ
 शो॥ अष्ट॥ २॥ वासु॥ वाजुअसु॥ अष्टोसूपनासुविरुक्तिवृवा आसीरवति॥ अष्टाति॥ २
 अष्टात्य॥ २॥ आर्त्तनदगावया॥ अष्टानामित्यकनूप॥ अष्टाना॥ अष्टासु॥ अष्टसु॥ प्रियाष्टा॥
 प्रियाष्टानो॥ प्रियाष्टान॥ ०० त्यादि॥ पथिन्गेवत्॥ मकानाक० दमगद्य॥ ०० दमगद्य॥
 ०० दमगद्यस्यवृत्तिविषयअर्थरुक्ति॥ सिसहिगस्य॥ अर्च॥ द्विवचनादोषुदाद॥ अष्टनं स्यादावि

गुनः
३३

वि०

सा.सू.
३५

स॥ मो॥ न॥ त॥ मो॥ तान्॥ नन॥ तास्य॥ त॥ तस्मै॥ तास्य॥ तस्य॥ तस्मात्॥ तास्य॥ तस्य छं छं
॥ तस्य॥ तया॥ तया॥ तस्मिन्॥ तया॥ तयू॥ ज्वी॥ य॥ यो॥ य॥ यी॥ यो॥ यान्॥ ज्व॥ छं छं
जो॥ ज॥ ज॥ जदन्वादर्गद्वितीयादौ स्थनादर्गवावकाव्य॥ उक्तस्य पूनन्नुक्तिवत्त्वादग॥ छं छं
॥ जती॥ जनी॥ जतो॥ जनी॥ जतान्॥ जनान्॥ जनन॥ जनन॥ जतया॥ जनया॥ ॐ स्वादि॥ छं छं
छकात्राकस्तत्त्वपाच्छं छं ॥ ॥ छगं नाजाद॥ व॥ वा॥ वा॥ वावसान॥ तत्त्वपाद्॥ तत्त्वपाद्
॥ ह॥ तत्त्वपाद्॥ तत्त्वपाच्छं॥ तत्त्वपाच्छो॥ तत्त्वपाच्छ॥ ॐ स्वादि॥ थकात्राका॥ अग्निमथुणद॥ वा
वसान॥ अग्निमत्॥ प्रत्याहावस्य सीर्या नियमस्तु तास्तीति वचनाच्छथ० खरुहानविटतक
पाजउदगवा॥ ह॥ व॥ अग्निमद्॥ अग्निम॥ अग्निमथ॥ ॐ स्वादि॥ खसं वपा

गुनः
३५

४२

सा.स्य.
३६

[illegible]

四

गुनः
३६

ना २

स

व॥ न स क स्या प ग ह स्य म ह क ह स्य व दी र्धो रु व ति ॥ प च स धि व किं न व र्णो च प न ॥ स या ग क
 स्य ला प ॥ म हा न ॥ म हा की ॥ म हा क ॥ म हा न ॥ म हा की ॥ म हा की ॥ म हा त ॥ म हा ता ॥ म हा ऊ वा ॥
 ॥ म हा ह्या ॥ म हा हि ॥ म हा ता ॥ म हा ह्या ॥ म हा ह्य ॥ म हा त ॥ म हा ह्या ॥ म हा ह्य ॥ म हा त ॥ म हा ता ॥ म हा की
 ॥ म हा ति ॥ म हा हे ॥ म हा त ॥ उ को नानु व र्ण रु व रु ग ह ॥ अ त्व सा ॥ अ त्व रु स्या स क स्य व दी र्धो रु
 व ति ॥ तं सो च प न ॥ रु वा न ॥ स या क स्य ला प ॥ रु व की ॥ रु व क ॥ रु व न ॥ रु व की ॥ रु व त ॥
 ॥ रु व ता ॥ रु व ह्या ॥ मि त्या दि ॥ अ र्व म घ व रु ग ह ॥ म घ वा न ॥ म घ व की ॥ म घ व क ॥ म घ व की ॥ म घ
 व की ॥ म घ व त ॥ म घ व ता ॥ म घ ह्या ॥ म घ व हि ॥ ॐ दि त्यो ॥ अ स क स्या ति किं ॥ प त्र या क स्य ति दि व
 कि न ॥ पि त ने दु रु स ती ति पि तु ग ह ॥ कि व क ॥ पि तु ग स ॥ पि तु सो गे ॥ पि तु य स ॥ ॐ स्या शे न दी

सा.ख.
३७

[illegible]

गुणः
५७

हाहवतिनसपदाकव॥सिहाप॥उर्विसर्ग॥दा॥दाघो॥दाघ॥दा॥दाघो॥दा॥
 साहोस्वनपन॥नाकगोवकव्य॥दाघ॥दाक॥दाघा॥दाक॥दाघो॥दाघो॥दाघ॥दाक॥
 दाघो॥दाघो॥दाघ॥दाक॥दाघो॥दाघो॥दाघ॥दाक॥दाघा॥दाघो॥दाघो॥दाघो॥
 दाघो॥दाघो॥दाघा॥दाक॥दाघो॥सहवसिवातसपदाकवदीर्घोवकव्य॥सह॥सह॥
 यो॥सहव॥सहव्य॥सहयो॥सहव॥सहवा॥सहयो॥सहकि॥०॥त्यादि॥सकानाकापूत
 गद॥पूसा॥सह॥पूतगदस्यपत्रस्वसहादरगहवति॥हकावा॥त्यादगर्थ॥उकानानुविः
 धनार्थ॥वितानुमितिनुमाग॥मिदन्त्यास्वनात्यनावकव्य॥स्वनम॥पूमन्सि०तिदिन॥
 नसमहकारधोदीर्घ॥संयोगकस्यलोप॥पूमान्॥पूमानो॥पूमान्स॥हपूमन्॥पूमान्सी॥पू

सा.स्व
३८

मा.सो॥पु.स॥पु.सा॥पु.र्या॥संयोगनस्यलाप॥पु.रि॥पु.स॥पु.र्या॥पु.र्य॥पु.स॥पु.र्या॥
पु.र्य॥पु.स॥पु.सा॥पु.सी॥पु.सि॥पु.सा॥असंरुवपु.स॥क.सो॥असंरुवतिवदार्ककवश
स्यात्मनावद्वत्तासंरुववाच्यपु.स॥ग.स्यक.ग.ग.मा.रुवतिसूपिपेन॥अ.का.न.उ.वा.न.ध.थ॥
स्का.ना.या.धु॥संयोग.यो॥स.का.न.क.का.न.या.नो.पा.रुवति॥क.व.सं.या.ग.रु॥पु.रु॥उ.वी.वि.द.स
ग.द॥वि.द.न॥वि.द.सो॥वि.द.स॥रु.वि.द.न॥वि.द.सं॥वि.द.सो॥व.सा.व.उ॥व.रु॥स.म्व.धि
ना.व.का.न.स्य.उ.त्व.पा.प्रा.ति.ग.सा.दो.स्व.न.प.न.रु.द्वि.रु.पि.रु.का.न.व॥वि.द्व.ष॥रु.द्वि.रु.व॥वे.द्व.र्य
वि.को.दी.पि.वि.द्व.षी.व.स्य.उ.त्व॥कि.रु.ला.त्व.स॥वि.द्व.वा॥व.सा.न.स.रु.ति.द.त्व॥वि.द्व.र्या॥वि.द्व.
रि॥वि.द्व.ष॥वि.द्व.र्या॥वि.द्व.र्य॥रु.त्या.दि॥उ.वी.रु.द्वि.व.स.ग.द॥रु.द्वि.वा.न॥रु.द्वि.वा.सो॥रु.

गु.नः
३८

म

सा. स्व
३९

सनस॥ उ० स० सो० धो० ना० क० मा० द० क० ता० वा० व० क० व्य० ॥ ह० उ० ग० न० न० ॥ ह० उ० ग० न० ॥ ह० उ० ग० न० ॥ उ० ग० न० सी० ॥
उ० ग० न० सी० ॥ उ० ग० न० स० ॥ उ० ग० न० सा० ॥ उ० ग० ना० त्या० मि० त्या० दि० ॥ अ० द० स० ग० द० स० र० द० ॥ स० दा० द० नि० नि० स० च०
ग० का० न० ॥ अ० द० सि० ०० ति० ति० न० ॥ सी० स० ॥ अ० द० सा० द० का० न० स० य० सो० य० न० स० त्व० क० व० ति० ॥ स० नो० ॥ अ० द० स० ग०
द० स० स० नो० का० ना० द० र० ग० र० व० ति० ॥ अ० सो० दि० व० व० न० अ० द० उ० ०० ति० ति० न० ॥ द० स० मे० ॥ मा० इ० ॥ उ० अ० उ० अ०
उ० ॥ अ० द० सा० म० का० ना० त्या० न० स० य० स्व० स० य० स्व० का० र० ने० वा० ति० ॥ दी० र्घ० स० व० दी० र्घो० का० ना० र० व० ति० ॥ अ० म०
उ० ०० ति० ति० न० ॥ ओ० म० ॥ अ० म० ॥ व० रु० व० व० न० स० र्वा० क० सी० ॥ अ० ०० ॥ अ० म० ॥ ०० ति० ति० न० ॥ उ० नी० व० रु० त्व०
॥ व० रु० व० व० न० स० त्व० द० अ० द० स० य० उ० का० न० स० य० ०० का० ना० र० व० ति० ॥ अ० मी० ॥ अ० मी० ॥ अ० म० ॥ अ० म० न० ॥ म० त्व०
उ० त्व० व० रु० न० ॥ दा० ना० ति० यी० ॥ अ० म० ना० ॥ दि० व० व० न० ॥ अ० रि० त्या० त्व० प० श्चा० ना० इ० का० न० ॥ अ० म० त्या० ॥ अ० मी०

गुनः
३९

सा.स्व
४०

दिवावका नस्पउकाना द॥ तवति ॥ सोपना ॥ ॐ र्यस्व न ॥ आर्वि सुर्गे ॥ ४ ॥ दिवो ॥ दिव ॥ वामि ॥ दि
वग ॥ दस्यामि पनवा आकाना द॥ तवति ॥ ॐ र्यस्व न ॥ दिवी ॥ दिवी ॥ दिव ॥ दिवा ॥ पुनस्य ॥ दिवग ॥ द
स्यनमपनवका नस्पउकाना तवति ॥ ॐ र्यस्व न ॥ ग्रुपी ॥ ग्रुहि ॥ दिव ॥ ग्रुपी ॥ ग्रुप ॥ ॐ र्यादि
सकाना नदिवसुग ॥ ४ ॥ दिव ॥ दिवसो ॥ दिवस ॥ दिवसी ॥ दिवसो ॥ दिवस ॥ दिवसो ॥ दिवसी ॥
ॐ र्यादि ॥ नरुनकचै नुनग ॥ नित्यवतवचनाक ॥ मिचकुवा मिचयुति सुवत सुवत ॥ स्त्रीयावत
नानया ॥ मिचकुनग ॥ द्यासि सुवसे ॥ ॐ र्यादि ॥ तावा द॥ तवति ॥ ॐ र्यादि ॥ तावा द॥ तवति ॥ ॐ र्यादि ॥
नान ॥ ॐ र्यादि ॥ ननरुवति ॥ वतमु ॥ ४ ॥ अनी ॥ वतमु ॥ वतसुति ॥ वतसुत्य ॥ ४ ॥ मिचवतसुग ॥ द्याः
दीर्घावति नमिपन ॥ द्दसि कुवा ॥ वतसुनी ॥ वतसुपी ॥ वतसुषू ॥ ४ ॥ वतिमु ॥ ४ ॥ नरुकागि

गुनः
४०

न ग द ॥ आर्विहस्प ॥ धा नानिकान् कानया दीर्घा रुवति ॥ न रुहं कानया हं सप नया ॥ ह सप
॥ स न्नोप ॥ आर्विसर्ग ॥ गी ॥ गिनो ॥ गिन ॥ गिनी ॥ गिनो ॥ गिन ॥ ह गी ॥ गिना ॥ गिर्यो ॥
गिरि ॥ गिन ॥ गिर्यो ॥ गिर्य ॥ गिन ॥ गिर्यो ॥ गिर्य ॥ गिन ॥ गिनो ॥ गिनी ॥ गिनि ॥ गि
ना ॥ ननास्पि ॥ न रुहं द्विहितं सूपि पन न रु स्य विसर्ग ॥ न स्यर्थ ॥ गीर्व ॥ उर्वपुन धुना दय
॥ धका नानु समिध ग द ॥ वावसान ॥ समिग ॥ समिद ॥ समिधो ॥ समिध ॥ समिध ॥ समिध ॥ समिध
॥ समिध ॥ समिध ॥ समिध ॥ समिध ॥ ॐ ह्यादि ॥ रुकाना नु ॥ क कुरु ग द ॥ वावसान
॥ क कुरु ॥ क कुरु ॥ क कुरु ॥ क कुरु ॥ क कुरु ॥ क कुरु ॥ ॐ ह्यादि ॥ रुकाना नु स्य द दय ॥
॥ रुवा स्य द द द निति सर्वं कान ॥ आवत ॥ स्त्रिया ॥ अकाना नाना ॥ स्त्रिया विरुमाना राप्य

सा.स्व
४९

या रु व नि ॥ प का न गि लो पार्थ ॥ स व र्द्ध दी र्घ ॥ स हा । म्नी लि र्म स र्वा ग द्वा द्वा र्प न र्थ ॥ सु ॥ स्पा ॥ रा ॥
 ह्या ॥ सा ॥ न ॥ ता ॥ ती ॥ न ॥ ता ॥ त या ॥ त र्था ॥ ता रि ॥ य टा च्च ॥ त स्वे ॥ ता र्था ॥ ता र्थ ॥ त स्या ॥
 ता र्था ॥ ता र्थ ॥ त स्या ॥ त या ॥ ता र्था ॥ त र्था ॥ त या ॥ ता र्था ॥ या ॥ य ॥ या ॥ या ॥ या ॥ य ॥ या ॥ न ॥
 वा ॥ न ॥ न ता ॥ न त मि र्था दि ॥ न वी कि म्भ द्वा ॥ का ॥ क ॥ का ॥ का मि र्था दि ॥ म का बा न्ना ॥
 द म्भ द्वा ॥ ॐ यी म्नि र्था ॥ ॐ द म्भ द्वा म्नि र्था मि र्थ रु व नि ॥ शि स रि न स्य ॥ ॐ र्थ ॥ ॐ म ॥ ॐ ना ॥
 ॥ ॐ र्म ॥ ॐ मा ॥ ॐ मा ॥ अन टा सा ॥ टा स्वन ॥ अन या ॥ आ र्था ॥ आ रि ॥ अ स्वे ॥ डि ती म्भ ॥ य ॥
 टा च्च ॥ आ र्था ॥ आ र्थ ॥ ॐ र्था दि ॥ च का बा न्ना स्वन द्वा ॥ वा ॥ क नि ति क र्त्वा ॥ वा व सान ॥ त्व
 क् ॥ त्व ग् ॥ त्व वी ॥ त्व व ॥ त्व वी ॥ त्व वी ॥ त्व व ॥ त्व वा ॥ त्व र्था ॥ त्व रि ॥ ॐ र्था दि ॥ म्भ द्वा ॥

गुन्
४९

2.5

स्य ३

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वाना ॥ वार्याम् ॥ वारिंश ॥ वाना ॥ वार्याम् ॥ वार्यश ॥ ॐ स्वादि ॥ चतुनमदुचतुनासुसोवसाम् ॥
उवं ॥ चात्त्वानि ॥ २ ॥ चतुर्तिंश ॥ चतुर्षष्टि ॥ २ ॥ चतुर्ह्रस्वम् ॥ चतुर्षष्टि ॥ नकानानां ॥ हनुमदश ॥ अक्रशसश ॥ अहनमद
सनकानसकानाहवति ॥ नसपदानच ॥ स्पमालक ॥ अविस्मर्तश ॥ अह ॥ ॐ मी ॥ वद्वोश ॥ अक्रो ॥ अहोनि ॥ अ
हानि ॥ अहश ॥ अक्रो ॥ अहनी ॥ नापधयादीर्घश ॥ अहोनि ॥ अक्रोपश्वनम्वयूकाकसादो ॥ अक्रो ॥ अहोस्यो ॥ न
ससकानश ॥ अविस्मर्तश ॥ हवा ॥ उडा ॥ अहोतिश ॥ अक्रो ॥ अहोस्यो ॥ अहोस्यश ॥ अक्रश ॥ अहोस्यो ॥ अहोस्यश ॥ अक्र
अक्रश ॥ अक्रो ॥ अक्रो ॥ अहनि ॥ वद्वोश ॥ अक्रो ॥ अहस्य ॥ नलापश ॥ वक्रशमदत्यनसपदानचनलापश ॥ नपुंस
कास्पमालक ॥ वक्र ॥ वक्रशी ॥ वक्राणि ॥ २ ॥ अन्वयूकदिति विरगममदशोपानास्ति ॥ वक्रश ॥ वक्रश्या ॥ वक्र
शिश ॥ वक्रश ॥ वक्रश्या ॥ वक्रश्या ॥ सन्वयो वानपुंसकानानलापावाच्यश ॥ हवक्रन ॥ हवक्र ॥ ॐ स्वादि ॥ पुवं
वर्मश्वर्मश्वर्मश्वरुतयश ॥ नाकादनाकन्यसिस्वावालापश ॥ कन्दस्यागमजानागमजमाली ॥ वक्रश्या ॥

सा. स्व
४३

निमिरुत्तवनेमिहिकस्यायरावठ॥ सर्वास्तानि॥ पनमव्यामन्॥ पनमव्याम॥ पनमव्यामि॥ तदादीनांस्वमार्त्तिक
कृतं नत्वं नरुवति॥ स्यादविति विभवधत्॥ दिवचनादो गृह नत्वं कृता॥ ॐ मो॥ तृतीयादो गृह सर्वसंदवद्रपं न यो
वावसान॥ स्यात्॥ स्याद्॥ स्या॥ स्यानि॥ २॥ तत्॥ तद्॥ त॥ तानि॥ २॥ येत्॥ यत्॥ यद्॥ य॥ यानि॥ २॥ एतत्॥ एतद्॥ ए
ता॥ एतानि॥ २॥ किं॥ का॥ कानि॥ २॥ ॐ दं॥ ॐ म॥ ॐ सानि॥ २॥ तृतीयादो सर्वगृह पूर्ववत् प्रक्रिया॥ चकाना न प्रभु
मदृ॥ स्वमार्त्तिक॥ चो॥ कृ॥ वामवासाने॥ प्रभुक्॥ प्रभुगा॥ अ॥ धर्मादीर्घं॥ ॐ कानपन॥ प्रतीची॥ नृमयमथा
यथे॥ २॥ चो॥ कृ॥ मरुजवा॥ प्रभुग्यां॥ ॐ म्यादि॥ जगत्॥ जगद्॥ जगती॥ जगन्ति॥ जगता॥ जगत्यां॥ ॐ स्यादि॥
एवंमहच्छ्रुदृ॥ महत्॥ महद्॥ महती॥ मसेमहता॥ ॐ तिदीर्घं॥ नहन्ति॥ महता॥ ॐ स्यादि॥ एवंसकानान्प्रयत्न
माजस्रववसप्रहृतयः॥ प्रयः॥ प्रयसी॥ प्रयासि॥ प्रयसा॥ प्रयास्यां॥ ॐ स्यादि॥ मृदस्मदस्य स्वमार्त्तिकी कृतं
विसर्गः॥ अ॥ दृ॥ दिवचनादो गृह नत्वं कृता विरुक्कि कार्यं च कृतं मत्तोत्वा॥ अमू॥ अमूनि॥ २॥ अमूना॥ अमूत्यां॥ ॐ स्या

गुनः
४३

ॐ

प्र २

दि॥ भवंपूर्ववत् ॥ ॐ ति ह सा नान पं स क लिं ग ॥ ॥ अथ युष्मदस्मत्तमदां स्वनूपनिनृषीत ॥ ॥ तथा ध्रु
वाव्यलिर्न त्वादिषु पिलि र्मयुसमाननृप्य ॥ वाव्यमृत्पुत्र्यैत्यथो नन्निगं रजततु सौ वि र्गषनत्वमा
पन्नं वाव्यलिर्न स उच्यते ॥ ॥ त्वमहं सिना ॥ युष्मदस्मदां सितहियोऽहं त्वमहं ॥ ॐ त्वा वा द र गीः
रुवतः ॥ यथा स र्वे न ॥ त्वं ॥ अहं ॥ ॥ युवा बोधि वचन ॥ युष्मदस्मदां दिवचन पत्रे युव आव
ॐ त्वा वा द र गी रुवतः ॥ आमा ॥ युष्मदस्मदां पत्रे ओ आमा वेति ॥ युवा ॥ आवा ॥ ॥ युयैवयै
जसा ॥ जसा सति न या र्युष्मदस्मदां र्यैवयै ॐ त्वा वा द र गी रुवतः ॥ युयै ॥ वयै ॥ ॥ त्वन्मद
कत्वे ॥ युष्मदस्मदां त्वदमद ॐ त्वा वा द र गी रुवतः ॥ एकत्व गम्यमान ॥ ॥ आमस्तो ॥ युष्मद
स्मदां द्वा त्वं रुवत्समिस्तकान रितिवपन ॥ त्वं ॥ मां ॥ युवा ॥ आवा ॥ ॥ तदा द्वा त्वं रुवत्

सा.स्व
४४

गसीतिदीर्घत्वं॥ ॥गसानावकव्य॥यूष्मान्॥अस्मान्॥ ॥त्वन्मदादृगकृकटंनकान॥७
दा॥॥यूष्मदस्मदा॥नत्वंरुवतिटादि००त्यतया॥पनयो॥अमादग॥त्वया॥मया॥युवासी
॥आवासी॥यूष्माति॥अस्माति॥ ॥दुर्गममर्कदया॥दसहितयार्यूष्मदस्मदास्तुर्गममर्क
००त्यतावादृगभेरुवत॥दुर्गम॥मर्क॥युवासी॥आवासी॥ ॥त्यर्गम॥यूष्मदस्मदा॥पया
त्यसर्गमरुवति॥गकानारुकानादित्वव्यावृत्त्यर्थ॥नतात्वेत्वनरुवत॥यूष्मसी॥अस्मसी॥ ॥
दसित्यसोस्तु॥पच॥मर्कदसित्यसा॥रुवति॥गकान॥सर्वोदृगभर्थ॥उकानेउच्चाजसर्थ॥
॥त्वत्॥मत्॥युवासी॥आवासी॥यूष्मत्॥अस्मत्॥ ॥तवममदसा॥दसासहितयाः
यूष्मदस्मदास्तुवमम००त्यतावादृगभेरुवत॥तव॥मम॥युवया॥आवया॥ ॥स

गुनु४
४४

बौदित्वास्तु ॥ सामाकी ॥ यूष्मदस्मदाः पनः सामाकीरुवति ॥ यूष्माकी ॥ अस्माकी ॥ त्वयि ॥ मयि ॥
 यूवयाः ॥ आवयाः ॥ यूष्मासु ॥ अस्मासु ॥ ॥ अथानया वादणविरगवविधिः ॥ निनृप्यतः ॥
 यूष्मदस्मदाः षष्ठी बहुर्थी द्वितीयाहिसहितयाक्रमवानोवसनसो ॥ ॥ यूष्मदस्मदायथसख्य
 नामी आदेशरुर्वति ॥ ॥ कीदृशयाः षष्ठी बहुर्थी द्वितीयाहिसहितयाः ॥ तत्रैकवचनक्रमवतः ॥
 द्विवचनवानो ॥ वरुवचनवसनसो क्वचित्त्वयामयातथैक्रमवतः ॥ ॥ स्वामिर्गमाया
 तस्वामीमसिप्रतीगतः ॥ नमस्कृतगवक्रुयोदहिममाक्रमव्ययी ॥ १ ॥ स्वामीवसिजुहासाद्येष्ट
 हानोदानयावनी ॥ नाजावांदास्यतदानः हानोमधूसूदनः ॥ २ ॥ दवावामतोवेविष्णुर्नव
 कात्रोसौजनार्दनः ॥ स्वामीवावलवान्नाजास्वामीनासौजनार्दनः ॥ ३ ॥ नमावावक्रविहृषाः

सा.स्व
४५

प३

प

हाननादीयताधनी॥सानन्दानवधुंशमा॥पञ्चमानसदृष्टिविन॥ ४ ॥त्वामामा॥अमासहितयार्थव्याः
दस्मदास्त्वामा॥००॥त्यतावादर्शभरवत॥ ॥पञ्चमीत्वामदात्री॥पञ्चमामदरुदकी॥पञ्चमित्वाजगत्य
कंपञ्चमापानैपनी॥ ॥७वपुगुरुव॥पूजामम॥पूजस्तु॥पूजाम॥पूजस्तु॥पूजामकी॥पूजस्तु॥पू
जाम॥पूजस्तु॥पूजामा॥पूजस्तुपाहु॥पूजामापाहु॥अमयुवया॥अमश्रावया॥अमावी॥अमना
॥७वदीयतपाहुव॥रुदयुवी॥रुदयुवी॥पूजायुष्माकी॥पूजास्माकी॥पूजाव॥पूजान॥पूजायुष्मा
की॥पूजास्माकी॥पूजाव॥पूजान॥पूजायुष्मान्॥पूजास्मान्॥पूजाव॥पूजान॥नादो॥पादादोवर्द्धमा
नयायुष्मादस्मदानेनआदर्शभरवति॥ ॥तवयगुजवाजाजनममनप्यतिगुव॥तवमिज्ञासिया
निस्युर्मममिज्ञासितान्यपि॥नूडाविरग्ध्वनादवायुष्माकीकूलदेवेता॥स७वरुगवान्ना॥स्माकीपा

गुनः
४५

पनागकः॥ पादादविमिकि॥ ॥ पण्डिताननसिंहस्यनखलगलकाटयः॥ हिमध्वंमिषावैकः॥
 ॥ सुहृद्मानुषा॥ संवानपदादुग्नानावन्निबसादयः॥ हनामनवदासास्मिनामसुख्येनमानमः॥
 दवास्मानपाहिहवविस्त्रास्माननकसर्वदा॥ २ ॥ वादिहि॥ वादिहि नपिसुयागनेन आदशाव
 कि॥ वादिनिपात॥ वादिनव्यथानिपातसंज्ञावति॥ ॥ ववाह॥ अह॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥
 क॥ विना॥ नाना॥ स्वस्ति॥ अस्ति॥ दया॥ नका॥ मृवा॥ मिथ्या॥ मिथ्य॥ अथ॥ अथ॥ अथ॥ अथ॥
 ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥
 ना॥ अल॥ कर्त॥ अमानानाप्रतिषेध॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥
 क॥ साध॥ यत्॥ तत्॥ स्वनाथ॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥ ॐ॥

सा. स्व
४६

पात्यं॥ तस्मिन्निति त॥ यस्मिन्नितिय॥ कस्मिन्नितिकृहकृकृक॥ तस्मिन्काले॥ यस्मिन्काले
यदा॥ तनप्रकाशतथा॥ यनप्रकाशयथा॥ कनप्रकाशकथं॥ अतनप्रकाशवृत्तं॥ तस्मा
दितित॥ यस्मादितिय॥ कस्मादितिकृ॥ अस्मादिति अ॥ वृत्त॥ सार्वविरुक्तिषुकसु
सु॥ त्यक॥ सर्वसमादितिसर्वत॥ पूर्वस्मिन्निति पूजसा॥ अधस्मिन्निति अध॥ पवसि
न्नितियने॥ आहिवद॥ इमारथवाच्य आहिप्रत्ययोरुवति॥ दक्षिणहिवसतिवाधुला॥ कि
म॥ सामान्यविदादि॥ किम॥ दस्यसामान्यर्थवितृवनप्रत्ययोरुवत॥ कश्चित्॥ कोवितृ॥ कः
वितृ॥ कीवितृ॥ कनवितृ॥ कस्मैवितृ॥ कस्मावितृ॥ कश्चन॥ कोचन॥ कीचन॥ कोवितृस्त्री॥ तद
धीनकास्त्रयावोसा॥ वास्त्रीधीनजासा॥ सर्वेस्मै॥ तितस्मासा॥ उय्यैगीकन॥ उनी

गुनः
४६

तदि२

कृत् ॥ उ न नी कृत् ॥ स या दि का ल नि पा ल्य त ॥ स य ॥ स प ति ॥ अ धू ना ॥ ॐ दार्जी ॥ सी प्र ती ॥ सी प्र ति ॥ पु
र्व य ॥ प न य ॥ अ न्य य ॥ य दि ॥ म हि ॥ ते न हि ॥ म टि ति ॥ रू र्ध्व ॥ आ गु ॥ भी र्धु ॥ प्रा दि नू प स र्ग ॥ प्र
॥ प ॥ ना ॥ अप ॥ स म ॥ अ नू ॥ अ व ॥ नि स ॥ नि न ॥ इ स ॥ इ न ॥ वि ॥ आ रु ॥ नि ॥ अ धि ॥ अपि ॥ अ ति ॥ स
॥ उ त ॥ अ ति ॥ प्र ति ॥ प नि ॥ उ प ॥ अ र ॥ अ क न ॥ आ ॥ वि ॥ अ यं ग स उ प स र्ग स र्ग र व ति ॥ प्रा ग्ध
ना ॥ उ प स र्ग ॥ प्रा ग्ध ना ॥ उ य कृ व्या ॥ त द व य र्थ ॥ त दि दं वा दि ग द नू प म व य र्थ स र्ग र व ति ॥ क्वा
य कृ च ॥ उ क्ता ॥ स्ना त्वा ॥ कृ प ॥ प्र द म्य ॥ वि हा य ॥ उ म् ॥ क र्त्तु ॥ द र्त्तु ॥ द म ॥ हा न हान ॥ का र्त्तु
नी ॥ द्वि ॥ वि नी कृ त्वा ॥ व त्प ल्य या क्ती ॥ घ ट व त् ॥ आ म ॥ कृ त कृ ना म ॥ ग स ॥ व र्त्तु ॥ उ र्ध्व अ न्य
ग पि ॥ अ व य या दि रु क ल क ॥ अ व य या प न स वि रु क ल र व ति ॥ न गे द नि दं ग अ व य या नी न व ति

सा. स्व
४७

मदिति नियमाः॥ उक्ते हि॥ सदृशीषु लिंगेषु सर्वोत्तमविरुक्तिषु॥ वचनपूर्वसर्वव्युत्पन्नव्यतिदेते
व्ययं॥ ॥ उक्ता धिलिङ्गं न्यवयान्यधुना लिंगविरुक्तिविधिरूपयिषया स्तोत्रपयाः प्रहयन्॥
आवतः क्रिया॥ यस्य लोपः॥ जाया॥ माया॥ मध्या॥ शुद्धा॥ धला॥ माला॥ ॐ त्यादि॥ अजादप्येव
काव्यः॥ अजादुक्ता॥ का किला॥ वाला॥ गूडा॥ गहिका॥ ध्रुवका॥ काप्यतः॥ कापि ॐ अतः॥
क्रिया कापि पदपूर्वस्याकानस्य ॐ कावाद्गुरुवति॥ कन्यकादो नरवति॥ कालिका॥ प्रावि
का॥ पाठिका॥ वरुपनिवाजिका॥ वस्त्रिणा गुनिनद्रापमवाप्य नृपसर्गयाः॥ आपरेवेव
साकानां यथावावा निम्नदिग्मा॥ अवगच्छी॥ वगच्छी॥ अपिधनी॥ पिधनी॥ अतनीसः॥ वतनीसः
॥ असावा क्रिया कापि पदतदादोवपूर्वस्य ऊस्वावावति॥ वहीका॥ वसिका॥ नदीका॥ नदिः

गुनः
४७

का॥२॥ग्रयसीतमा॥२॥ग्रयसिमौते॥स्त्रीतना॥सुतना॥विइषीतमा॥विइषीतमा॥विइषीतमा॥रुव
 सीतना॥रुवतिनोते॥रुवतना॥ॐ॥त्यादि॥वागुहसन्नोकादोनरुवति॥वागुहसन्नदेवनिश्रुम
 ननिपतस्यन्यकस्यर्थेष्वपिनिपातानामनकार्थत्वात्॥ॐ॥प॥नकारान्कारकादसक्ता
 वसुधायामिष्यत्यारुवति॥दहिनी॥दहिनी॥कविधी॥मालिनी॥ॐ॥पिनाह्लापावकव्य॥
 ॥नाह्लापावमन्युगपि॥दिशन्नी॥ॐ॥त्यादौश्रुत्वापाह्लातव्य॥ॐ॥दर्वेडम्॥शुनी॥मधानी॥मका
 नान्तोत्त॥कडु॥हर्षीश्रुनकात्॥ओपगवी॥मकानाकानामपिमाहपिरुस्वप्नादन्तरुवति॥यस्य
 लापा॥ॐ॥श्रुश्रुय॥तस्यलापोरुवतिस्त्वनप्रव॥विरुक्तिस्त्वनवर्जितस्त्वन॥यप्रत्ययविनहितो॥
 यकारं॥ॐ॥तिलाप॥ॐ॥ट्ट॥षकोनटकोनडकोनमकानान्तरुवन्ध्यात्सुधायामिष्यत्यारुवतिष्व

यकानव२

सा.स्व
४८

नावकीटकुन्वनी॥उरुममी॥अरुवकी॥ॐत्यादि॥नदाद४॥नदाद४र्जसस्त्रीयामीप्रत्ययाहव
ति॥नदीरुमी॥रुमेतमी॥पञ्चमी॥चकुथी॥हादुमी॥सर्व्वनी॥ॐदादजाधीप॥ॐदाद४र्जसस्त्री
यामीप्रत्ययाहवति॥ॐदाधी॥रुवाधी॥सर्व्वी॥नूदाधी॥माहुलापाध्मयात्यविखानीप॥
कृष्टियावाय्योहा॥माहुजानी॥माहुवी॥उपाध्मयाधी॥उपाध्मयायी॥कृष्टियाधी॥कृष्टिया॥आ
वाय्योधी॥आवाय्यो॥ॐसमाहानगुहश्च॥कृष्टयाध्मवदानीसमाहान४॥कृष्टी॥पूया॥गव॥गृ
डपून्वसंया॥गविषकिरुस्त्रियांॐपुप्रत्ययाहवति॥गृडी॥गृडावा॥गतिकी॥गतिकावा॥वकानाह
ॐरुगपालिकाशेनहवति॥आरुनयापध्मन॥आरुतिवाविनाश्यकाध्मदकावाकास्त्रियामीप्रत्य
याहवति॥मषी॥महीवी॥शूकनी॥हंसी॥कुक्कुटी॥वाक्कृणी॥कन्यकाशेनहवति॥अयकावा॥

गुनः
४८

पर

म

उपधादितिकी॥ कृत्रिया॥ वेग्धा॥ प्रथं वया वा विनाः ॥ पूर्वकृत्वा ॥ कुमारी॥ किम्बरी॥ कनरी॥ पु
रुतयः ॥ प्रथमगृह्णन् ॥ वृद्धा॥ सुविना॥ अगृह्णन् ॥ मिशुः ॥ स्वामी॥ स्वामं वा विना वा क्रियामी
प्रत्यया रुवति॥ सुमुखी॥ मृगकी॥ तन्वमी॥ वागृह्णन् ॥ पप्रवदना॥ कमलनयना॥ कल्याणकारा
॥ किमलयकवा॥ मृदालजुजा॥ सुकम्भा॥ सुकम्भीवा॥ सुहृत्स्वादीन॥ कृदिका वा दक नि पूर्वकृत्वा ॥
॥ अमुली॥ अमुलिः ॥ धूली॥ धूलिः ॥ आजी॥ आजिः ॥ अकृत्रितिविगमयन् ॥ कृतिः ॥ कृतिः ॥ जे
चमन्वाग्नेष्टा क्रियामिप्रत्यया रुवति॥ जेका वा दगम् ॥ जेआय॥ मनायी॥ मनावी॥ चकावान्नान्
कानस्योवा॥ वृषाकपायी॥ पत्न्यादयानि पात्यन् ॥ पत्नी॥ अकृत्वेत्नी॥ सुखी॥ अकृत्वेत्नी॥ युवती॥
अभिप्री॥ प्राविष्टादयः ॥ गदानी पात्यन् ॥ प्रसीवी॥ उदीवी॥ प्रावी॥ अवाविष्टादयः ॥ गदानी पा

मन्वादयः

ना

5

10

15

20

25

सा.सु
४२

त्यक्त॥ पाणिगृहीती॥ उनी॥ पितामही॥ मातामही॥ स्ताली॥ कृष्णी॥ रगही॥ स्तली॥ कडली॥ रगा
ली॥ कामुकी॥ ॐ त्यादि॥ दानगदानिर्त्यवहवनाक्त॥ पल्लिर्ग॥ दाना॥ दानान्॥ दाने॥ दान
नैत्य॥ दानस्य॥ दानार्थं॥ दानयू॥ वीर्गुम्भत॥ उका नान्कगुहवाविनावास्तिया मूप्रत्ययाहवति
॥ पट्ट॥ पट्टी॥ मृदू॥ मृद्वी॥ तनू॥ तन्वी॥ लघू॥ लघ्वी॥ पादुनिस्सादेन॥ उरुडु॥ उका नान्कास्तिया
मूप्रत्ययाहवति॥ पीगू॥ वामानू॥ कनहानू॥ युनक्ती॥ युवनगर्होस्तियाती प्रत्ययाहवति॥
युवती॥ चर्या नामत्वात्स्यादय॥ आवकादा ॐ निसिलोप॥ ॐ वकाच्चसर्प॥ सलोप॥ पूर्वकूपन
नैयं॥ ॥ ॐ तिलुप्रत्यय॥ ॥ अथविरक्तार्थे निनूयत॥ लिङ्गार्थे प्रथमा॥ भगुप्रत्ययो
तिनिकमर्थवक्तृष्टनूपील्लिङ्गस्येवार्थे सन्मातृप्रथमाविरक्तिर्हन्तिवे॥ कावकहृदः जिलिनीद

व३

गुन४

४२

५१

सा.सू.
५०

रावयाः॥ राधाविहङ्ग्यादिनीयाधायुष्यर्थेपूतत्वाति॥ कर्त्ताकर्मजकनदीसीपदानरुथेवव॥ अ
पादानाधिकनमिस्याहुंकात्रकासिषट्॥ कार्यकर्मकात्रकउत्पाद्यआप्यसंस्कार्यदिकार्यैः
वदिनीयाविहङ्ग्यारुवेकि॥ यद्रुत्वासाविहङ्ग्याय॥ यत्सिद्धमवप्नाप्यतदातेय्य॥ यद्गुणम्
तजाधार्त्तमलापकयोवाक्केपयतन्तस्कार्यैः॥ यत्पूर्वोवस्थापविहङ्गागमावस्थाकृत्वप्रफिक्षि
यतन्तद्विकार्यैः॥ ॥ कटकवातिकानूकानूपपञ्चतिवाक्यवश॥ नाक्षीप्राप्तिधर्मिष्ठसामंत
नामित्सामपाः॥ अहिसर्वतसांकार्योधिगुण्योदिष्टुनिष्ठा॥ आमुदितीद्विहिन्नकौदिनीयामुदिता
नुवृत्तान्न्यापिदृग्भक्त॥ अहितान्प्रमनदीवहति॥ ॥ द्रव्यानदीरुधनकन्दबादेकालामुरु
लोयनवत्सवादित्॥ अधधमानेकवयाजनादिशावस्तुदर्शत्यवनावधादि॥ सर्वेताग्रमननवाद्यर्थे

गुणः
५०

२ अहितः पवितः समया निकषाहा प्रतिया लादितिया विरुक्ता यावन्ति ॥ अमत्याहितः अहिताग्रमं अन्तर्ग्रामी अहिताग्रमी २

पर

॥ धिरद्वदही ॥ उपर्युपनिपूत्राहितं यावकां पतन्ति ॥ तस्य पत्रमां प्रदितं ॥ तस्य पत्रनूपमां प्रदितं
संरुस्यात् ॥ अमृती ॥ उपनि उपनिपर्वं तंगमृति ॥ अरुध अरुधवर्क्यामि ॥ अरुधधिवर्क्यामि ॥ अरुधधिवर्क्यामि ॥ अरुधधिवर्क्यामि ॥
॥ अरुधधिवर्क्यामि ॥ अरुधधिवर्क्यामि ॥ अरुधधिवर्क्यामि ॥ अरुधधिवर्क्यामि ॥ अरुधधिवर्क्यामि ॥ अरुधधिवर्क्यामि ॥
प्राप्य ॥ अरुधधिवर्क्यामि ॥ अरुधधिवर्क्यामि ॥ अरुधधिवर्क्यामि ॥ अरुधधिवर्क्यामि ॥ अरुधधिवर्क्यामि ॥ अरुधधिवर्क्यामि ॥
हता ॥ समयाग्रमी ॥ निकषाग्रमी ॥ हतप्राप्य ॥ प्रतियाग्रमी ॥ सल्लहर्क्यामि ॥ अरुधधिवर्क्यामि ॥ अरुधधिवर्क्यामि ॥
यश्मि ॥ क्रियानामधदो विक्रदाता वा नूतिनेव कुर्यात् ॥ मासमेधीतनायात्कागपर्वं ॥ अरुधधिवर्क्यामि ॥ अरुधधिवर्क्यामि ॥
सस्यदिवधीतकागस्य ॥ कदलीपर्वं ॥ कदलीपर्वं ॥ प्रधनक्रियाययसाधनेव ॥ क्रियासिद्धपकाज
कंकनरथहगीयाविरुक्तिर्वति ॥ क्रियाययल्वकर्मोदीनामपिसरुवति ॥ क्रियासिद्धपका

सा.स.
५१

नकीसाधनी॥ ॥ हिन्नः गन्धनामघनावश्लोकनावधः॥ कवाश्लोषविदिहोपिबानवेयुध
कपूनः॥ दानपाठसंप्रदानकानकवधुर्थी॥ वदविदगीददाति॥ द्वायायकन्यादेदति॥ बाः
ह्रीदुंददाति॥ नजकस्यवसुन्ददातित्यादोसंप्रदानकानकत्वावावन्नवधुर्थी॥ ननुदानस्य
किंनकरी॥ गदवाह॥ स्वसत्त्वनिजसनीपनसत्त्वात्यादनीदानी॥ संप्रदानतदवस्थापूजानुग्रह
काम्यया॥ दीयमानेनसंयोगभूतस्वामित्वलक्षणहियत॥ ननुवाह॥ दृष्टुंददातित्यनुपनेस
वात्यादनीरवत्यककर्थनवधुर्थी॥ गदवाह॥ ॥ ददामिदं पुनरेषानहीपननेवादिहकानवः
दानकाम्यया॥ यदीयनवासनयासंपाठुतदानपाठुंकथिर्मनिष्ठः॥ विरंशवावरक्षोपवमी॥ वि
रंशवाविरागस्तुगुयावधिश्चननयाश्रुवैवलनयावाविवक्तिस्तुगुयादानपवमी॥ धवगधद

गुनः
५१

पतङ्गः॥ हृत्तागिभवतननि॥ सर्वधवाष्टि॥ सनारूपनूवाहयः॥ पिशानतत्पुजनी॥ गुब्धमववनं
 पथ्यं कवीनीनसवद्वदः॥ सिस्वामिस्वर्यन्यजनकस्वश्रवयवावयविस्वश्राधवा॥ धयत्वमवाविसे
 ॥ आधवसफमी॥ आधवाधिकनदी॥ षटविधमधिकनदी॥ ओपरश्रविकी॥ ओपरश्रविकीश्रुवि
 धी॥ व्यान्निगच्छन्निपनैः॥ जलनोधवमि॥ वनव्याघ्रमिष्टमि॥ सामपिकी॥ अश्रुव्यापकी॥ वेष्टी
 पिकी॥ नेमिलिकी॥ ओपवानकीवमि॥ ॥ कटरगमकुमात्राशोवतगभवः॥ ससंवत॥ तिलवृदि
 यगमेलिहदिवेक्तामृमपनी॥ यूद्धसन्नकुमधीनाङ्गुल्यगुकनिधममर्ग॥ शोवः॥ क्रियाकर्मम
 पिसफमी॥ वषमिदवदोदश्रायातः॥ पटस्यसुमालिनीपमिभाजातिः॥ कालपिसफमी॥ वस
 र्ककोकिलाः॥ स्वर्नकुर्वन्नि॥ सनदिपूयन्निः॥ सफकुदोः॥ विनासहनमसलितनिर्दोषनस्वाम्या

सा.स्व
५२

दिशिश्च॥ उभेनपि या रादितीयाया विरक्तया तव कि॥ विनापार्य सर्वं हलति॥ अकनक्षकिनीः
किंजीवितन॥ अकनक्षामाहनि त्पादिपदाग्रं॥ सहसदृगं साकं साक्षं सौम्यं गतं॥ स
मिष्यत्तागतागुनः॥ सदृगं रश्मिमेव॥ साकं नयना र्पाश्र्वा दकाः॥ साक्षं धनिहि धृक् साधुधा
समं वन्दुरत्नादितागुनः॥ नमः स्वस्तिः स्वधा स्वाहा अलं वषट्कारं च गुणानामनायाय धाय
॥ स्वस्ति वाह॥ पितृभ्यः स्वधा॥ सामांय स्वाहा॥ अलं मन्त्रा मन्त्राय॥ वषट्कारं दिव्याय॥ अहं या रागं
वमी॥ अहं हानान्नमो कि॥ अन्त्या गृहादिहा वः॥ निर्वो न रक्षयिषि॥ निर्वो न रक्षी कियानुष्ठानिः
तिः समदायात्पृथक् न रक्षयिषी सफमी॥ कियानुष्ठानमध्वरं गवदा वाधकं रक्षयिषी॥ ग
वां ह्यकारणे संपन्नकी वा॥ रागं वृक्षकारणे संपन्नकी वा॥ उभे वा क्रिययः पूनतमाहवति॥

गुनः
५२

५२

सा.स्व.
प३

भस्मवत् ॥ मूखनगिलावन ॥ वपुषाचकुर्ज ॥ गिनसारवत्वाट ॥ ऊनिकर्तुः ॥ प्रकृतिः ॥ जायमानस्य
 कार्यस्यापादानमपादानमस्ति ॥ नृणापादानपञ्चमी ॥ यस्मात्पुजा ॥ पुजायन् ॥ नृसद्वृत्ति
 विद्वद्भा ॥ आहादियारगपञ्चमी ॥ आपाठलिपूजादृष्टदव ॥ गादेत्येवमुथीववक्तव्या ॥ सयः
 मायगुर्गधहननाधमोयस्यमी ॥ धर्ममाश्रयमधवीधनदानायमुक्तय ॥ कुष्मादियारगचतु
 र्थी ॥ कृनायुकुष्मति ॥ मिनायदुष्कृति ॥ गुणवत्तुस्यमि ॥ कपलापपञ्चमीववक्तव्या ॥ हर्मो
 त्यक्त ॥ हर्मोमानुष्यप्रकृति ॥ असनात्युक्त ॥ असनमानुष्यप्रकृति ॥ त्यर्थः ॥ निमित्ता
 कर्मस्योत्तरसफमी ॥ ॥ वर्मसिद्धिपिनीहकिदक्याहकिदक्यानी ॥ कलमूचमर्गिहकिदि
 सिन्निपूकलेकोहम ॥ विषयसफमी ॥ नृकौचकुव ॥ यष्टीसफम्यावानादववरुनीकोगता

गुनः
५३

गतः स्वो नः ॥ १ ॥ रुषसाधुष्वदत्स्वपितृयमनार्यो यागिसाधुमारुर्जतः ॥ वरुषसाधुष्वनिवानयव
दत्स्वपितृयमनार्यो यागिसाधुमारुर्जतः ॥ मातापित्रो वृद्धताः प्रवर्जनिषु ॥ ४ ॥ अन्ये केषु प्रथमा ॥ यदि द
कार्यमन्यनाथान्नरुमादावाक्यं वगितरप्रथमाप्रयोक्तव्याः ॥ १ ॥ घटः कार्यः ॥ २ ॥ पटः कथनः ॥ ३ ॥ द
सिष्यादिः सर्वज्ञः ॥ ४ ॥ अरुहाणि ॥ पूर्णकुवम्नस्य निः ॥ ५ ॥ वज्रनीर्विचरुः ॥ ॥ ० ॥ निकावकप्रक्रिया
॥ ॥ अथार्थवद्विगुणविगित्वातीपदानासिमासानिवृत्त्यनः ॥ समासश्चान्वयनाम्ना ॥ पञ्चस्य नः
तथपदयोः सन्धेः ॥ न्वयः नाम्नामन्वययोग्यत्वे सत्यवसमासात् वगिति ॥ वगदाहद्विपिने ॥ ननाताया
पूनुषस्येत्यादीनरुवनिश्रयकृत्वा ॥ ० ॥ त्यादीविपिनीतान्वयसमासानास्ति ॥ सन्धेयिधुः ॥ ३ ॥ अथ
यीरावस्मत्पूनुषादीदावहृवीहिकर्मभावयादिगुरुश्रुतिः ॥ ननु पूर्वपदप्रधानोऽयथीतावः ॥ ४ ॥

सास्त्र
५४

हनिहोपायस्याहावाः पापी॥ पञ्चगुणपुत्र्याहमनीलात्यलः पीताम्बनावहहवि॥ द्विगुणः
पुन्योपनपदप्रधानो॥ दंडकर्मधनयाश्चरयपनप्रधानो॥ वरुवीहिनस्यप्रदधानः नस्य
क्रियाहिः सर्वधाइरयपदप्रधानाविधिर्वलवान्॥ एकपदमेकस्थर्यमकविराकि कर्त्तव्यसमा
सप्रयाजनी॥ स्त्रीअधिः तिस्ति॥ स्त्रिगदाहदिमीयेकवजनअमू॥ स्त्रियमाधिरुह्यरुवतीति
विग्रह॥ विग्रगदाहकिमेव॥ अन्वययोग्यार्थपदसमर्थकः पदसमूहायाविग्रहावाक्कमिः
नित्यावत्॥ कृतसमासअव्ययस्यपूर्वनिपातावकाव्यः॥ पूर्वः अव्ययः व्यर्थितावः॥ अव्ययपूर्वप
दसहितान्वयः साव्ययीतावसंरुक्॥ समासाहवति॥ तिस्माससंरुयायी॥ समासप्रत्यययोः
॥ समासवर्त्तमानायाविरुक्ः प्रत्ययवपनलरुवति॥ लक्॥ उक्ताथमपुनोयोगः॥ यायस्यलिङ्ग

गुणः
५४

स ह पूर्वो प्रकृतिः सा तस्या पादी यतः ॥ नामसंज्ञायां स्यादिविरुक्तिः अधिस्तीति स्थितः ॥ स न पुंस
कम् ॥ सा इव यीरावा न पुंस कर्त्तुं गतवति ॥ न पुंस कत्वा दुस्वर्त्तुः ॥ अय्ययीरावा ॥ अय्ययीरावा
त्यनस्य विरुक्तं लङ्गवति ॥ न तु अतिपूर्वस्य ॥ अधिस्ति गृहकार्यी ॥ नायमति कोर्कमतिनिकृ
र्त्तुः ॥ नावमतिकान्तय ऊर्त्तुं दत्तिन ऊर्त्तुः ॥ ऊर्त्ताद र्गसंध्य कना धामि कावा कावाव कव्यो ॥ यथा सा
दृश्य ॥ यथा गृह ॥ सा दृश्य वलमानः समस्य गङ्गा किमनमि कम्प कवाती नित्यथा गङ्गा कि ॥ पूर्वव
त्समासकार्यं कृतं ॥ अतामननः ॥ अकोना कादव्ययीरावात्यनस्य विरुक्तं न गवति ॥ अर्कव ऊर्त्तुयि
त्वा ॥ पञ्चमी व ऊर्त्तुयित्वर्थः ॥ कृष्णस्य समीपं उपकृम्नं वलं ॥ उपकृम्नं यम् ॥ वाताद्याः ॥ यदि ॥
त्यतया वा अम्नवति ॥ उपकृम्नं न कर्त्तुः ॥ उपकृम्नं निरुध्तिः उपकृम्नं कर्त्तुः ॥ उपकृम्नं निरुध्तिः ॥ अ

सा.स्व
५५

वध्वनध्वार्थपनिमाननिश्चययावतिगद्वृत्तयूक्तमानश्चयपूर्वपदातावपिथान्वमाश्चयीतावःसं
रुक्तसमासाहवति॥यावत्थामनुवितावतावाक्कृत्तमामनुयस्वति॥यावन्मनुमामनुयस्वा॥अगा
वानिनसूत्रकः॥मक्रिकानामसावावर्ततः॥तिनिर्मोकिक्वर्ततः॥समाप्रत्ययानिबिबुलापः
॥००॥व्ययीतावः॥अमादोतत्यून्यः॥द्वितीयाद्यं पूर्वपसेतिदेतत्यून्यसंरुक्तसमासाहवति॥
अमंपाफाअमपाफः॥दादुद्विनी॥दादुद्विनी॥यूपायदान॥यूपदान॥वृक्त्वात्तय्यी॥वृक्त्वात्तय्यी॥वा
रुःपून्यः॥नाजपून्यः॥अक्रूरभोगुं॥अक्रूरभोगुः॥कविदमाद्यनस्ययवर्त्त॥अग्नेआहिनी॥
आहितानिः॥अग्नेआरुतः॥आरुतानिः॥पूर्वरुतः॥रुतपूर्वः॥अक्रूरसार्थ॥दकोनीनाजा॥नाजद
क्तः॥समाससूतिक्विदेकपद्यं सत्वहं कुः॥गजाध्वनी॥गववनी॥आमानविनी॥आशुवर्धः॥

गुनः
५५

प्रिधयद॥सूर्यनवा॥पानस्यवा॥सूनाया॥पानी॥सूनापानी॥सूनापादी॥प्रवर्लोकिकप्रथागव
भक्त्ययी॥नजिच॥नजिपूर्वपदसतिनत्पूनसंरुक्तसमासावति॥नवाकृष्टाश्रुवाकृष्टा॥ना
॥समाससतिनत्पूनश्रुकाजाद॥गुहवति॥हसपन॥नाकादिवर्ज॥अनस्वन॥समाससतिनत्पून
अनाद॥गुहवतिस्वनपन॥नअस्व॥अनस्व॥तस्माद॥धमरावधतदन्यत्तदन्यता॥अप
स्त्यंभेविनाधश्चनत्पूनार्थपनिकीर्तिता॥अश्वदन्त्या॥नस्व॥धर्मविनू॥अधर्म॥गृह
रावाअग्रहमिति॥तदन्यत्तदिनू॥तदरावधूनत्पूनवर्ततत्तगुपिनाकादिवर्ज॥नअर्कीनाकी
॥नअग॥नाग॥नस्त्रीपुंसकी॥नपुंसकी॥नकूली॥नाकूली॥ॐत्यादय॥भक्षानाकादोदष्ट्या॥
तस्मादन्यस्तदन्य॥तनविनू॥स्त्वविनू॥तस्यअरावस्तदराव॥वार्थद्वंद्व॥समूहयान्वावय

सा.स्व.
प.६

तय तनयाग समाहानश्चार्थेर्द्धसमासाहवति॥ चकानवद्वन्नार्द्धद्वसवा सो कर्मधनयः॥ यः
स्ययस्माद्वद्वीहिः तस्य तत्पूनुषः स्मृतः॥ तजुंश्चनगुनूचरुजस्वति॥ पृथक्कमकक्रियाहिसर्वध
समूच्चय समासानास्ति॥ पनस्यननिनपकया प्रणकमकक्रियाहिसर्वधः समूच्चयः॥ शतट्टिः
कामटगावशनयतिकमधक्रियाद्वयसर्वधः न्वावयपिसमासानास्ति॥ पनस्यनमसर्वधः॥ प
नस्यनान्वयथागत्वसतिः कक्रियाहिसर्वधः॥ तन तनयागः॥ ॐ तन तनयाग समाहान
चवार्थेर्द्धद्वसमासाहवति॥ ६६३ ल्यस्वनप्रधानं ॐ कानाकानां पूर्वनिपातावकाव्यः॥ पधा
नाप्रधानस्य प्राकप्रयोगः॥ पदं शुभं गुफं पदं गुफं॥ अग्निश्चमानूतश्च अग्निमानूतो॥ शक
श्चरागश्च शकृतागो॥ स्त्रीचपूनुषश्च स्त्रीपूनुषो॥ धवश्चखदिनश्च धवखदिनो॥ देवतार्द्धपूर्वपदस्य

गुनः
प.६

दीर्घोवकव्यः॥ अग्नीषोमो॥ ॐ आबृहस्पति॥ अग्निः॥ ४॥ सामादीनावर्त्तवकव्यः॥ अदिगद्यत्वा॥ अग्निः
 मः॥ अग्निः॥ ४॥ तनतनया॥ गदिवचनी॥ ७॥ कवहावा॥ ४॥ समाहानावकव्यः॥ गगनश्चक्रगगन
 नागम्य॥ गगनकृगपेनागं॥ वागहृत्कविदितनतनया॥ गपिर्नैवहावः॥ अन्यादीनीविरुक्तिलाप
 पूर्वपदस्यसगमावकव्यः॥ अन्या॥ अन्या॥ पनस्यनी॥ ७॥ कत्वदिगुर्द्वौ॥ ७॥ कत्ववर्त्तमानोदिगुर्द्वौ
 तर्पुसकलिर्गोहवति॥ सखापूर्वोदिगुः॥ सखापूर्वसमासादिगुर्निगद्यतः॥ समाहानश्चक्रोपदिगुः
 ॥ समाहानर्थोदिगुः॥ समासाहवति॥ तथाश्रुकाजाकादीपुप्रत्ययाहवति॥ ननुपाशदयस्यलोपः॥ पं
 चसूकपालषुसंस्कृतशदनीः पञ्चकपालशदनः॥ दगनीश्रुमाधिसमाहानोदगगमी॥ पञ्चश्रुय
 ४॥ समाहानोतिपञ्चश्रुति॥ नर्पुसकत्वौ॥ पञ्चश्रुतिगवासमाहानः॥ पञ्चश्रुति॥ नपुंसकत्वाद्द्वौ॥ शि

सा. स्व
५७

रुलति नृति ॥ गिरुलीति प्रयागनसाधुनित्यर्थः ॥ पात्रादिमदकायत्वादकादिगुस्तथा ॥ अनन्य
समाहाननदादीषुनिगयत ॥ पञ्चानां पात्रार्थं समाहान ८ पंचपात्रं ॥ त्रयोर्धनुवनानां समाहानावस्ति
उवर्णं ॥ ॐ त्यादी समाहाननप ॥ वरुस्यथ ॥ वरुवीहिबन्यार्थः ॥ अन्यपदार्थप्रधानाय ८ समास ८ स
वरुवीहिर्सेरुकातवति ॥ वरुधनेयस्यासौ वरुधन ८ ॥ अस्मिधन ८ ॥ यस्य प्रधानस्यैकदर्शविशेष
तया यगुह्यायनसतनुधर्माविहान ८ ॥ स्त्रीगस्य प्रधानस्यैकदर्शविशेषतया यगुह्यायनसतनुध
संप्रधानवरुविहि ॥ लम्बोर्कर्मो यस्य स लम्बकर्म ८ ॥ तनुकर्म लम्बोर्कर्म ८ ॥ वरुवीहोविशेषतया
फम्यकया ८ पूर्वनिपातावकाव्य ८ ॥ विनागवायस्य सविगुगु ८ ॥ गृहधर्मो यस्य स गृहधर्म ८ ॥ गालेला
वर्नयस्य स गालेलावन ८ ॥ उवनकीर्हियस्य स उवनकीर्हि ८ ॥ वक्रपाष्ठादोन ८ ॥ वक्रपाष्ठादोन ८ ॥

गुनः
५७

पाति॥ॐ॥ति॥नरुपातिचक्रं॥गनु३धज॥पमनारु॥प्रजामधयात्रसू॥प्रजामधयासदयाव
रुवीहोअसू॥कगभारुवति॥सू॥प्रजायस्यसू॥प्रजा॥सू॥मध्या॥इ॥मध्या॥अ॥सकत्वा॥दत्तसा॥सा
वितिदीर्घ॥धर्मोदन्॥वरुवीहो॥धर्मो॥न॥प्रत्यया॥रुवति॥ना॥पध्या॥दी॥र्घ॥ह॥स॥प॥प॥सा॥प॥सू॥धर्मो॥
न॥पवती॥तार्यो॥यस्य॥स॥न॥पव॥द॥शार्यो॥अ॥न्यार्थ॥स्त्री॥लिंग॥स्मा॥न्यार्थ॥वर्ह॥मा॥स्यै॥ने॥रु॥स्व॥रु॥वति॥पू॥व॥द्वा
॥स॥मा॥स॥स॥ति॥स॥मा॥ना॥धि॥क॥र्ह॥पूर्व॥स्य॥स्त्री॥ग॥द॥स्य॥पू॥व॥द्वा॥रु॥वति॥पू॥व॥द्वा॥वा॥दी॥मानि॥वृ॥दि॥आ॥पा॥पि॥
न॥क॥ल॥त॥स्या॥दी॥ना॥म॥स॥रु॥या॥स्या॥दि॥वि॥रु॥कि॥म॥व॥ज॥वा॥न॥प॥व॥तार्यो॥वा॥ग॥ह॥क्ष॥क॥ल्या॥दी॥प्रि॥य॥
त्या॥दी॥न॥रु॥वति॥आ॥दि॥ग॥दा॥दा॥मा॥नू॥तार्यो॥म॥ना॥रु॥सू॥रु॥ग॥भ॥क॥व॥प॥ला॥वा॥मा॥वा॥म॥ना॥वा॥क्र॥दी
॥द॥का॥व॥सि॥का॥म॥थि॥ली॥त्या॥द॥य॥ग॥दा॥क॥ल्या॥न्यो॥दि॥पू॥रु॥या॥रु॥ग॥ग॥द॥स्या॥न्यार्थ॥वर्ह॥मान

सा.स्व
५८

स्य ऊस्वरुवति ॥ पञ्चगवायस्य स पञ्चगु ॥ व्याघ्रादि पूर्वपादगदस्या लापावकाव्य ॥ सहस्रपादोय
स्य स सहस्रपाद ॥ स्रग्भरुतोपादोयस्य स स्रपाद ॥ व्याघ्रस्य पादविषपादायस्य स व्याघ्रपाद ॥ द्विपाद
॥ गगभदी स्वनपदादगध्रवकाव्य ॥ स्रपद ॥ स्रपदा ॥ व्याघ्रपद ॥ व्याघ्रपदा ॥ द्विपद ॥ द्विपदा ॥
द्विपादस्यामित्यादि ॥ सहस्रपद ॥ सहस्रपदा ॥ टाउका ॥ समाससति टाऊक ०० ॥ धनपुत्रयाग
वति ॥ टकानस्तत्पुन्रवा ॥ रूपाउकाना द्वन्द्व ०० ॥ ककानश्च वरुवी ॥ ओऊकान ०० ॥ ससर्वा नामक ॥
ऊर्वित्यामहिमायस्य स ऊर्वित्यामहिम ॥ नावा ॥ नाकस्य पदस्य टलोपावति ॥ यकानस्वनपद
॥ वागृहधत्तचिन्नरुवति ॥ उपधा लापश्चरुवति ॥ अक्रामर्ध ॥ अप्रत्यय ॥ टिलोपातावासा ॥ उप
धायालाप ॥ स्वनहीन ॥ आर्विसर्ग ॥ मध्याक्र ॥ सदिनाही ॥ अगुटिलोप ॥ कवितर्जनाजा ॥ क

गुणः
५८

विनाशः॥ उपलब्धः॥ टका नान्वर्धः॥ वर्थः॥ द्विगः॥ कविनाजी॥ नारूपः॥ नारूपनी॥ वाकवसनः॥
॥ वाचनसः॥ उपलब्धः॥ दक्षिणस्योदिगिर्पथः॥ दक्षिणपथः॥ नारूपः॥ नारूपः॥ नारूपः॥ नारूपः॥
हानाः॥ वापुसि॥ उपलब्धः॥ टिलापः॥ अविर्गः॥ हवः॥ अउः॥ हवः॥ अउः॥ हवः॥ अउः॥
वधः॥ पवधः॥ असः॥ उपलब्धः॥ आवतः॥ सुयीः॥ वहुवाजा नान्वर्धः॥ नान्वर्धः॥ नान्वर्धः॥
नी॥ अउः॥ टिलापः॥ नान्वर्धः॥ नान्वर्धः॥ नान्वर्धः॥ नान्वर्धः॥ नान्वर्धः॥ नान्वर्धः॥
॥ वनवधः॥ रुलिजम्बुकः॥ नदीपिहकः॥ वृषनस्कः॥ ॐ ह्योदीकपुल्यः॥ कर्मधनयसुल्या
र्थः॥ पदवयसुल्यार्थः॥ नकार्थः॥ निष्ठत्वसुतिकर्मधनयः॥ समासाः॥ हवति॥ उत्पललकदीडवर्गुहस्या
नीललकदीडवार्थः॥ नान्वर्धः॥ नान्वर्धः॥ नान्वर्धः॥ नान्वर्धः॥ नान्वर्धः॥ नान्वर्धः॥ नान्वर्धः॥

सा.स्व
५२

॥ न कावा सोलता वति न कलता ॥ पुमांश्च सोका किल श्रुति पूका किल ॥ पुस ४ खप स्याः
गनस्य ला पाव कव्य ॥ पुमभ दस्य स्या गुखप पन अका नस्य ला पा हवति ॥ वप ०० नि किं पु
सन ॥ नाम्नश्च कता समास ॥ पाद नूप सग्न स्य नाम्नश्च कदक ने सही न समास वन स्रुत्य न वा
हवति ॥ पु कर्षे श्व दती पुवा द ॥ कूर्म कवा ती कि कृ म् कान ॥ गभ ददा ती कि र गभ द ॥ सहा द ॥
सादि ॥ समास गि से सहा दी ना सादि हवति ॥ पु कुं श सह व र्त्त न ०० हि स पु कु ॥ स पि कु ॥ स नृपः
॥ सह सक्ति न सां स वि समिति य ॥ सह अ व ती स ध्व ॥ सम अ व ती ति सम्य ॥ गिति न च ती ति ॥ गि
र्य ॥ अ व ४ प व स नृ च कव्य ॥ अ व र्त्त नो ॥ अ व र्त्त नो वा च्य माना याम नृ वा न ला य ॥
॥ समापे स्य या ॥ ०० यं स्व न ॥ वां क ॥ उ म उ मा वा ॥ ह स प ४ स लो प ॥ स ध्व ॥ सम्य ॥

गुनः
५२

साख
६०

१॥ गुरुवति ॥ मरुग्वन ४ ॥ दिवाद्यावा ॥ समासकृतसन्निधौ गदस्यथावाद १॥ गुरुवति ॥ यावात्सी
॥ अकृतिग १॥ मर्या ॥ दीपति ॥ जायापति ॥ अलकविन् ॥ कश्चित् समासकृतकृतविन् ३ ॥ पिविर
कृतनगवति ॥ कृच्छान्मक ४ ॥ कृत्वाकान्मक ४ ॥ अयूथानिवस्येययूथानिव ४ ॥ उनसिलोमा
॥ कृदिस्युगतीति ॥ कृदिस्युक ॥ दिग्गमिति कृत्वा ॥ कृत्वाकाल ४ वाच्यकृ ४ ॥ दिग्गदधु ४ ॥ प
ग्वताह ४ ॥ समाससमाधिकव १॥ पिग्गकपार्थिवदिनामध्यमपदस्य लाघावक ४ ॥ ग
कीप्रिये ४ पार्थिव ४ ॥ गकपार्थिव ४ ॥ दवपूजकावाक् ४ ॥ दववाक् ४ ॥ दवानांप्रियति ४
॥ दवसूर्य ४ ॥ उकार्थनिष्ठत्वं सति ७ कविरेककृतनपदवाच्यत्वं समानाधिकन १ ॥ आदध
४ ॥ ददसमासकविदादिपदस्य लाघाववति ॥ वकानाधिकल्प ० ॥ कविन् ॥ मातृत्वपिताव

गुनः
६०

पितृभ्यो॥ श्वशुरनश्च भगुभ्यो॥ इति तावत्पुत्रश्च पुत्रो॥ मतीद्विद्व॥ द्वादशसमासपूर्वपदस्य अकावाक
स्य वा आर्त्तवति॥ मातावपितावमातापितृभ्यो॥ इति तापुत्री॥ द्वाग्रहस्तमागजपितृभ्यो॥ नि
निपात्यन्त॥ द्वादशसर्वोदित्वं जसिवा॥ वर्ध्वाश्च आशुमाश्च॥ वर्ध्वाश्च मेनव॥ वर्ध्वाश्च मेन
ना॥ रिन्नार्थेति वृत्तं सति रिन्नविहृत्तं पदवाचित्वेन वैयधिकवर्ध्वा॥ वैयधिकवर्ध्ववर्ध्वी
होमध्वं षदस्य लापातवति॥ गंधस्य गन्धिवादे रगावकाव्य॥ कुमूदस्य गंधि॥ वर्गैरक्षय
स्यासा कुमूदगंधि॥ हंसस्य गमनमिव गमनीयस्या॥ साहंसगमेनास्ती॥ दिकसंख्यसंज्ञा
या॥ दिकगंधी संज्ञायामिव यपनदुल्यार्थसमस्य नंतत्पूनुषारुवति॥ अविगुहानिह
समास॥ अन्यपदविगुहापि॥ दक्षिणगि॥ सफगमा॥ ॥००॥ मिसमासप्रक्रियासमा

सा.स्व
८९

फ४॥ ॥ अथ तद्धि नानि नूयत ॥ तर्था पूर्वोक्तानां नाम पदानां मर्थोक्त न प्रतियादनरित
०० तितद्धि न ॥ अथ तद्धि न ॥ नाम्ना पत्यर्थे ३ एषु ल्यया रुवति ॥ उपरग्न न ल्य ०० तित्वाक् ॥
उपरग्न ४ अन ०० तित्ति न ॥ समास पत्ययानि तियाष्टी लाप ४ ॥ एका नावृद्धे ४ ॥ आदिस्व
न स्य त्रितिवृद्धि ४ ॥ स्वनाम मरधय आदिस्व न स्य वृद्धि र्भवति ॥ त्रितितितिवृद्धि न प
न ॥ अत्रादिति ॥ त्रितितितिवृद्धि पत्ययपन ॥ अने उ वृद्धि ४ ॥ उका न स्य उका नावृद्धि ४ ॥ वा ३
व्यस्वने ॥ उका न स्य उका न स्य न अवृद्धि यका न स्य न पन ॥ नाम सौहाय्यादि ॥ उपग
व ४ ॥ वसिष्ठ स्या पत्यमित्तिवाक् ॥ यस्य लाप ४ ॥ वासिष्ठ ४ ॥ रग्न न स्य पत्य ॥ रग्न न स्य ४ ॥ अउ न
ति ॥ मातृग्न दृश्य मका न स्य उ नृवति अतिपन ॥ वरुणा रुक्ष मपत्य ॥ वाष्मा रुन ४ ॥ धेना

गुनः
८९

सा.स्व
६२

यह॥ अगुनपत्यं अगुय॥ कपनपत्यं कायय॥ आदिवृद्धि॥ अर्ननत्वादिपू अगुनी॥
यस्यलोप॥ सर्वेकु॥ चकानाकसवर्गस्योपिगहर्ग॥ गीगया अपत्यं गीगय॥ मक्रा अपत्यं
माहय॥ पिरुषसूनपत्यं पेरुषसीया॥ माहसूनपत्यं माहससीय॥ अयनिबनपूव
पदस्यलोपाः कड॥ नजयही॥ तनमृकः एनपत्यं मार्कः एय॥ कविस्तिलीगदहायिः
होमः लृग्वरुत्वे कविता॥ अपत्यः ३१॥ उत्पन्नस्य पुयस्य वरुत्वे सति कविदृष्टिविवयलृग्व
रुवति॥ गर्गस्योपयोगोर्ग॥ वत्सा॥ अगुय॥ बिदहा॥ गर्गस्य सुविदा लृग्वरि कृत्सा
गिलावसिष्ठः गमः दुल्याय कृत्स्नः पनस्य वरुत्वे लृग्वरि कीर्ति कविर्कृत्॥ ननः
सा॥ देवकदमर्थ॥ देवकार्थं दमर्थं वा कापयारुवति॥ द्वा देवता अस्मिन्नेन्दु

दमर

दि३

गुनः
६२

हवी॥ अष्टप्रत्यय॥ सा मा द व ता अस्पति सोम्य॥ ध प्रत्यय॥ न दा द दी त्वा सोम्य॥ द व हा र्थ मि द
 वस्तुं देव दुर्ल वस्तुं॥ उक्ता र्थ मुनी प्रयाग॥ नाम संज्ञा यी स्यादि॥ सर्वे त अनाम॥ कवि दया॥
 कवित्व चोक्त न प ना या वृद्धि र्वति॥ आ ग्री मान र्त्त कर्म॥ सो रा र्थ॥ अ ग्रा वने अ व क व य॥
 गन्ता मी म मू ह ॥ हि मा वा॥ उक्ता प्रत्यया विषया न न शि पि नि ता र्वति॥ अ ओ र गो य स्यः
 सा अ ऊ गु ॥ गि व ॥ त स्य ध नू ना ऊ ग र्व अ ऊ ग वा वा व स्व न॥ क मू द स्य र्ग ध ० ० व र्ग र्ध अ स्य
 स क मू द र्ग धि त स्या प र्त्त स्त्री च ति को मू द र्ग ध्वा अष्ट प्रत्यय॥ आव ग ॥ क्रि यी॥ ध गु न स्या र्थ
 अ गु यो ग म ॥ ध प्रत्यय॥ विष्वा वि दं व दू वी॥ गीता वि दं र्ध र वी॥ अ नू प्रत्यय॥ क ल र्
 व क ल्पि॥ अ नू ध प्रत्ययान ति त्व न्म दा द र ग क र्त्त य म द स्य दा ॥ ती प्रत्ययान ति न्॥ न व ०

सा.स्व
६३

दंलदीयी॥मम०००दंमदीयी॥कचित्पदान्कता॥अयदीया०००त्युक्ता॥चपाअवजवा०००निदका
न०००थायस्य०००दंयदीयी॥तस्य०००दंनदीयी॥अगदीयप्रत्ययानदी॥अता॥म॥चकुननदस्य
वलापारवनिधप्रत्ययवपन॥नसिहकुनीय॥अन्यस्यदक॥अन्यमेदस्यदमगमारवति॥दी
यप्रत्यययनत॥अन्यदीयी॥अर्द्धजतीयी॥अगपिनसिती॥कानकागक्रियायूक॥कानकाः
दपूक॥अप्रत्ययारवति॥क्रियायूककर्तृनिकर्मसिवाहिरधया॥कृकर्मनकवर्तुकोकृमी॥अ
वअप्रत्यय॥उक्तार्थनामप्रयोग॥मथुनायाआगतामाथून॥सिखावजि॥अमरवा
ग्राम॥धप्रत्यय॥धूर्नवहतीतिरधोनय॥धूर्य॥नसिह॥कनयको॥रवादर्थ॥कः
०००न०००य०००क०००प्रत्ययारवति॥निर्वैवैविकल्पिक॥काह्लोटव॥काह्लोटकथा॥

पुनः
६३

काह्लोटक४९

अमादागतातृज्जातावाग्रमीनः॥ अम्यः॥ ॐ न प्रत्ययः॥ सध्वीचिनीनः॥ समीचीनः॥ निवन्धी
 नः॥ ॐ न प्रत्ययः॥ यस्य लापः॥ ॐ न प्रत्ययः॥ यलापश्च॥ अकस्य यकानस्य लापारुवतिय
 कान ॐ न प्रत्ययवपनः॥ वकानात्कचिदपि नृपिय नस्य कोलापारुवति॥ कन्यायां रुवः॥ काः
 नीवः॥ पूष्यनयूकापोर्मासीपोषीतृगुरुवपोषीनः॥ ॐ यावाः॥ कुरुगदस्य ॐ यावारुमि॥
 कुरुवः॥ कुरियः॥ कातुः॥ कुरियः॥ ॐ दुरियः॥ अकृद्विद्यतीति आक्रिफः॥ गद्विद्यतीति ग
 दिकः॥ वदसर्वस्विनीक्रिया॥ वेदिकी॥ नदादः॥ ॐ पः॥ कर्ककृमलः॥ मार्किकः॥ ॐ क प्रत्यय
 ॥ यलापश्च॥ सतनो॥ किमादद्यादरुवाद्यर्थस्य तनो प्रत्ययो रुवतः॥ कुरुवः॥ कुरुत्यः॥ क
 रुआगतः॥ कुरुत्यः॥ कुरुवः॥ कुरुत्यः॥ कुरुआगतः॥ कुरुत्यः॥ अरुवः॥ अरुतनः॥ श्रीरुव

वा क्रतुस्य वा वा क्रतुता ॥ ता क्रतुनिर्वाह्युलिङ्गत्वादाय ॥ तावनपुंसकत्वी ॥ वा क्रतु ॥ वा क्रतु
त्वी ॥ सुमनसां पुण्या धर्मावशा ॥ सोमनस्य ॥ सोमार्थ ॥ वेदार्थ ॥ सर्वकृत्यस्य लोपः ॥ समाहाजताव
गुह्यं ॥ समाहाजनाच्च तां प्रत्ययो हर्वति गुह्यं ॥ कृत्या धर्म समाहाजता आपः ॥ चकानात् गुह्य
मता ॥ जनेता ॥ वधुता ॥ सहायता ॥ वासक धनू कहास कको कक ॥ त्यादो कपुत्ययः ॥ योवत
मित्यादावत ॥ गतिर्यथा ॥ त्यादो न्यप ॥ कावचिकी ॥ ॐ त्यादो ॐ कपुत्यय ॥ कर्मस्थपियतव कव्य
ः ॥ वा क्रतुस्य ॐ दं कर्म वा क्रतु ॥ नास्ति ॐ दं कर्म नास्ति ॥ नास्ति ॥ नावतिलापः ॥ साध्यादो
यत ॥ कर्मस्थपियतव कव्य ॥ वा क्रतुस्य ॐ दं कर्म वा क्रतु ॥ कर्ममिसाधुः कर्मस्थ ॥ तहाया
साधुः सत्य ॥ यस्य गतिर्यथा ॥ लाहितादतिदिमन् ॥ लाहितादगतिर्यथा ॥ लाहितादगतिर्यथा ॥ ननु पुत्रः

सा.सु.
६५

याहवति॥सबदिह॥ठित्वाटिलाप॥लाहिरस्यतावलाहितिमा॥कालस्यतावकालिमा॥अस्य
तावअनिमा॥अनूता॥अनूत्वी॥पकलाहितता॥लाहितत्वी॥लाहिली॥लघिमा॥लघुतालाघव
॥लघुत्वी॥अन००मनि॥अवर्गस्यनाहवति००मनिपत्र॥सबठित्वाटिलाप॥पूरथः
तावप्रथिमा॥मृदातावमुदिमा॥कुसस्यतावकुसिमा॥रुसस्यतावकुसिमा॥००त्यादि॥
वहालोपाकृष्टवहा॥वहानकृष्टवामिमनामिकानस्यलोपाहवति॥वहास्तानकृष्टवदम
॥आदिगदादिहसाग्रहर्ष॥रु००मन००मिस्ति॥००कानस्यलाप॥रुमा॥उक्तनामन
द्ववह॥अस्यर्थमेव॥नामनास्यर्थमेवउपस्ययाहवति॥अस्यास्मिन्वासी॥कतलिन्न॥उ
कानान्निधननार्थ॥विगानूम॥अस्यसावितिदीर्घ॥गवावि॥दिदीर्घ॥गवावि॥

गुनः
६५

ॐ हिरण्यमान् ॥ रणमको ॥ रणमकः ॥ आधिसर्गः ॥ गोविद्यतः ॥ स्वहितीमान् ॥ पीतिवस्वास्ती
तिपीतिमान् ॥ प्रगर्भो धीनस्यास्तीतिधीमान् ॥ उदा नानुर्वधत्वादिप्र ॥ रणमती ॥ रणमती ॥ पीतिम
ती ॥ धीमती ॥ नेदीवदुर्पी ॥ ॐ कोमत्वरथो नो मन्मत्वरथे ॐ कोप्रत्ययोरुवाँते ॥ विजयंति
प्रताका ॥ अस्यास्मिन्वस्तीतिवेजयकः ॥ मायास्यास्तीतिमायिकः ॥ यस्यलापः ॥ कविदप्रयाधि
दपि ॥ प्रसास्यास्तीतिपारुः ॥ गुहास्तीतिगुहः ॥ आर्चः ॥ अर्चमस्यास्तीतिआर्चः ॥ वारुः ॥ नानाप
धवत्विन्य ॥ मकात्राकामकात्रापधदकात्राकादकात्रापधधवत्विन्योपत्ययोरुवतः ॥ रादी
प्री ॥ टिलापः ॥ उपत्ययः ॥ अत्वसाऽसी ॥ रुवान् ॥ धनी ॥ कुमी ॥ दह्यु ॥ दृषद्वतीरुमी ॥ किंवान्
॥ गमी ॥ ॐ नरिणो ॥ तडिदाडिस्वधवदुः ॥ गडित्वान् ॥ मनुत्वान् ॥ सनुत्वान् ॥ प्रगर्भमिरुह्यधुः

सा. स्व
६६

पनिमारुधवउ॥ यरुदना॥ यरुद॥ नात्तुवतिवतोपन॥ यावान॥ तावान॥ किम॥ किम॥ कि
मगदस्पकिलादगावति॥ चकानात्तुवकुपत्ययस्पवकानस्पयकानात्तुवति॥ किमान॥ नात्तु
यस्त्रेनदाना॥ यरुद॥ नात्तुवतिपक॥ लादगावतिवतावकानस्पवयकान॥ उमावान
॥ किमान॥ कुदादविल॥ कुदादगर्गदिलप्रत्ययावति॥ कुदिल॥ उदविल॥ पिछिनिल
॥ ओनस्पदकाइन॥ ओनस्पदकगदाइप्रत्ययावति॥ दकुब॥ यस्यलाप॥ अदादनाल॥
॥ अजाल॥ कपाल॥ निडाल॥ भीताल॥ अस्मायामधायुग्नाऽस्यर्थेविनवकव्य॥ कपस्व
॥ मायावी॥ मधवी॥ अग्नी॥ वायामि॥ वाग्मी॥ अनूवक्षार्थ॥ वपोअवजवा॥ अलाकोक
सितलभिनि॥ वाचाल॥ वाचाट॥ ॐ वरुपनिस्माफीकल्पदग्धगीया॥ ॐ वरुपनिस्मा

गुनः
६६

0

सा. स्व
६७

त्वायका नात्पूर्वमिकान॥ वका नात्पूर्वमुकान॥ पञ्चादादिस्ववस्ववस्वित्तिष्ठे॥ देयाक
नक्ष॥ सोवश्च॥ ॐ नानाकार्थ॥ नानाकार्थे ॐ तपस्यारुवति॥ लङ्कित॥ अपि नक्ष॥ नननमः
ॐ यस्मिन् ॥ प्रकर्ष॥ प्रकर्षे अतिगयर्थे नननमः ॐ यस्मिन् ॐ ॐ ॐ तपस्यारुवति॥ अतिग
यनकृ॥ कृकृनव॥ कृकृनम॥ गुकृनम॥ ॐ यस्मिन् ॐ ॐ ॐ तपस्यारुवति॥ अतिग
य॥ उकाशान्निधनार्थ॥ नम्रहनाक्षदीर्घ॥ अतिगयनलघुलघियान्॥ लघियान् ॥ ल
घीयान् ॥ पापीयान्॥ पापीयसी॥ लघीयसी॥ लघिष्ठ॥ गुर्वोदनिष्टमनीयत्तुगनादिष्टि
य॥ गुर्वोदगनादिनादृग्गुरुवति॥ ॐ ॐ ॐ मनीयत्तुटिलाश्चरुवति॥ अतिगयनगुर्वु॥ मनीः
यान्॥ गनिष्ठ॥ गुर्वोदवि॥ गनिमा॥ प्रमा॥ प्रष्ट॥ प्रयान्॥ सुविष्ट॥ षुविष्टान्॥ अष्टवत्

गुनः
६७

॥ॐ लाया आग दादीयसू॥ आग दात्यनस्य ॐ यसू ॐ कानस्य लाया रुवति॥ कायान्॥ क॥ द॥
॥ दीर्घस्य डा य आ द ग ॥ अतिगयन दीर्घ डा यो यान्॥ डा घिष्ठ॥ अतिगयन पु म र २ यो यान्॥ २
गुष्ठ॥ वहा विष्ठिष्ठ वरुग दस्य ॐ रूपस्य य य ॐ कानस्य यिरुवति॥ वरुगान रुय द ॥ रु
यिष्ठ॥ किमावयादाख्याता वतन नमयो वा नागमाव क्वा ॥ किं ननी॥ किं नमी॥ कृत्स्न मपि
नमाद्यव ॥ कृत्स्न मतिषा मानं क कली॥ उवेत्स्न नी गयति॥ पवति ननी॥ पवति नमी॥ प० ति
ननी॥ प० ति नमी॥ पदिमान द घ्रा दय ॥ जानू द घृजली॥ मान मा रु द्वा पू नू द य मा दी॥ सिना द
यसी॥ दया च्च रुना रे कस्य निधे न र द किमादिषा उरु न उ न मो व क्वा यो॥ कृत्स्ना रु व रु का ग्ध ॥
॥ कृत्स्ना रु व र्ता ता कि क ॥ रुवता र्य न रु कि क रु न नी उ नू ट्का दु॥ रुवा या वि र्ग घा व क्ष

नरदादिगिरिस्थानीयः॥ द्याः॥ पूनराः॥ द्वितीयः॥ त्रयाः॥ पूनराः॥ चतुर्थः॥ सप्तः॥ नदीः॥ दृतीयाः॥
षट्चतुर्नासुः॥ षष्ठः॥ पूरुः॥ षष्ठः॥ चतुर्थः॥ पूरुः॥ चतुर्थः॥ कासः॥ यस्मिन्कतिः॥ कतिपयः॥
स्याथः॥ कतिथः॥ कतिपयथः॥ पंचादशः॥ पंचानां पूरुः॥ पंचमः॥ सप्तमः॥ अष्टमः॥
नवमः॥ दशमः॥ दशवत्तः॥ उकादशः॥ उकादशः॥ उकादशः॥ उकादशः॥ उकादशः॥
दशः॥ अष्टादशः॥ विंशत्या दशमः॥ विंशः॥ विंशतिमः॥ विंशः॥ विंशतिमः॥ सप्तः॥
याः॥ प्रकाशः॥ विंशः॥ चतुर्धाः॥ गुणवृद्धिः॥ दशः॥ त्रयः॥ द्वयः॥ द्वयः॥ द्वयः॥ द्वयः॥
त्वसः॥ पंचवाना नितिपक्कः॥ कत्वः॥ यद्वत्त्वः॥ दिग्विस्तारः॥ दिग्विस्तारः॥ दिग्विस्तारः॥
तः॥ विपथिनीः॥ वक्रादशमः॥ वक्रवाना नितिपक्कः॥ वक्रवाना नितिपक्कः॥ वक्रवाना नितिपक्कः॥

गुनः
६८

ल्यगः॥ क्कगः॥ अनेकगः॥ पादगः॥ तया यतो सरव्यायी॥ द्वितयी॥ त्रितयी॥ चतुः॥ द्वितयी॥ त्रि
तयी॥ चतुः॥ त्रितयी॥ यस्य लापः॥ टित्वा नून्दीप्॥ द्वितयी॥ त्रितयी॥ जघाग ददति जवे लापया वक्तव्यः॥ ज
घालः॥ जघिकः॥ जघानिकः॥ स्त्री पूर्वो न स स्त्री॥ स्त्री पूर्वो॥ पोस्त्री॥ एषानि पात्याः॥ कति पद्यादयः
॥ का सखायति स्वे कति॥ सा सखायति कति॥ या सखायति कति॥ ॥ नूति नूति नूति
॥ ॥ अथ आख्यातप्रक्रियानि नूयन्॥ धाता॥ वक्तुमानाः॥ प्रत्यया धातारूपाः॥ त्वादिः॥ रसहा
यामित्यादि दोषे धातुसंज्ञा रवति॥ सवर्गविधः॥ आत्मन पदो दीपनस्मै पदं रुय पदीवति॥ आद
नूदा रुदि॥ अनूदा रुतादि नूध धाता आत्मन पदं रुवति॥ जित्स्वनि नूत रु॥ जित्स्वनि नूत रुः
धातानूत आत्मन पद पनस्मै पदं रुवतः॥ आत्मगमिश्च रुले मात्मन पदी॥ पनगमिश्च रुले प

सा. स्व
६२

नस्मैपदपथाकव्य॥ पनताऽन्यत्पुनर्वचोक्तनिमित्तविधुनाऽहितादन्यस्माध्वाऽपनस्मैप
दस्त्वति॥ नवपनस्मैपदानि॥ तिवोदीनामसूरादगसंखकोनामानिनववनानिपनस्मैपद
संरुक्तानिरुवीति॥ पनाध्वात्मनपदानि॥ पनातिनववनानिआत्मनपदसंरुक्तानिरुवीति॥
वर्तमान॥ तिप्रतसंश्रुति॥ सिपथसथ॥ मिपवसमस॥ तआतंश्रुति॥ सआथ॥ उवहम
ह॥ षालध्वाऽपनिसमाफ्रकिपापेनकिंतश्चवर्तमानेकस्मिन्वर्तमानेश्रुतिरध्वयतिवाद्येष
स्ययारुवकि॥ अस्यातिवाद्येषाधिनीयानालदिति संरुक्ता॥ नानिचयुष्मादिवास्मादिचगोष्ठ
थममध्यमाहमा॥ नामादिषूपदवृत्तसंश्रुतिरितिगोष्ठेनपुन्यारुवकि॥ नानिचयुष्ममनचः
गदापयुष्ममानऽपिपथमऽपुन्यारुवति॥ युष्मादिमध्यमंतरेवासायुष्म॥ कर्तृविषयः

गुनः
६२

सा २

न२

सा.स्य
७०

[illegible]

गुनः
७०

सा. त्व
७९

यूयान् रुद्रवद् रुवान् ॥ अश्वनाम यमा रुद्रवसोम्य ॥ अनयतनः ३ मीनः ॥ दिपती अश्व ॥ सिपुतम ॥
॥ अग्निपुवम ॥ तनु आतां अम ॥ अस आथा धी ॥ ॐ वहि ॥ महि ॥ अमीता या ना रुद्रया म न य ॥
दृष्टा कृया या व दामि न्या ४ पथर्मया म दय सा यतन ४ ॥ अश्व रुद्रव ४ ॥ अश्व रुद्रव ४ ॥ न अश्व रुद्रव
४ ॥ अनयतन ४ ॥ तस्मिन्नयतनः ३ मीनः काले दिवा दय ४ पथर्मा रुद्रव कि ॥ ७ वसिष्ठा ल रुद्रया
दिनी आनी ॥ दिसि मि ॥ ॐ रुद्रव ॐ कान उच्चा नमर्थ ४ ॥ तनान कान ॐ ४ ॥ तन्य कान ॐ ४ ॥ तन्य रु
द्रव ४ ॥ वावसाना ॥ द कान स्य रुद्र कान ४ ॥ दिवा दय रुद्रव कि ॥ उच्चा नमर्थ ४ ॥ तनान कान ॐ ४ ॥ तन्य रु
द्रव कि ॥ दिवा दय रुद्रव कि ॥ अश्व रुद्रव ४ ॥ अश्व रुद्रव ४ ॥ अश्व रुद्रव ४ ॥
४ ॥ अश्व रुद्रव ४ ॥ अश्व रुद्रव ४ ॥ अश्व रुद्रव ४ ॥ वसाना ॥ अश्व रुद्रव ४ ॥ अश्व रुद्रव ४ ॥ अश्व रुद्रव ४ ॥

गुवः
७९

सा.स्व
७२

[illegible]

पुनः
 ७२

सा.स्व
७३

गुनः
७३

यत्॥ गायत्॥ अगायत्॥ नायत्॥ नायत्॥ नायत्॥ अनायत्॥ स्नेहवर्षकथ॥ गायत्॥ गाय
 यत्॥ गायत्॥ अगायत्॥ स्नेहवर्षकथ॥ गायत्॥ गायत्॥ गायत्॥ अगायत्॥ गायत्॥ गायत्॥
 ॥ गायत्॥ गायत्॥ गायत्॥ अगायत्॥ दपेभनेधे॥ दायत्॥ दायत्॥ दायत्॥ अदायत्॥ ड
 स्वप्न॥ दायत्॥ दायत्॥ दायत्॥ अदायत्॥ कक्षहास॥ कक्षहास॥ कक्षहास॥ अकक्षहास
 ॥ कक्षहास॥ अक्षहास॥ कक्षहास॥ कक्षहास॥ कक्षहास॥ अक्षहास॥ अक्षहास॥
 ॥ नगंसेकाया॥ नायत्॥ लायत्॥ घायत्॥ दायत्॥ दायत्॥ दायत्॥ अदायत्॥ अक्षहास॥
 पूजाया॥ अक्षहास॥ कक्षहास॥ दायत्॥ दायत्॥ दायत्॥ दायत्॥ दायत्॥ दायत्॥ दायत्॥
 ॥ दानीलूग्विकनक्षहास॥ दायत्॥ दायत्॥ दायत्॥ दायत्॥ दायत्॥ दायत्॥ दायत्॥

नखमखसर्पेन४ अगायत्॥ अगायत्॥ अगायत्॥ अगायत्॥

मा.स्य
७४

[illegible]

ପ୍ର. ୭୪

नकाना इरुनस्पहवति ॥ रगनग ॥ किलात्स ४ स ॥ रगय ॥ गयार ० ॥ रगरध्व ॥ गय ॥ रगवह ॥ स
 मह ॥ गयीता ॥ गयीयानी ॥ गयीनहा ॥ गयीथा ४ ॥ गयीयार्थ ॥ गयीध्व ॥ गयीय ॥ गयीवहि ॥ ग
 यीमहि ॥ रगनी ॥ गयानी ॥ रगनी ॥ रगेय ॥ गयार्थ ॥ रगध्व ॥ गये ॥ गयावहो ॥ गयामह ॥ अरग
 ता ॥ अगयानी ॥ अरगनता ॥ नूट ॥ अरु अरु ॥ अरगथा ४ ॥ अरयार्थ ॥ अरगध्व ॥ अगयी ॥ अरग
 वहि ॥ अरगमहि ॥ ॥ कृ ॥ यकायावावि ॥ ॥ कानउयपदार्थ ४ ॥ अवादाविपिस्मि ॥
 कुव ॥ पुत्यथाहवति ॥ नकानेसकानमकानादोपितिपन ॥ अवादोविषय ॥ अवादरगो ॥ अ
 प्रकहनि ॥ अयालक ॥ ववीति ॥ कृ ४ ॥ यादोमानिषोस्वन ॥ नूधना ४ ॥ विकनगस्य ॥ नादो
 गो ॥ रव ॥ वर ॥ वर ॥ या निषोहवत ४ ॥ स्वनपन ॥ अनकस्वनस्यासंयोगपूर्वस्य ॥ उधोहवत ४ ॥ ना

सा.सु
७५

नष्पाच्चो॥ अनपि विषय उवर्त्तनस्य वत्ननरुवति॥ किरु उव आदर गारुवति॥ शरुव कुनि
त्याक्षे अनपि गुरुर्गशहा न ननपी विषय॥ ववीति॥ कुवन्ति॥ ववीषि॥ कुथ॥ कुथ॥ ववीः
मि॥ कुव॥ कुम॥ आत्मन पदयि॥ कु॥ कुवार्॥ कुव॥ कु॥ कुवार्थ॥ कु॥ कु
व॥ कुव॥ कुम॥ कुव आह धर्पवाना॥ कुव उरु न धीनि वादी न पीवाना॥ स प अरु स उ
स थ प अरु स॥ ॐ स न आदर गारुवति॥ कुव आह आदर गारुवति॥ आह॥ आह उ॥
आह॥ तरथ॥ थ कानि पन कुवाह कान स न काना रुवति॥ आह॥ आह थ॥ कुथ॥ ववी
मि॥ कुव॥ कुम॥ विधि सीता वदया॥ कुया॥ कुयाती॥ कुय॥ कुया॥ कुयाती॥ कुया
ती॥ कुया॥ कुयाव॥ कुयाम॥ कुवी॥ कुवीयाती॥ कुवीन॥ कुवीथ॥ कुवीयाथी॥ कु

गुनः
७५

३१९

सा.स्व
७८

लापाहवति॥अख्यु॥यजुहिगमन॥अनो॥डुकावसोकात्रादरगहवतिपिमिस्त्रि॥योहि
॥युयात्॥योडु॥अयोत्॥यांप्रापन॥डास्वप्न॥स्वात्क्ररता॥वागतिबन्धनया॥यापूजरा॥
रादिफो॥मामान॥लाग्रह॥जादाना॥स्नासोव॥ॐ स्यादयाऽन्यपिधाकुपाभतदवगक्तव्याॐ
दानील्लग्निकवधस्यापिशहासादिगधस्याविरमय॥कृदातादनया॥कादृदि॥कृॐ
दगताऽस्यन्नस्यापालुगवमिहस्मिनसतिधमादिर्वचन॥सस्वनादृदिर्वदि॥सस्वनाया
॥वयदाऽदिनुक्तादिरविति॥कृहायु॥पूर्वसंवन्धिना॥कवर्गहकाववाधुलीति॥वर्ग
वगुरथाहस्यसवर्ह॥मपानीजववपा॥पूर्वसन्धिमिनीमपानीजवावपाहवति॥अरु
धघशानीजउदगवाहवति॥खरुक्क०थानीवटतकपाहवति॥शहातिराशरुक्क॥दि

गुनः
७८

रव३

[illegible]

सा.स्व
७७

कृत्वा सुतः ४॥ अश्वहवः ४॥ गुहः ४॥ आर्धिसर्गः ४॥ अश्वहा ४॥ अश्वहगः ४॥ अश्वहवी ॥ क
विदन्त्येतापि लूकृत्वा नृधा नानव्युक्तानलोपः ४॥ अश्वहवः ॥ अश्वहः ॥ अश्वहमः ॥ अश्वहः ॥
अहाहगगो ॥ रुका न आत्मन पदार्थः ४॥ अका न आदिनि विरगव नार्थः ४॥ हा न कृति हि न ॥
का दे विरश्च नि दि त्वी ॥ अप क ह नि ॥ अपा लू क ॥ अस्व ४॥ पूर्व सम्बन्धि ना दी र्घे स्पृह स्वा र
वति ॥ रु अ लू कि रु रु क धा व द या य द या ४॥ अहाह गगता माह मान ॥ उ न या पूर्व स्पा कान
स्य काना द र्ग म र वति ॥ लू कि सति ॥ द लो ला पा न व ह र्गि वृ कान धे ॥ दि नू क धा ना क कान र
ला पा र्वा नि रु मि स्व न प न ० ० ० कान श्रु ति नि ह स प न ॥ जि ही न ॥ जि हा न ॥ जि ह न ॥ जि ही धो ॥
जि हा र्थ ॥ जि ही र्ध ॥ जि ह ॥ जि ही व ह ॥ जि ही म ह ॥ वि र धो ॥ जि ही तू ॥ जि ही या ती ॥ जि ही न

गुनः
७७

॥ जिहीथा ॥ जिहीयाथी ॥ जिहीध्वी ॥ जिहीय ॥ जिहीवहि ॥ जिहीमहि ॥ आभी ॥ जिहीनी ॥ जि
 जिहानी ॥ जिहनी ॥ जिहीध्व ॥ जिहाथी ॥ जिहीध्व ॥ जिह्व ॥ जिहावह्व ॥ जिहानह्व ॥ अजिहीनी ॥ अजि
 हानी ॥ अजिह्व ॥ अजिहीथा ॥ अजिहाथी ॥ अजिहीध्व ॥ अजिही ॥ अजिह्वही ॥ अजिहीमही ॥ अ
 धनधया ॥ धनया ॥ न ॥ पूर्वसंविनामकानस्याकाबाद ॥ मरुवति ॥ मपानजिववपा ॥ ॐ निव
 कान ॥ ॥ हयां लुकि ॥ ॐ निपूर्व ॥ अस्प ॥ गु ॥ विरुहि ॥ विरुह ॥ विरुमि ॥ विरुमि ॥ विरुमि ॥ विरुमि ॥
 ॥ विरुथ ॥ विरुमि ॥ विरुव ॥ विरुम ॥ विरुधो ॥ विरुयात ॥ विरुयाती ॥ विरुयू ॥ विरुया ॥ वि
 रुयाती ॥ विरुयात ॥ विरुयां ॥ विरुयाव ॥ विरुयेमा ॥ आभी ॥ विरुकु ॥ विरुना ॥ विरुनी ॥ वि
 रुकु ॥ विरुहि ॥ विरुना ॥ विरुनी ॥ विरुना ॥ विरुना ॥ विरुना ॥ विरुना ॥ विरुना ॥ विरुना ॥ विरुना ॥ विरुना ॥

सा.सु.
७८

हसात्॥ हसाइरुनस्पदिपू० स्वतया लापा रवति॥ अविह॥ अविहती॥ अविहन्॥ अ
विह॥ अविहती॥ अविहन्॥ अविहन्ती॥ अविहव॥ अविहम॥ माहमान॥ रुकोनअरु
मनपदार्थ॥ साधनिकापूर्ववत्॥ मिमीत॥ ००त्यादि॥ अहाकृत्वा॥ गरोकाददि॥ अरु॥
अपकृत्वा॥ अपालक॥ अहाश्च॥ ममानाजेववपा॥ अहाति॥ हित्वास्तन० काज॥ अ
हीत॥ अहित॥ अपालाप॥ अहाति॥ अहाति॥ अहीथ॥ अहीथ॥ अहामि॥ अहीव॥ अ
हीम॥ अहाकृत्वा॥ दावालापावकव्य॥ अक्काता॥ अक्काती॥ अक्क॥ अक्का॥ अक्काती॥ अक्का
ते॥ अक्का॥ अक्काव॥ अक्काम॥ अहातु॥ हित्वादिपू॥ अहिनाहो॥ अहीती॥ अहृत्तु॥ ००चोही
॥ ००श्च॥ ००श्च॥ ००॥ अहाकृत्वा॥ पनवा० काव० काव० कानश्चरवति॥ अहीहि॥ अहिहि॥ अहाइ

गुनः
७८

हि॥ जही नाघा॥ जही नी॥ जहि ना॥ जहानि॥ जहाव॥ जहाम॥ अजहात॥ अजहात॥ असिपत्र
 आकावस्य लापारवाने॥ अजही नी॥ अजहा॥ अजहा॥ अजही नी॥ अजही ना॥ दित्वा ना वा
 नाकावलोप॥ अजही॥ अजहीव॥ अजहीम॥ अदा अदान॥ अका नाद्वि नक्षि मक काव्यार्थ
 ॥ अकान उपपदार्थ॥ काद दिश्व॥ अपक र्त्वि॥ अपालक॥ अस्व॥ ददाति॥ दद॥ दि
 वृकास्य ददनाकावस्य लापारवानि॥ दिति पत्र॥ दसा विर्यस्योपवा द॥ स्वसवपा मसानी॥
 दद॥ दनिमि॥ ददगि॥ ददासि॥ दत्थ॥ दत्थ॥ ददामि॥ दद॥ दप्र॥ यादा दी सर्वनाकाव
 लाप॥ दद्यात्॥ दद्यानी॥ दद्यु॥ दद्या॥ दद्यानी॥ दद्यात्॥ दद्या॥ दद्याव॥ दद्याम॥ अवादी॥ द
 दा॥ ददा॥ दाद॥ रवस्वपा मसानी॥ दही॥ ददु॥ दाहो॥ दादीनी होपन पूर्वस्य दका

सा.ख
७२

नस्यलोपा रुवमिधाता ना कानत्यु कान ३॥ दहि॥ दहाघा॥ दहं॥ दह॥ दहानि॥ दहान॥ द
दाम॥ दिवालोवन्॥ अददात्॥ अददी॥ अनउत्॥ अदइ॥ अददो॥ अदहं॥ अदह॥ अद
दी॥ अदद॥ अददा॥ ददना लाप॥ ०० लादि॥ आत्मनपद॥ पि॥ अपलाप पूर्व द कान ला
प॥ दह॥ ददना॥ ददना॥ दह॥ ददार्थ॥ दह॥ दद॥ ददहं॥ ददहं॥ यादादो॥ दहो॥
ददीत्॥ ददीमात्॥ ददीनत्॥ ददीथा॥ ददीयात्॥ ददीध्वं॥ ददीय॥ ददीवही॥ ददीमही
॥ उवादी॥ दहं॥ ददार्थ॥ ददार्थ॥ दह॥ ददार्थ॥ दह॥ दद॥ ददवहं॥ ददामहं॥ अदह॥
अददार्थ॥ अददत्॥ अददत्॥ अददार्थ॥ अदद्वी॥ अददी॥ अददहि॥ अददहि॥ अददहि॥ अद
धानपयथा॥ पूर्ववत्॥ अदि॥ उरवपदी॥ कादविश्व॥ मराश्व॥ मयानेजिनवपा॥

गुनः
७२

0



51



५३

[illegible]

सा.स्व
टव

काजनकाजोहवत॥ स्वादन्नम् ॥ स्वादगेषान्नम् प्रत्ययाहवतिबहुषुपन्नवू ॥ आगतिप्रया
ग ॥ आदश्चतुर्थोसूमा ॥ पादन्नपसर्गस्त्यनधीस्वादीननिमादीनाविधाबुनीसकाबधः
कानया॥ स्तोपूवैराविनावववकानमकाजोहवत॥ तथातद्यवनिमिहधूससम् ॥ सूनाधि
॥ सूनुथ॥ सूनुथ ॥ सूनामि ॥ अर्धमाबोलाप॥ सूनुव॥ सूनुव॥ सूनुव॥ सूनुव॥ सूनुव॥ सूनुव॥
त॥ सूनुयाती॥ सूनुये॥ सूनुया॥ सूनुयाती॥ सूनुयाती॥ सूनुयाती॥ सूनुयाती॥ सूनुयाती॥ सूनुयाती॥
त्ययसादित्वागुह॥ सूनुता॥ सूनुता॥ सूनुता॥ सूनुता॥ सूनुता॥ सूनुता॥ सूनुता॥ सूनुता॥ सूनुता॥
रुनस्यहल्लगवति॥ वाग्रहस्तसंथागभइहूनस्यनकुलकुलकन॥ ल॥ ल॥ ल॥ ल॥ ल॥ ल॥ ल॥ ल॥ ल॥
वति॥ सूनु॥ सूनुता॥ सूनुती॥ सूनुता॥ सूनुवनि॥ सूनुवाव॥ सूनुवाम॥ असूना॥ असूना

गुनः
८९

37



गुनः
८३

सा.स्व
८४

[illegible]

गुनुः
८४

थी॥ की दी धं॥ की रो॥ की सव हे॥ की स म ह॥ अ की सी त॥ अ की स ती॥ अ की स तो॥ अ की
दी था॥ अ की स थी॥ अ की दी धं॥ अ की सि॥ अ की दी व हि॥ अ की दी म हि॥ ग रु उ पा द न का व
था हा नी॥ वि ज से कान॥ क र अ कान॥ य ध ता उ ने॥ व ग का नी॥ व च व्या जि क न रे॥ प षि हिः
प्रायी॥ व श्रु र न॥ अ श्रु बू पा क ठू त्या दि ह्ना न व्यी॥ ग ही कि ति ति व॥ ग रु का वि उ व उ क उ
व ध व ध व च व च व भ वि व पु छ उ स च व भ दी ना कि ति ति ति च प न सं प सा न र्ध र व ति॥
न रु स्य म का न॥ व का वा धि का वा ल क वि ति पि न पि सं प सा न र्ध र व ति॥ गृ जा ति॥ गृ जी
त॥ गृ ऊ कि॥ गृ ऊ सि॥ गृ जी थ॥ गृ जी थ॥ गृ जा मि॥ गृ जी व॥ गृ जी म॥ गृ जी या न॥ गृ जी
या नी॥ गृ जी यू॥ गृ जी या॥ गृ जी या नी॥ गृ जी या न॥ गृ जी या॥ गृ जी या वा॥ गृ जी या मे॥ गृ

सा.स्व
८६

[illegible]

गुन
८६

उतत्रविरुक्तिवक्ष्यं सार्धं धातुकर्तृपञ्चमाह धातुकर्तृरुपानिधीयानी ॥ १०० ॥ विक
रूपक्रिया ॥ ॥ अथ राव कर्मस्थैर्यकप्रक्रियानिबृण्ण ॥ अथ गदाऽधिका नार्थः ॥ आ
हुविकर्मस्थि ॥ अकर्मकस्या धातुस्याहुविहावसकर्मकस्य ध्वकर्मस्थि आत्मनपदसर्वगि ॥
नविद्यतकर्मयवाक्य अकर्मकाः ॥ यवकर्मस्थिनपशौ क्रियामाह स कर्मकाः ॥ जिल
जायी ॥ हसहायी ॥ स्वागतिनिवृत्ति ॥ जागृनिजशय ॥ उधवृद्धो ॥ क्रिकये ॥ जिजय ॥ यिती
रय ॥ जिवपाधक्षनरक्ष ॥ मृदूपाधरण ॥ भीरुस्वप्न ॥ दिवूजीजयी ॥ नूविदिष्टो ॥ उरक
र्मकाः ॥ रयध आसगीदुपटनय ॥ लक्षासत्यास्थितिजागनदी ॥ वृद्धिकयययजी विनम
नदी ॥ मयधकीज नूविदीष्ट्यर्थ ॥ धातुगर्धनमेककर्मकमाह ॥ सन्मागृहावलिगी ॥ त्याद

सा. ख.
८७

सुदृश्यं च कानकेऽधातार्थेऽकवर्त्तुं क्षाता ॐ स्थितिधीयत ॥ यद्वा तु वृ ॥ धाता हा व कर्मोति
चय कृपु स्यात्वातिवृत्तं पूर्वार्थे कर्मपदं ॥ क का व गु ध प्र ते व धार्थे ॥ रा व से क ला द
क व व न र वा ति प्र थ म पु नू ध स्य ॥ त्र य तं ॥ रा व ता ॥ उ ध र धा मि के ॥ आ स्य त म हि ॥ अ क
न आ त्म न प दा र्थे ॥ अ यं तं गू ड ण ॥ सर्वं गी ढा गुर ण रा व ति ॥ अ क र्म का पि क दा वि त्त क
र्म क त्वे न न रा व ति ॥ त थ धा क् ॥ धा तार्थे वा ध न श्चि त्क श्चि रु म नू व र्त्त न ॥ वि गि न श्चि त म वा र्थे मू प
स र्ग म सि धा म ता ॥ उ प स र्ग न धा टा र्थे व ला द न्य ग नी य तं ॥ वि हा ना हा न र्त्त हा न प्र ति हा न प्र
हा न वि त् ॥ ॐ ति व च ना त् ॥ स र्व म नू त्र य तं स्वा मि ना ॥ य द्वा क र्म नि व र्त्त नार्थे क र्मा क र्म
क र्म का ॥ क ट ॥ क र्म क र्म क र्म ॥ त्वं इ ॥ र वी की य स वा र्ग वि ना र्ग ॥ र वी ही क र्म ॥ अ क र्म

ব্রহ্মঃ
৮৩

३९
 ३॥ अकानस्य निदादरगात् वत्सकानपत्यययकिवमने ॥ इकानाव्यवधानार्थः ॥ क्रियता ॥
 क्रियता ॥ मृदुप्राप्त्यारग ॥ प्रियता ॥ प्रियता ॥ प्रियता ॥ अमियता ॥ अवीदृष्टादान ॥ दानमादिय
 ता ॥ आदियता ॥ आदियता ॥ आदियता ॥ आदियता ॥ इत्युक्तं ॥ क्रियताधनं धनं धनं ॥ क्रियता
 क्रियता ॥ अक्रियता ॥ य ॥ येकानपनपूर्वस्य दीयते विमि ॥ विमि वयन ॥ वृष्टिका श्रीयतावी
 यता ॥ वीयता ॥ वीयता ॥ अवीयता ॥ इदनादनया ॥ इयता अनीवक्रोवा क्रोवा ॥ इयता ॥ इ
 यता ॥ अइयता ॥ इदनादनया ॥ इदनादनया ॥ इदनादनया ॥ इदनादनया ॥ इदनादनया ॥ इदनादनया ॥
 ता ॥ दीयता ॥ दीयता ॥ अदीयता ॥ इदनादनया ॥ इदनादनया ॥ इदनादनया ॥ इदनादनया ॥ इदनादनया ॥
 ता ॥ निधीयता ॥ निधीयता ॥ अनिधीयता ॥ मादुमान ॥ मीयता ॥ मीयता ॥ मीयता ॥ अमीयता ॥

इयता

सा. स्व
८८

के. गे. ने. ग. द. ॥ सी. ध. क. ना. द. मा. ॥ सी. ध. क. ना. ध. ॥ ध. कु. ना. मा. त्वं. रु. व. नि. ॥ अ. न. पि. वि. च. य. ॥ दा. द. वि. ध. ॥ २
य. दी. र्च. ॥ गी. य. त. ॥ गी. य. त. ॥ गी. य. त. ॥ अ. गी. य. त. ॥ की. य. त. ॥ की. य. त. ॥ की. य. त. ॥ अ. की. य. त. ॥ बी. य.
त. ॥ बी. य. त. ॥ बी. य. त. ॥ अ. बी. य. त. ॥ र. ग. त. न. क. न. र. ॥ गी. य. त. ॥ गी. य. त. ॥ गी. य. त. ॥ अ. गी. य. त. ॥ अ.
हा. क. त्वा. र. ग. ॥ ही. य. त. ॥ ही. य. त. ॥ ही. य. त. ॥ अ. ही. य. त. ॥ पा. पा. न. ॥ पी. य. त. ॥ पी. य. त. ॥ पी. य. त. ॥ अ.
पी. य. त. ॥ ष. ग. ति. नि. व. र. ॥ आ. द. ॥ ४. ४. ४. ४. ॥ स्टी. य. त. ॥ स्टी. य. त. ॥ स्टी. य. त. ॥ अ. स्टी. य. त. ॥ त. ना.
त. ना. वि. ॥ त. ना. त. न. का. न. स्य. वा. आ. त्वं. रु. व. नि. य. कि. व. प. न. ॥ त. न्य. त. ॥ त. न्य. त. ॥ त. न्य. त. ॥ अ. त. न्य. त.
॥ ता. य. त. ॥ ता. य. त. ॥ ता. य. त. ॥ अ. ता. य. त. ॥ अ. ग. ती. ॥ गु. र. म. दि. र्च. या. ग. म. या. ॥ अ. ग. ता. वि. स्य. स्य. ध.
ता. ॥ र्च. या. ग. म. द. श्र. ज. व. र्च. स्य. गु. र. म. दि. ॥ कि. वि. ति. व. प. न. ॥ अ. र्च. त. ॥ अ. र्च. त. ॥ अ. र्च. त. ॥ अ.

गुनः
८८

सा. स्व
८२

व्यता॥ याच्यन्॥ याच्यन्ती॥ अयाच्यता॥ ध्यादयाः न्यचनिष्कर्मगल्यर्थो भाक्तकर्मसिद्धयर्थी यातिः
याचादिरेतेष्वन्यथानूवि॥ पक्षिहीप्सायी॥ गृहीक्षितिवतिसप्रसानर्त॥ पृच्छागर्पथान्
पथिकनयान् ४॥ गीष्वावाय्यस्तुर्लपृच्छा ॥ ॥ ॐ तिहावकर्मप्रक्रिया ॥ ॥ पुनः ४ क
रुविपधीयतापनाकराधपू॥ अगुम्॥ उम्॥ थपू॥ अथुम्॥ अ॥ धपू॥ व॥ म॥ ७॥ आदा॥ ॐ
नो॥ स॥ आरथाध्वान्॥ वह्नामह्नाधमाः ४ पनाकमीनकालेनवाद्यः ४ प्रत्ययास्तवति॥ ७ वर्ति
स्तानिद्रा॥ द्विश्च॥ नवादिद्योगधमादिवर्तिरुवति॥ आस्तास्तदो॥ पूर्वस्य उक्तानस्यरुग
स्य आकाशारुवतिस्तवादीसति॥ षष्ठिनिर्दिष्टन्यायन ॐ सूक्तानस्याकान ४॥ ऊस्व ४॥ मयाना
जववपा ४॥ उवावूक्॥ उवावूगा॥ मारुवतिस्तवादीपव॥ वूकविधिसामर्थ्येनगुरस्तवुद्धि ४॥

गुनः
८२

सा. स्व

२०

वृत्तादरगजगदुठ॥ वरुथप॥ अनित्तिधुनीधपावा०० नरुवति॥ सट्टकिवीवावकव्यं
॥ कित्वादितात्पूर्वस्य लाप॥ पविथ॥ पपविथ॥ पपक॥ पचेथ॥ पच॥ धबुरुमावानिट्
वकुव्य॥ तनाविकल्पेन वृद्धि॥ यपाव॥ पपच॥ पविव॥ पविम॥ आत्मनपद॥ लापादि
पूर्ववत्॥ पच॥ पचास॥ पविन॥ पविष॥ पचाथ॥ पविध॥ पच॥ पविवह॥ पविमह॥ श्रु
कृष्केनर॥ द्विरश्रुतिद्वित्वं॥ कृष्केपे०० निसिद्धता॥ श्रुकावाश्रितस्मि मककार्यार्थ॥
श्रुकानउरुयपदार्थ॥ न॥ पूर्वसंवन्धिनामकानस्याकावादरगावति॥ कृहाश्रु॥ व
कृष्त०० निसिद्धता॥ धागान्नामिन॥ धागावकुरुनस्यनामिनावृद्धिरुवति॥ पि३मिदिनपन
॥ वकान॥ वित्वागान्नवृद्धि॥ कित्वान्नगुह॥ मनी॥ वकउ॥ वक॥ वकथ०० स्यादीन

गुनः

२०

८
७
०
५
१०
१५
२०
२५
६॥ वकथु॥ वक॥ ववृहमावनिहकव्य॥ वकान॥ गुसं॥ वकन॥ वकव॥ वकम॥ १
नामानावकाव॥ आसमपद॥ वक॥ वकार॥ वकिव॥ किलावृ॥ स॥ वकव॥ व
काथ॥ नामिनवकुर्वीटाध॥ नामनाध॥ नानुनस्यधकानस्यरुत्तवतिनिवादिना
वकुर्वीसीवन्धिनानरुवति॥ वकवृ॥ वक॥ वकवह॥ वकमह॥ असुवि॥ अकानउ
वानमर्थ॥ ववादीदिस्थितिद्विती॥ असुसु॥ मितिस्थित॥ असुपधयावृद्धि॥ कन॥
सवरुद्दीर्घ॥ आस॥ आसु॥ आसु॥ आसिथ॥ आसु॥ आसु॥ आस॥ आस॥ आ
सिवा॥ आसिम॥ कासादिप्रत्ययादमकसहपन॥ कासादेर्जा॥ प्रत्ययाकावृद्धिवादीप
वैआमप्रत्ययावृद्धि॥ सवकुसहपवपयाकव्य॥ कासुगदकसायी॥ अकाननिवायो

सा. स्व
२९

र्थः॥ अमपुत्ययः॥ कासीव कान॥ कासीव कुठु॥ कासीव कु॥ कासीव काथ॥ कासी
व कर्थ॥ कासीव कुथु॥ कासीव कु॥ कासीव कान॥ कासीव कुव॥ कासीव कुम॥ अमने
पद॥ कासाव कु॥ कासीव का॥ कासाव कुन॥ कासान कुव॥ कासान कोरथ॥ कासी
ध॥ कासीव कु॥ कासीव कुव॥ कासीव कुम॥ कासामास॥ कासामासे॥ कासामास
॥ कासामासिथ॥ कासामासि॥ कासामासथु॥ कासामास॥ कासामास॥ कासानास
॥ कासामासिव॥ कासामासिम॥ कासामास॥ कासामासा॥ कासामासि॥ कासाकोसिव
॥ कासामासाथ॥ कासामासिरध॥ कासामास॥ कासामासिव॥ कासामासिम॥ कासीव
रुव॥ कासीवरुव॥ कासीवरुव॥ वकासुदिफो॥ वकासीव कान॥ वकासीव कु

गुनः
२९

सा.स्व
२२

विदामासा॥विदामासुं॥विदामासु॥विदीवरुव॥विदीवरुवकु॥विदीवरुवु॥उवविद
जागृणावामूवकव्य॥उवावकान॥कविइरुनस्यउवादम॥उवाय॥विदविकान॥विव
द॥जागनीचकान॥जजागन॥ॐकदगर्भकनया॥ॐकविकु॥ॐकविक्का॥ॐक
वकन॥ॐकामासा॥ॐकामासिन॥ॐकविवरुव॥ॐकविवरुवाम॥ॐवरुविन॥ॐ
यादि॥उहवितक॥उहविक॥उहविकान॥उहविकिन॥उहामास॥उहामासा॥उह
मासिन॥उहविवरुव॥उहविवरुवाम॥उहविवरुविन॥ॐहचष्टायी॥ॐहीचक॥ॐही
वकान॥ॐहीचकिन॥ॐहामास॥ॐहामासा॥ॐहामासिन॥ॐहविवरुव॥ॐ
हविवरुवाम॥ॐहविवरुविन॥ ॥ॐनिकोसादय॥ ॥अधूनाप्रत्ययान्तस्यजामनि

गुनः
२२

नृप्यन॥ इह ७३ कन२॥ ७३ कानाचित्तु न क्कार्यार्थ॥ ७३ कान उरुय वदार्थ॥ ०० छाया
 मात्मनः स॥ ७३ काना विद्याया मर्थ आत्मनः सप्रत्यया तवति॥ कान नैपे ०० नित्तिन॥ ७३ कान
 न॥ ७३ कानस्य ०० नाद२॥ तवति किं नित्तिन वपन॥ किन सप्त ०० नित्तिन॥ साव दिध्वा॥ साव
 त्सन्धिना दिध्वा तवति॥ काना धुनित्तिन कान॥ विकिन सप्त ०० नित्तिन॥ साव दिध्वा ०० नित्तिन
 ००॥ किलात्स ००॥ ०० नित्तिन॥ जल गुम्फि काना यन न रु स्या ०० गमती॥ विकिर्व ०० नित्तिन॥
 कासादिपुत्र यादो म्क स रूप न ०० स्या म॥ विकिर्व ०० नित्तिन॥ विकिर्व ०० नित्तिन॥
 चक्र॥ विकिर्व ०० मासे॥ विकिर्व ०० मासे॥ विकिर्व ०० वरुव॥ विकिर्व ०० वरुव ००॥ विकिर्व ०० वरुव
 व॥ नाम्नाय ०० चासा॥ नाम्ना ०० छा मर्थ यप्रत्यया तवति॥ ७३ कानस्य कान॥ ७३ कान॥ पूजीय

वृनादध्मिना जिपुस्यमारुचनि॥ गुह॥ ७ अय॥ कासादिपुस्ययादाम्कसस्यपनर
॥ वेर्ययविरुव॥ वेर्ययविरुवु॥ वेर्ययविरुवु॥ वेर्ययविरुविथ॥ वेर्ययविरुथू॥ वे
र्ययविरुव॥ वेर्ययविरुव॥ वेर्ययविरुविवा॥ वेर्ययविरुविमा॥ वेर्ययामास॥ वेर्ययामास
कु॥ वेर्ययविकान॥ वधनिन्दामी॥ विरुत्ताचक्र॥ विरुत्तामास॥ विरुत्ताविरुव॥ हीरुत्ता
मीदिनूक्तानाम्चावकाव॥ ॥ जिहिरय॥ जिहिरनूवधार्थ॥ शिष्यपू० न्तिरुत्ता॥ दि
रुत्तादिर्त्ता॥ अस्व॥ मपानजिवचपा॥ वकान॥ गुह॥ ७ अय॥ आमागमश्च॥ विरुत्ताव
कान॥ विरुत्ताचक्रकु॥ विरुत्ताचक्र॥ विरुत्तामास॥ विरुत्ताय॥ विरुत्तायु॥ विरुत्तायु॥ विरुत्तायुः
थ॥ विरुत्तायु॥ विरुत्तायु॥ विरुत्तायु॥ विरुत्तायु॥ विरुत्तायु॥ विरुत्तायु॥ विरुत्तायु॥ विरुत्तायु॥

अग्निहोत्रं शुद्धाव२

सा.ख
२४

॥ श्रुवांमास ॥ श्रुवांविस्तवा ॥ ॐ स्वादि ॥ श्रुवा ॥ श्रुवकु ॥ श्रुवु ॥ नानप्याद्यो ॐ तिनका
न ॥ श्रुवीथ ॥ श्रुथ ॥ श्रुवथ ॥ श्रुव ॥ श्रुवाव ॥ श्रुव ॥ श्रुवि ॥ श्रुवीमा ॥ श्रुव ॥
नक्षपावधाय ॥ ॐ कानउरुयापदार्थ ॥ दिश्वतिदित्वेन ॥ ॐ तिअकान ॥ श्रुव ॥
थकान ॥ गु ॥ ॐ तिअकानस्यअन ॥ मपानजिववपा ॐ तिवन ॥ वितनांवि काने ॥ वि
रुनवि कु ॥ वितनांवि कु ॥ वरुन ॥ वरु ॥ वरुथ ॥ वरुथ ॥ वरुथ ॥ वरुथ ॥ वरुथ ॥
वरुन ॥ वरुव ॥ वरुम ॥ जीलकाया ॥ दिश्वतिदित्वे ॥ पूर्वस्यहसादिगेष ॥ कृहाश्वनिः
तिककान ॥ मपानजिववपा ॐ तिअकान ॥ जिजयाविकान ॥ जिजयाविकु ॥ जिजया
वकु ॥ जिजयामास ॥ जिजयामाकु ॥ जिजयामास ॥ जिजयाविव ॥ स्यागपूर्वत्वा न

गुः
२४

सा.स्व
२५

[illegible]

गुनः
२५

५३

वरुणवानासूनवारुदधुनहिनस्थदेसस्यविरुदवक॥ गिनीगिविदुदग्माननसुजघानकी
 सीकिलवासुदेव॥ गमास्व॥ जघ्रु॥ जघ्रु॥ जघ्रिथ॥ जघ्रिथ॥ जघ्रिथ॥ जघ्रिथ॥ जघ्रिथ॥ जघ्रिथ॥ जघ्रिथ॥
 न॥ जघन॥ जघ्रिव॥ जघ्रिम॥ जनिषाद्वि॥ ॐ का आत्मनपदार्थ॥ आत्मनपदेदेहगय॥
 गवास्व॥ ॐ तिउपधयालोप॥ कांश्रुति॥ श्रुतिनिबूत्वेन॥ ३ कान॥ ज॥ ३ ॥ ज॥ ३ ॥ ज॥ ३ ॥ ज॥ ३ ॥
 नादने॥ ज॥ ३ ॥ ज॥ ३ ॥ ज॥ ३ ॥ ज॥ ३ ॥ ज॥ ३ ॥ ज॥ ३ ॥ ज॥ ३ ॥ ज॥ ३ ॥ ज॥ ३ ॥ ज॥ ३ ॥
 नन॥ अकानेउच्चानमर्थ॥ कूपवयानपूर्वकृत्॥ द्विती॥ मयानीजववपा॥ उपधयादीघ॥ २
 वरु॥ वरु॥ वरि॥ वरि॥ वरि॥ वरि॥ वरि॥ वरि॥ वरि॥ वरि॥ वरि॥ वरि॥ वरि॥ वरि॥ वरि॥ वरि॥ वरि॥
 ॥ ३ का॥ ३ दि॥ ३ को॥ ३ यार्थ॥ द्विती॥ कृत्॥ ३ ॥ मयानाजववपा॥ घासं॥ ३ ॥ घासं॥ ३ ॥ घासं॥ ३ ॥ घासं॥ ३ ॥

नस्य

सा.सु.

२६

पकनं स्वसुवपाजसानामितिककान॥ घसाद॥ स॥ घसाद॥ द॥ सा॥ कानस्यवकाभाद॥
सुवतिकितिकितिपन॥ कयकु॥ जकु॥ जकिथ॥ जघसिथ॥ जघरु॥ जकथु॥ जका॥ जघा
स॥ जघस॥ जकिव॥ जकिम॥ बुदा॥ दान॥ पूर्वपदनवन्ध॥ दित्वी॥ कस्वआभाध॥ आ
कानाकाध॥ पन॥ सप्र॥ ज॥ सुवति॥ आतानपि॥ अविद्यमानअप्युपययगसा॥ नप्रतुति
न्ननपि॥ कितिकितिवप॥ आका॥ सुवति॥ ददो॥ दाने॥ ददा॥ दामा॥ पपो॥ यमूदा॥ पुन॥ तस्ते
पीतस्तदास्तान्धनी॥ हित्वावर्नेययो॥ ददो॥ ददकु॥ दद॥ ददिथ॥ अ॥ ददथ॥ ददा
ददथु॥ दद॥ ददो॥ ददिव॥ ददिमा॥ पापान॥ पपो॥ पपकु॥ पपु॥ पपथ॥ पपाथ॥ प
पथ॥ पप॥ पपो॥ पपिव॥ पिपिम॥ आगतिनिवृत्ते॥ आद॥ क॥ स॥ दवा॥ दोदिववनी॥ न॥

गुनः

२६

[illegible]

[illegible]

गुनः
२७

सा. स्व
२८

म॥ अ॥ उ॥ सा॥ दो॥ उ॥ स॥ प॥ सा॥ न॥ द॥ यी॥ स॥ द्या॥ प॥ स॥ स॥ र॥ वी॥ स॥ र॥ वी॥ अ॥ स॥ र॥ वी॥ वा॥ फो॥ उ॥ का॥ न॥ आ॥ स॥ न॥ य॥
दार्थ॥ उ॥ का॥ न॥ उ॥ दि॥ का॥ यार्थ॥ नू॥ ग॥ मी॥ अ॥ म॥ दी॥ न॥ मि॥ का॥ ना॥ दि॥ धो॥ सु॥ र्था॥ म॥ का॥ का॥ ना॥ दि॥ र्प॥
धा॥ उ॥ ना॥ पू॥ र्व॥ स॥ नू॥ ग॥ ग॥ म॥ स॥ व॥ मि॥ त्ता॥ दो॥ प॥ न॥ स॥ ति॥ क॥ का॥ न॥ स॥ द्वा॥ न॥ नी॥ य॥ मा॥ र्थ॥ उ॥ का॥ न॥ उ॥ च्चा॥ न॥ दार्थ॥
॥ अ॥ म॥ रू॥ अ॥ ऊ॥ अ॥ व॥ इ॥ रू॥ द्या॥ दि॥ क्ता॥ वी॥ पू॥ र्व॥ दि॥ र्व॥ व॥ नी॥ अ॥ नू॥ अ॥ रू॥ ति॥ ति॥ ति॥ अ॥ म॥ दी॥ ना॥ स॥ वा॥
दो॥ पू॥ र्व॥ स॥ स॥ र्व॥ म॥ दी॥ र्था॥ व॥ क॥ व॥ वि॥ पू॥ र्व॥ वा॥ न॥ र॥ ग॥ वि॥ र्ग॥ र॥ ग॥ वा॥ न॥ वा॥ न॥ म॥ न॥ वा॥ न॥ मि॥ न॥
वा॥ न॥ मि॥ ध॥ वा॥ न॥ म॥ र॥ ध॥ वा॥ न॥ मि॥ ध॥ वा॥ न॥ र॥ ध॥ वा॥ न॥ मि॥ व॥ ह॥ वा॥ न॥ मि॥ म॥ ह॥ अ॥ ऊ॥ रू॥ वा॥ कि॥ म॥
न॥ स॥ का॥ कि॥ ग॥ मि॥ धू॥ उ॥ का॥ ना॥ उ॥ दि॥ का॥ यार्थ॥ नू॥ क॥ दि॥ र्वी॥ आ॥ न॥ जा॥ कि॥ धि॥ क॥ ज्ञ॥ ले॥ न॥ का॥ वि॥
ह॥ आ॥ न॥ ऊ॥ उ॥ आ॥ न॥ ऊ॥ आ॥ न॥ जि॥ र्था॥ आ॥ न॥ ऊ॥ र्थ॥ आ॥ न॥ ऊ॥ आ॥ न॥ जि॥ र्व॥ आ॥ न॥ जि॥ र्मा॥

गुनः
२८

अर्वपूजाया॥ अकामउरुयपदार्थ॥ पूर्ववगा॥ आनर्च॥ आनर्चकु॥ आर्चने॥ आन
 र्चि॥ आनर्चथु॥ आनर्च॥ आनर्च॥ आनर्चिमा॥ आनर्चिवा॥ विचर्च्येनराविनामठ
 मवादीवाकिल्वकवु॥ निर्युर्व॥ किआदग॥ दित्वककिकि॥ कृहाशु॥ दित्वा
 इपधावृद्धि॥ सोर्विसर्ग॥ विसर्गनीमस्यस॥ ह्माश्रुतिश्रुतिसस्यगत्वी॥ निश्चिकायचिर्मा
 नाजा॥ अर्सागाशकान॥ निश्चिककु॥ निश्चिकु॥ निश्चिकिथ॥ निश्चिकथ॥ निश्चिकः
 थु॥ निश्चिक॥ निश्चिकाय॥ निश्चिकय॥ निश्चिकिवा॥ निश्चिकिन॥ पद॥ विवाय॥ दिव्यः
 कु॥ विव्यु॥ गरुडपादान॥ दिव्यनिदित्वी॥ पूर्वस्यहसादि॥ गगनपू॥ निश्चिक
 ॥ कृहाशु॥ दित्वाइपधयावृद्धि॥ जगह॥ गृहीद्विनिर्वमिसंप्रसानधी॥ जगृकु॥ जगृकु॥

सा.स

२२

सद्वत्सलित्वान्नसंप्रसादनं नूपातनवन॥ जगृहिथ॥ जगृहथ॥ जगृहथ॥ जगृह॥ जगृह
हा॥ जगृह॥ जगृहि॥ जगृहिम॥ व्यञ्जं सवनर॥ दिव्यवनादिपूर्ववत्तावदाशपूर्वस्यमिस्
प्रसादनं॥ दीर्घत्वादीर्घसंप्रसादनं॥ फस्व॥ हित्वाद्द्वि॥ धाभा नोमिनं निवृद्धि॥ ज
आय॥ संपूर्व॥ यकान॥ स्वबहिर्नीपनसंयाम्॥ सविद्यायस्वाकानसंयाम्॥ गृहीदिः
निवृद्धिनीय॥ संप्रसादनं॥ सविद्यु॥ सविद्यु॥ सविद्ययिथ॥ सविद्यथ॥ सविद्यथ
॥ सविद्य॥ सविद्याया॥ सविदीव॥ सविदीमा॥ द्वितीयसंप्रसादनं॥ सविद्य॥ सविद्या
न॥ सविदीन॥ वञ्जं गुरुसक्तान॥ वञ्जं वयनपि॥ वञ्जं धाभा नपि विवयवयादं ग
रवति॥ दिश्चमिद्विती॥ पूर्वस्यमिस्प्रसादनं॥ अकउपवायावृद्धि॥ उवाच॥ द्विगिस्

गुनः

२२

प्रसानर्तपञ्जकवनामिसादि॥उयकु॥उयू॥उवयिथा॥उयथू॥उय॥उवाय॥उव
 या॥उवैयिव॥उवैयिम॥वधताउन॥अकानउच्चावधार्थ॥धिरश्चनिदित्वी॥पूर्वस्यनिसं
 प्रसानर्त॥यकानस्य॥उपधयावृद्धि॥विव्याध॥धिमियस्ययजामिसा॥विविधकु॥
 विविधू॥नरथाद्ध॥मरुजवा॥विवद्ध॥विविधिथ॥विविरधथा॥विविधथू॥विविध
 ॥विव्याध॥विविध॥विविधिव॥विविधिम॥पद्धगीस्यायुवावि॥पडाद्ध॥पद्धाद॥संया
 गत्यनस्यतवादनकित्वी॥ननकित्वातावानसंप्रसानर्तमिसार्थ॥पप्रद्धकु॥पप्रद्धू॥पेपेकि
 था॥पपिद्धथा॥पप्रद्धथा॥पप्रद्ध॥पप्रद्धिव॥पप्रद्धिम॥नाजाद॥कित्वी॥नाजाद॥पनस्यतः
 वाशेपिदिर्ज्ञेयकित्वाति॥नाहृदिफोननाजा॥नजकु॥नज॥नजिथ॥नजथ॥नजथू॥

सा.स्व
१००

नज॥नजेनो॥ननज॥नजिव॥नजिम॥ह०पोनपूधयात्रोमध्वमपूनूषेकववनना
रुगानियाखन॥ ॥पूनिमवत्कंदलूनीहिंनन्दर्नमूषाधनेत्रोनिहनामनामैक्ष॥वि
गृकवकंशमूदिषावलीय००स्ममस्वास्वमर्हिर्सीदेव॥ ॥०००मिधवादि॥ ॥अग्नि
वि॥याग॥यागी॥यासू॥यास॥यासी॥यासु॥यासी॥यास्व॥यास्र॥सीष्ट॥सीयासी॥
सीवत॥सीष्टा॥सीयासी॥सीधी॥सीय॥सीवहि॥सीमेहि॥उवासी॥लीलि॥धनानामि
धियादोदयागवर्क॥रूयाग॥रूयासी॥रूयासू॥रूया॥रूयासी॥रूयासी॥रूयासी॥
रूयास्व॥रूयास्र॥सुधीमानेरूयाग॥जीवपाधधन॥अकोनउरयपदार्थ॥जीव्या
न॥जीव्यासी॥जीव्यासू॥जीव्या॥जीव्यासी॥जीव्यास्र॥जीव्यासी॥जीव्यास्व॥जीव्यास्र॥

गुनः
१००

गतिगनक्षत्रीव्याहवान्॥ वनपनितावरदा॥ हित्वात्सपुस्तानर्षी॥ उव्यात्॥ जयदेवपूजासं
गतिकनक्षत्रानिषू॥ ॐ स्वात्॥ शुद्धाऽश्विन॥ ७३ कानउरुयपदार्थः॥ शुक्लानाधितस्त्रिमंका
र्यार्थः॥ दादने॥ दादनाकानस्येकानादरुगवति॥ यादादोपनयनस्येपद॥ दयात्॥ द
यास्त्री॥ दयासू॥ दया॥ दयास्त्री॥ दयासू॥ दयासी॥ दयास्व॥ दयास्म॥ यादादविवितिव
चनात्नसीसादोकात्रावति॥ दासीष्ट॥ शुद्धाऽश्विन॥ धयात्॥ धयासीष्ट॥
पापान॥ पयात्॥ करोगेनेद॥ संध्वकनानोमा॥ रगयात्॥ षागमिनिवृत्ति॥ रुयात्॥ मा मा
न॥ मयात्॥ मयास्त्री॥ मयासू॥ माह्मान॥ इकानअत्मनपदार्थः॥ मासीष्ट॥ मासीयास्त्री
॥ मासीनन्॥ मासीष्टा॥ मासीयास्त्री॥ मामाध्वी॥ मासीय॥ मासीवहि॥ मासीमहि॥ आहाक्त्वा

सा. स्व
१०९

ग॥ ह्यानु॥ रभानूकन॥ सीध्वकनाममा॥ रभयानू॥ रभेहर्वकथ॥ सीयागदनातावा॥
सीयागदधोतानाकानस्येकानादरभरुवतिवा॥ यादादावर्नपेविषय॥ आकानाकबुस
यागदिपूखाधुवऊनीयी॥ रभयानू॥ रभयानू॥ रूपादि॥ पूकऊकन॥ यादादी॥ या
दादीपनमकानस्यनिछादरभरुवति॥ दकानाववधनमथ॥ क्रियातुरा॥ क्रियास्ती॥ क्रि
यासू॥ रूपादि॥ कभ॥ मंगलव॥ क्रियासू॥ कश्चअश्चरूश्चकभ॥ आत्मनेपदपि॥ उ॥
मकानस्यसिस्थाननिछा॥ पनयार्गुहानरुवति॥ अनर्षरुवति॥ रूगिनियम॥ कवीष्ट॥ क
वीयास्ती॥ वीयासू॥ उद्यपदी॥ चवीष्ट॥ चवीयास्ती॥ चवीनत॥ पूऊपूमी॥ आद॥ द॥
न॥ स्तावीष्ट॥ स्तावीयास्ती॥ स्तावीनत॥ स्तावीष्टा॥ स्तावीस्ती॥ स्तावीध्व॥ स्तावीया॥ १

गुनः
१०९

स्तुवीवहि॥स्तुवीमहि॥ ॥स्वस्त्य॥ ॥ना॥नानो॥नानस॥नासि॥नासु॥नासु॥
 नासि॥नासु॥नासु॥ना॥नानो॥नानस॥नासि॥नासु॥नासु॥नासु॥
 ॥७॥सिल्लु॥॥१॥गताविन्यर्थतादयाहवमि॥सिसमासीस्ययामिद॥धना॥३॥पनवीसिस्तुता॥
 सीस्यपां॥०॥यतवी॥०॥अगमाहवमि॥गु॥१॥॥हविता॥हवितानो॥हवितान॥हवितासि॥
 हवितासु॥हवितासि॥हवितासु॥हवितासु॥॥१॥हविताकुमानस्यनाकृतान॥नेकस्वना
 दनुदाका॥७॥कस्वनाटागुपा॥०॥अनुदा॥०॥स्वर्वीपठितानी॥०॥अगमानहवमि॥विशीतिभी
 युधु॥उपा॥०॥सकवी॥॥यववपाक॥पका॥पकानो॥पकानो॥पकान॥पकासि॥पकाः
 सारथी॥पकारध॥पकाह॥पकास्व॥पकास्व॥॥१॥देदान॥॥१॥पापान॥पापाना॥वि

सा. स्व
१०२

उचयन॥ गुह॥ चना॥ धी॥ उचयन॥ नग्रा॥ हसन॥ हसन॥ कनर॥ कर्त्त॥ कर्त्त॥
॥ कर्त्त॥ आत्मनपदपि॥ कर्त्त॥ यापय॥ याता॥ गन्॥ गन्॥ गन्॥ उधिना॥ ॐ॥
हसलायी॥ साक्षीविनित्यपू॥ धनार्हविनिकालस्यप्युत्पयोहवमि॥ मिवादिष्वष्टादशसूय
नषू॥ उवासीहलुट्॥ ॐ॥ जगम॥ गुह॥ किलात्स॥ रुविष्यमि॥ रुविष्यन॥ रुविष्य
नि॥ रुविष्यमि॥ रुविष्यथ॥ रुविष्यथ॥ वसानो॥ रुविष्यामि॥ रुविष्याव॥ रुविष्याम॥
यजदवपूजासंगतिकनदानषू॥ यजत्यमि॥ ॐ॥ निस्ति॥ यगयनादीजोनीषत्वी॥ वरा॥
क॥ ॥ धना॥ वकानरुकानयो॥ कर्त्त॥ रुविनिसकावपन॥ अन्निपिविषय॥ कस्वसी॥
रा॥ ॥ प॥ ॥ उरुयपदी॥ य॥ सोवाजादवान्॥ नत्यादिंवेवय॥ ननम

गुनः
१०२

धूलिः ॐ स्वादेन क कान ॥ हनृगमः स्पयः ॥ हनृगमः ॥ मकाना नात गमश्च पनः स्पयः
 ॐ जगमो हवति ॥ हनिष्यति ॥ हनिष्यति ॥ गमिष्यति नीस्पयः ॥ कनिष्यति ॥ वसनिवासः ॥
 सस्माः नपि ॥ सकानस्पयः काना रवति सकान अनपि विषये ॥ वत्स्यति ॥ दहहस्मी कनः
 ॥ अका उच्चा नर्थः ॥ दादर्थः ॥ आजवाना मिनि धकान ॥ खसचपाज साना मिनि क
 कान ॥ किलात्वः सः सुत्वी ॥ कवसंया रगः ॥ धक्कति ॥ दहप्रपूनः ॥ पूर्वो कप्रका न
 ॥ उपधया लघा गुः ॥ धा ना नृप धया ना मिना लघा गुः रवति ॥ रधक्कति ॥ हिदि
 नविदानः ॥ खसचपाज साना मिनि कान ॥ हत्स्यति ॥ हिदि न ह्वि कनः ॥ हत्स्य
 ति ॥ उक्क उक्क ॥ अकान पन स्पे पदार्थः ॥ नाक्कति ॥ उदव्यथन ॥ खसचपाज साना मिः

सा.स्व
१०३

नित ४॥ तास्यति ॥ विधुसिद्धो ॥ विधुगगो ॥ विधुभक्तुर्मर्गल्यव ॥ गुयानां अणुसमाननूपीरश्चः
नि ॥ स्वसवपा मसानामिनि ॥ सस्यमि ॥ सस्यन ॥ सस्यनि ॥ शुवरभावरल ॥ रभविष्यमि ॥
कुरुपाशगर्हविमाचन ॥ साव्यन ॥ अधवृद्धो ॥ अधिव्यन ॥ गीहृस्वप्न ॥ गीहृ ॥ गीहृ सर्वगुगु
रभरवति ॥ स्याशेरविष्यमिस्प ॥ सिस्पतासीस्पामीदूअयादभश्च ॥ मयिष्यन ॥ अहाकृत्वा
रग ॥ हास्यमि ॥ अदाउदान ॥ दास्यमि ॥ दास्यन ॥ दूउरुक्तो ॥ क्ताव्यमि ॥ क्ताव्यन ॥ अजपालनास्य
वहानया ॥ अजस्यमि ॥ मिस्तिन ॥ वा ४ क्वितिगत्वी ॥ स्वसवपा मसानामिनि कर्त्वी ॥ ताक्तामि
राक्तामि ॥ सर्वकउपधयालधाचिनिगुध ॥ स्पप्क्रियाइतिकमदिवाद्यो ॥ क्रियायोअतिकम
कनश्चिद्वेगुधदनिष्यलोसत्यादिवादिपनगस्प ४ पुस्यथावति ॥ अस्पलृदिमिसंसापाति

गुनः
१०३

नीयानी॥दिवादावन्॥यदिसूदृष्टिःसूनार्कवारुविष्यन्॥तदासूतिक्रमरुविष्यन्॥अरुः
विष्यामी॥अरुविष्यन्॥उजपालन॥अरुःकुरुवानुययागमिष्यन्॥गस्तुगमी॥अपचवपो
क॥अपकुरुवानुययग्निःपाकलिष्यन्॥कलदिफो॥अरुनिष्यन्॥रुवानयमकृदित्या
दि॥मकुगको॥२कानु३दनुर्वधार्थः॥॥रुगसि३धारा॥रुगमात्रकालसि३प्रत्यया
वतिदिवादीपनन॥७यासीलूलू॥००कानु३सुनतिविरगवधार्थः॥दिवादावन्॥अरुस
त००निलिङ्ग॥दाद३प॥पपनसमेपदपनसतिदाधास्वा०००रूपिवनित्यः३पनस्यसंलोपा
वति॥सचलुग्वकाव३॥अरुगुदृष्टि॥अरुगी॥रुव३सिलापचनवृग्वकाव३॥अरुवन॥
अरु३॥अरुगी॥अरुग३॥अरुवी॥अरुव॥अरुम॥अदा३दान॥अदागु॥अदानी॥स्यो

सा.स्व
१०४

दिद॥ आकानाकाधनादिदरश्चरुनस्य अनडसुखमि॥ इत्यालाप॥ उरिपन आका
नस्यलापारुवमि॥ अइ॥ अदा॥ अदानी॥ अदाना॥ अदी॥ अदाव॥ अदामा॥ अमज
धनयोसेवतया॥ अधातू॥ अधानी॥ अधुविखादि॥ ष्टागमिनिवृत्ती॥ अस्तातू॥ अ
स्तानी॥ अस्तु॥ ॐ सगती॥ ॐ स॥ सिलापमदरुभवकव्य॥ अगतू॥ अगती॥ अगु॥ पा
पाना॥ अपातू॥ अपानी॥ अपू॥ रगच्छायाचारधटुनविकल्पनदादयावकव्य॥ सः
धकनामसा॥ रगा॥ अगतू॥ अगती॥ अगु॥ अगसीतू॥ छा॥ अछातू॥ अछानी॥ अकु॥
अकसीतू॥ धा॥ असातू॥ असानी॥ असू॥ असासीतू॥ घा॥ अघातू॥ अघीनी॥ अघु॥ अघा
सीतू॥ अधातू॥ अधानी॥ अधानी॥ अधु॥ अधासीतू॥ रधटादधादेगश्रवावकव्य॥ अदधना

गुनः
१०४

0

[illegible]

पुनः
१०६

विनावरु॥ॐ नितावा॥ॐ निताधा तावा ह्युत्पया हवति दिवा दोषव॥ सनपवादः॥ दका
नागुप्तप्रतिरेवं धार्थः॥ अनुधन॥ अनुधनी॥ अनुधन॥ अनिता नामिवतः॥ नामिवता अनि
ताधा ताः पनस्मपदसिपुत्पयपेन वृद्धिर्हवति॥ खसवपामसानी॥ अनीसीता॥ मसातु
मरुजवाः॥ अनीजी॥ अनीत्स॥ अनीसीः॥ अनीजी॥ अनीछः॥ अनीसी॥ अनीत्व॥ अनी
त्स॥ किदिनद्विधकनरः॥ॐ नितावा॥ अकिदता॥ अकिदनी॥ अकिदन॥ अकिसीता॥ अ
किदी॥ अकित्स॥ अकिसीः॥ अकिदी॥ अकिता॥ अकिसी॥ अकित्व॥ अकिस्मे॥ दिवकीजः
विजिगीया व्यवहानयुतिस्तुतिस्वप्नमदमादकानिगतिषु॥ दिवॐ सॐ नितिदिन॥ उपधा
यालधानितिगुप्तः॥ॐ टॐ नितिसकानलापादीर्घश्च॥ अदवीत्स॥ अदविष्टी॥ अदविष्टः



51

0

सा.त्व
१०६

[illegible]

गुप्तः
१०६

सा.स्व
११०

॥ अधुकाव ॥ अधुका म ॥ लिह आस्वादन ॥ पूर्ववत् सकृत् प्रत्ययश्च ॥ अलिकृत् ॥ अलिकृती ॥
अलिकृत् ॥ विष्णुपुत्रसन् ॥ कृष्णनाजादयतिषत् ॥ षष्ठी ॥ कृष्णस्य ॥ किलात् ॥ स्य ॥ ॐ तिषत् ॥
॥ प्राविशत् ॥ मिहसवने ॥ अमिकृत् ॥ कृष्णविलय ॥ पूर्ववत् ॥ अकृष्णता ॥ श्लिष आर्त्तिगो
॥ ॥ अश्लिषत् ॥ पूषादित्वात् ॥ ॐ त्यादि ॥ ॥ ॐ त्याद्विषयकसंज्ञकानां समाप्ता ॥ ॥
अथ रावकर्मरक्षाभगाविरुक्तिनिनृप्या ॥ ॥ ॥ रावकर्मरक्षाभगाविरुक्तिनिनृप्या ॥ ॥
पदानि प्रशङ्क ॥ रुसरायी ॥ दिश्च ॥ रुसय ॥ ॐ निश्चिन्ता ॥ आस्नादावित्यात् ॥ रुस्य ॥ मया
नजिववपा ॥ ॐ निवकाज ॥ उवावक ॥ अनृ पूर्व ॥ सुखमनूवहवदवदहन ॥ उपसरज
नवलादन्यगनीय ॥ अनृवहविभो ॥ कादित्याद् ॥ अनृवहविभो ॥ अनृवहवारथा ॥ अनृव

गुप्तः
११०

हविः॥अनवरुव॥अनवरुविवह॥अनवरुविमह॥लाप४पचीकित्यवास्या॥शुपवक
पाके॥पव॥पवाह॥पविन॥पविष॥पवाथ॥पविः॥पव॥पविवह॥पविमह॥गहनूः
विस्तान॥नन॥ननाह॥ननिन॥मनस्तान॥मन॥मनाह॥मनिन॥दादानु॥आतानपित्याः
कानलाप४॥दद॥ददाह॥ददिन॥स्त्रा॥मेव॥आद४दृ४स्त्र४॥सस्त्रहसविनासया॥एलेस्त्रह
वक्रय॥एलेय००॥तिस्त्रिह॥संधनाममो॥पूर्वस्यहसादि॥गव४॥००॥नकानलाप४॥कहाधुवि
गकान४॥आतानपित्याकानलाप४॥जरल॥जल॥ह॥जनिन॥मस्त्रि॥मस्त्राह॥मस्त्रिने॥दद॥
ददाह॥ददिन॥००॥सादि॥पूर्ववह॥स्वनाकानाधुनीहनेगदृगवित्तवकर्म॥४॥सिस्तनाः
सिस्तपामिदावकव्य४॥आगिषिस्त्रिस्तदय४॥सिस्तवृष्टि४॥हसहायी॥सिस्तनासिस्तपामिह

वि४

सा.स्व
११२

काथी॥अरुग्धी॥अरुकि॥अरुसहि॥अरुमहि॥धृज्जधानर॥ज्जकानउरुयपदार्थ॥नि
नूअरुपूर्व॥निनाधनि॥निनाधनिवागी॥निनाधनिवता॥पदगमी॥अकानउञ्जानर॥
थे॥प्रत्ययादि॥प्रत्ययत्साती॥प्रत्ययत्सगर॥रुमगद॥अरुनि॥अरुनिवागी॥अरुनिवत
॥ववपनिनर॥अवावि॥अवावाती॥अवाविवत॥गुरुउपादानि॥एकावावेद्वर्थ
॥अरुउपधया॥अरुमहि॥अरुमहिवागी॥अरुमहिवत॥हीज्जपापन॥निवपूर्व॥निन
धायि॥निनधायिवागी॥निनधायिवत॥हनहिंसायी॥हनाध॥अरुघानि॥अरुघानिवागी॥
अरुघानिवत॥पापान॥आनायूक॥आकानोकाकायूगमाहवतिजिनिवपन॥अपायि
॥अपायिवागी॥अपायिवत॥कोरेवे॥अस्त्रायि॥अस्त्रायिवागी॥अस्त्रायिवत॥अस्त्रायि

गुनः
११२

स्ठा॥ अस्त्रायिवाथी॥ अस्त्रायिधी॥ अस्त्रायि॥ अस्त्रायिधहि॥ अस्त्रायिधहि॥ अस्त्रायिधहि॥ अस्त्रायिधहि॥ अस्त्रायिधहि॥
 नक्षत्रायिवाथी॥ निपूर्व॥ न्यधायि॥ पदगती॥ पदाद॥ कर्त्तव्यविधावकाव्य॥ अपिगदा
 त्तावकर्मविधा॥ उदपादि॥ उदपूर्व॥ उदपत्ताती॥ उदपत्तग॥ उदपत्ता॥ उदपत्ताथी
 ॥ उदपत्ती॥ युधिर्स्वहा॥ उपधायिगुह॥ अयाधि॥ अयत्ताती॥ अयत्तग॥ ब्रुववाधने॥
 अवाधि॥ अरुत्ताती॥ अरुत्तग॥ अर्निवन्धनवृद्धि॥ अनिपादुत्ता॥ अजानि॥ अजावागी
 ॥ अजानिबग॥ वधनिर्वायी॥ अवधि॥ अरुत्ताती॥ अरुत्तग॥ ॐत्तादि॥ ॐदार्निपत्तयाक
 निवादयाक॥ अतिगयहसादर्यवृद्धि॥ हसादर्यवृद्धि॥ अतिगय॥ अर्थयदुपत्ययावति॥
 तस्मिन्निधनादिर्वचनी॥ यदि॥ यदिपनपूर्वस्वनामिनागुरह॥ हवति॥ मयानजिववपा

सा-स्व
११३

ॐतिवकान॥ हसहाया॥ वा रूप ॐतिस्ति॥ सधाकु॥ यकादिप्रत्ययाक॥ गधाधाकुसं॥
हीहवति॥ धाकुत्वातिवादेयकानानवन्धत्वादात्मनपदी॥ अप्कहनि॥ अदं ॐत्याकावे
लाप॥ अतिमयनरुवतीतिवाह्यत॥ वाह्यत॥ वाह्यती॥ अवाह्यता॥ उजपालनास्य
वहानया॥ यरुद्विथ॥ मयानीजवन्धपा॥ ऊहीतिगुह॥ वाउक्क॥ अप्॥ आदाथॐ॥
वाउक्क॥ अद॥ वाउक्क॥ विधि॥ वाउक्क॥ वाउक्कयाती॥ वाउक्कनन॥ आगिधि॥ वाउ
क्कती॥ वाउक्कती॥ वाउक्कती॥ क्कनन॥ अवाउक्क॥ अवाउक्कती॥ अवाउक्क॥ ॐत्यादि
॥ ह्यालीकाव॥ वाउव्यत॥ वाउव्यती॥ वाउव्यन॥ वाउव्यस॥ वाउव्यथ॥ वाउव्यध॥ वाउ
व्य॥ वाव्यवह॥ वाउव्यामह॥ विरधो॥ वाउव्यत॥ वाउव्ययाती॥ वाउव्यनन॥ वाउव्यथा॥

गुनः
११३

उ१

वा॒रु॒ष्य॒या॒र्था॑॥वा॒रु॒ष्य॒ध्वं॑॥वा॒रु॒ष्य॒य॑॥वा॒रु॒ष्य॒व॒हि॑॥वा॒रु॒ष्य॒म॒हि॑॥आ॒भि॒षि॑॥वा॒रु॒ष्य॒तां॑॥वा॒रु॒
ष्य॒तां॑॥आ॒दा॒थ॒०॥वा॒रु॒ष्य॒तां॑॥वा॒रु॒ष्य॒स्व॑॥वा॒रु॒ष्य॒र्था॑॥वा॒रु॒ष्य॒ध्वं॑॥वा॒रु॒ष्य॑॥वा॒रु॒ष्या॒व॒ह॑॥
वा॒रु॒ष्या॒म॒ह॑॥क॒रु॒न॑॥अ॒रा॒वू॒ष्य॒ता॑॥अ॒रा॒वू॒ष्य॒तां॑॥अ॒वा॒रु॒ष्य॒ता॑॥अ॒रा॒वू॒ष्य॒था॑॥अ॒रा॒वू॒
ष्य॒ध्वं॑॥अ॒वा॒रु॒ष्य॑॥अ॒वा॒रु॒ष्या॒व॒हि॑॥अ॒वा॒रु॒ष्या॒म॒हि॑॥व॒का॒ना॒धा॒रु॒क॒वि॒क॑॥मू॒ह॒वो॒वि॒ह॑
॥मा॒मू॒क॒न॑॥मा॒मू॒क॒न॑॥मा॒मू॒क॒न॑॥वि॒र॒धो॑॥मा॒मू॒क॒न॑॥मा॒मू॒क॒या॒तां॑॥मा॒मू॒क॒व॒न॑॥आ॒
भि॒षि॑॥मा॒मू॒क॒तां॑॥मा॒मू॒क॒तां॑॥मा॒मू॒क॒तां॑॥अ॒न॒य॒त॒ने॑॥अ॒मा॒मू॒क॒न॑॥अ॒मा॒मू॒क॒तां॑॥अ॒
मा॒मू॒क॒न॑॥लि॒ह॒आ॒स्वा॒द॒न॑॥य॒ह॒दि॒श्व॑॥उ॒प॒धा॒या॒ल॒धा॒गुं॑॥अ॒मू॒क॒ह॒नि॑॥ल॒लि॒क॒
न॑॥ल॒लि॒क॒न॑॥ल॒लि॒क॒तां॑॥अ॒ले॒लि॒क॒ता॑॥रू॒दा॒ना॒द॒न॒या॑॥य॒ह॒दि॒श्व॑॥कू॒हा॒श्व॒नि॑



51



5

10

15

20

2.5

सा.स्व
११५

रुडनग॥जंगम्यत्॥जंगम्यती॥अजंगम्यता॥यद्विद्युः॥कृहाश्रु॥उमाकस्यैत्वीनृगमम॥
नश्चापदाकमस॥ॐत्यनस्वान॥उमृवलन॥यद्विद्युः॥पूर्वस्यहसादिरगष॥मपानीज
वचपा॥नृगमम॥अनृस्वान॥वृजम्यत्॥वृजम्यती॥अवृजम्यता॥हनहिंसाः
गया॥कृहाश्रु॥मपानीजवचपा॥नृगमम॥अपू॥अद॥जहृन्यत्॥जहृन्यती॥जहृन्य
ती॥अजहृन्यता॥आदमीनृआश्रुनिदिग्ध॥हनहिंसायांयदिघ्रीघ्रीरावावकाव्य॥घ्री
घ्रीयत्॥ॐतिस्ति॥पूर्वस्यहसादिरगष॥नकानलोप॥कृहाश्रुनितिमकान॥मपानी
जवचपा॥ॐतिजकानस्यजकान॥यदिसतिगुह॥जघ्रीयत्॥जघ्रीयत्॥जघ्रीयती
॥अजघ्रीयत्॥पगुहिंसायां॥पपग्धत्॥पपग्धती॥अपपग्धत्॥जपगृ

गुनः
११५

ल्यव्यक्तायां वि॥ पूर्ववत्क॥ जंजयत्॥ जंजयत्॥ जंजयती॥ अजंजयत्॥ जंजयत्
 ॐ ल्यादि॥ दहृत्स्मीकनक्ष॥ देदतेके॥ ददक्षत्॥ ददक्षती॥ अददक्षत्॥ जहृत्मेधुनो॥
 जंजयत्॥ जंजयत्॥ जंजयती॥ अजंजयत्॥ दंभदंभन॥ नालाप॥ धाता नूपधयान
 कानस्य लापारवतिरिति चरुसपव॥ ददंभत्॥ ददंभत्॥ ददंभती॥ अददंभत्॥
 रंशुआमदंभन॥ मपानाजवचपा॥ पूर्वत्रालाप॥ वरुक्षत्॥ वरुक्षत्॥ वरुक्षती॥ अवरु
 रक्षत्॥ मरुदकीतनूनवरुक्षत्॥ नृतीगजविक्रप॥ ॐ कान ॐ दिक्कार्यार्थ॥ ॐ गृ
 इपधस्य॥ अइपधस्य धाता यो दिपवपूर्वस्य ॐ गगमारुवेति॥ यदिसतिगुण॥ ननीनृ
 त्यनन॥ ननीनृत्यत्॥ ननीनृत्यती॥ अननीनृत्यत्॥ वरुवरुन॥ वनीवृत्यत्॥ वनीवृत्

सा.स्व
११६

एत॥ वनीवृत्त॥ अ० वनीवृत्त॥ वनीवृत्त॥ वनीवृत्त॥ वनीवृत्त॥ गृहउपादान॥ संप्रसा
न॥ कृष्ण॥ जनीगृक्त॥ जनीगृक्त॥ जनीगृक्त॥ अ० जनीगृक्त॥ पदसंस्पर्धसं
वृत्त॥ कर्मिपतिस्कीदादीनां पूर्वस्य गमभावकाव्य॥ यदि सति॥ पदगतो॥ न उप पूर्व॥
नापयनीपय॥ नापयनीपय॥ नापयनीपय॥ अ० नापयनीपय॥ संस्पर्धसं
पतन॥ यदि सति दिव्यवनी॥ पूर्वस्य हसादिगव॥ नीगम॥ सनीस्य॥ सनीस्य
॥ सनीस्य॥ अ० सनीस्य॥ नालाप॥ दनीधस्य॥ दनीधस्य॥ दनीधस्य॥ अ०
दनीधस्य॥ वनीवृत्त॥ वनीवृत्त॥ वनीवृत्त॥ वनीवृत्त॥ अ० वनीवृत्त॥ अ०
पतन॥ पूर्वस्य हसादिगव॥ मपाजेनीवचपा॥ वनीस्य॥ वनीस्य॥ वनीस्य॥

गुनः
११६

नी॥ अ० वनी० स० न॥ क० गि० हि० सा० यी॥ क० हा० श्रु० ॥ वनी० क० स० न॥ वनी० क० स० न॥ वनी० क० स० न॥ वनी० क० स० न॥
अ० नी० क० स० न॥ प० रू० प० न॥ प० नी० प० य० न॥ प० नी० प० य० न॥ प० नी० प० य० न॥ अ० प० नी० प० न॥ स० की० दि० न० ग०
ति० र० म० व० द० या० ॥ न० स० म० त० व० पा० ॥ क० हा० श्रु० ॥ वनी० स्क्० य० न॥ वनी० स्क्० य० न॥ वनी० स्क्० य० न॥ अ० व०
नी० स्क्० य० न॥ क० क० क० क० न० ॥ क० य० न० ॥ न० ति० स्क्० न॥ अ० न० नि० ॥ अ० क० न० के० स० वि० अ० ॥ द० र० म० त० व० ति० य०
दि० स० ति० ॥ प० अ० दि० व० वे० नी० ॥ कि० कि० य० न० ॥ न० ति० स्क्० न॥ प० रू० स० ह० स० दि० र० म० व० ॥ न० ति० न० रु० स० ला० प० ॥
व० रू० गु० द० ॥ य० न० ति० दी० र्घ० ॥ अ० ति० ग० य० ने० क० नी० ती० ति० व० की० य० न॥ व० की० य० न॥ व० की० य० नी० ॥ अ० व० की०
य० न॥ क० क० क० न० ॥ अ० की० य० न॥ अ० की० य० न॥ अ० की० य० नी० ॥ अ० अ० की० य० न॥ व० अ० की० य० न॥ व० वी० य०
न॥ व० वी० य० न॥ व० वी० य० नी० ॥ अ० व० वी० य० न॥ नृ० द्रु० पा० द० स्या० र० ॥ मु० मु० य० न॥ मु० मु० य० न॥ मु० मु० य० नी० ॥ अ० मु०

सा.स्व
११७

मीयत॥ दादान॥ दादनिनितिकानकन॥ दिर्वचन॥ ददीयत॥ ददीयत॥ ददीयती॥ अद
दीयत॥ प्रागरभपादान॥ प्राध्मावी॥ प्राध्मा००॥ तयानीकानादरभरुवति॥ यदिपन॥
वा०कु०॥ मपानांजवचपा०॥ ऊघीयत॥ ऊघीयत॥ ऊघीयती॥ अऊघीयत॥ अऊघीयत॥ अऊघीयती॥
यागया०॥ पूर्वस्यहसादिरगय०॥ दधीयत॥ दधीयेत॥ दधीयती॥ अदधीयत॥ अदधीयत॥ अदधीयती॥
वृहो॥ अदधे०॥ नसभत्तपा०॥ दादनि०॥ यदीर्घ०॥ यदिगु०॥ उर्वयजयजयनयनयः
याहो नध कर्त्तुस सतुतुगुअका००॥ तिनि यमा०॥ कु०॥ धानीचटमारुवति॥ नदीयत॥ न
दीयत॥ नदीयती॥ अनदीयत॥ अनदीयत॥ अनदीयती॥ अनदीयत॥ अनदीयत॥ अनदीयती॥
अनदीयत॥ अनदीयत॥ अनदीयती॥ अनदीयत॥ अनदीयत॥ अनदीयती॥ अनदीयत॥ अनदीयत॥ अनदीयती॥

गुनः
११७

यीयत॥ एगेम द॥ संध्वकवानामा॥ दादनि॥ कृहाश्रु॥ ऊगीयत॥ ऊगीयत॥ ऊगीयती॥ अ०
 ऊगीयत॥ मादुमान॥ ममीयत॥ ममीयत॥ ममीयती॥ अ० ममीयत॥ वा० केममि॥ अ० द०
 द०॥ यदिति पूर्वस्य गुण॥ यदीर्घ॥ किलोत्थ० ग०॥ मवीयत॥ मवीयत॥ मवीयती॥ अ०
 मवीयत॥ ग० ग०॥ ऊगीयत॥ ऊगीयत॥ ऊगीयती॥ अ० ऊगीयत॥ दादान॥ देदुपालन॥ दा
 श्वखद्युन॥ अ० नवीदादित्वात्वात्॥ दादायत॥ दादायत॥ दादायती॥ अ० दादायत॥ पापायत
 ॥ पापायत॥ पापायती॥ अ० पापायत॥ जाहायत॥ जाहायत॥ जाहायती॥ अ० जाहायत॥ द० पुः
 ॥ ग० धन॥ दादायत॥ स्वपिस्पमिद्य० अ० संप्रसादनं किदिति॥ कृनदित्वी॥ साष्यत॥ साष्य
 यत॥ साष्यती॥ अ० साष्यत॥ स्पमिअदन॥ ससिम्यत॥ ससिम्यत॥ ससिम्यती॥ अ० ससिः

सा.स्व
११८

म्यत॥ववीयत॥ववीयत॥ववीयती॥अववीयत॥पापान॥दादनि॥पपीयत॥पपीः
यत॥पपीयती॥अपपीयत॥वनगतिरुक्तया॥वनरुलानुचयनस्यास्य॥वनरुला
र्द्धोतोयदिपूर्वनगमाहवतिपनस्यास्यउदादग॥धाविहस॥ववृयतेराववृयते॥
ववृयती॥अववृयत॥रुलनिय्य॥द्वितीयचतुर्थया॥प्रथमहतीयावितिरुलस्य
प॥पंरुल्यत॥पंरुल्यत॥पंरुल्यती॥अपंरुल्यत॥००॥तियदुपल्ययान्का॥॥वान्य
गुलनुवहते॥अन्यगुल्यकेपल्ययस्यसार्गविनापियेदालगुवति॥उऊपानध॥इय
वहानया॥अनपिवहसात॥हसान्काइरुनस्ययदालगुवति॥अनयिविषय॥दद
गूक००॥दोयदुऊकुपल्ययवकति॥तत्सन्नियागबलगिति॥लूकेसुनिपिस्मिन्व

गुनः
११८

कानावकव्य॥६॥स्वनअनपिनापधयागु॥६॥दिनूकस्यधमा॥६॥स्वनपन॥नपिविव
यउपधयागुरधनरुवति॥यदुलूगकूपनसोपदकादिवच्चदस्य॥वाउजनि॥वाश
कि॥वाउक॥वाउजनि॥वाउजीवि॥वाशकि॥वाउक॥वाउक॥वाउजीमि॥वाः
शकि॥वाउक॥वाउक॥वाउकात॥वाउकात॥वाउक॥वाउका॥वाउकात॥वाउकात॥
वाउकात॥वाउका॥वाउकाव॥वाउकाम॥वाउजीत॥वाशकु॥वाउकात॥वाउ
का॥वाउजत॥मसादिह॥वाउगि॥वाउकात॥वाउका॥वाउका॥वाउकामि॥२॥
वाउकाव॥वाउकाम॥वाउजाव॥वाउजाम॥अवाउजीत॥दिशाहसात॥अवाशग॥
अवाउका॥अवाउजत॥वाक॥अवाउजी॥अवाशक॥अवाउका॥अ

सा.स्व
११८

वाञ्छुञ्च॥ अवाञ्छाञ्च॥ अवाञ्छुञ्च॥ अवाञ्छुञ्च॥ चूदपुनर॥ वाञ्छादीनि॥ वाञ्छादि॥ वा
चूद॥ वाञ्छुदति॥ वाञ्छुदीति॥ वाञ्छुति॥ वाञ्छुद॥ खसचपामसानी॥ वाञ्छुद॥ वा
चूदीमि॥ वाञ्छुमि॥ वाञ्छुद॥ वाञ्छुम॥ वाञ्छुयान्॥ वाञ्छुयानी॥ वाञ्छुय॥ वाञ्छुय॥
॥ वाञ्छुयानी॥ वाञ्छुयान्॥ वाञ्छुयानी॥ वाञ्छुयान्॥ वाञ्छुयाम॥ वाञ्छुदीकु॥ वाञ्छुदु॥ वाञ्छु
लान्॥ वाञ्छुली॥ वाञ्छुदु॥ वाञ्छुदि॥ वाञ्छुलान्॥ वाञ्छुली॥ वाञ्छुदु॥ वाञ्छुदति॥ वाञ्छु
दोव॥ वाञ्छुदाम॥ अवाञ्छुदीन्॥ अवाञ्छुदीन्॥ यदि॥ अवाञ्छुली॥ अवाञ्छुदन्॥ अवाञ्छुदी
॥ उपधायागुह॥ अवाञ्छुति॥ अवाञ्छुली॥ अवाञ्छुदु॥ अवाञ्छुदी॥ अवाञ्छुदु॥ अवाञ्छु
म॥ ॥ अयचवपाक॥ अवाञ्छुद॥ यदिसतिपूर्वस्य अकावस्या कानाहवति॥ अतिसे

गुनः
११८

येहसादयेइदिश्व॥अनपिहसात्॥हसाइहनस्ययहालूगवति॥पापवीनि॥वा४कु४
॥पापाकि॥पापाक४॥पापवनि॥पापवीमि॥पापकि॥पापकु४॥पापकु॥पापवीमि॥२
पापवि॥पापव४॥पापव४॥पापव्यात्॥पापव्यात्नी॥पापव्यू४॥पापव्यात्नी॥पापव्या
त्॥पापव्या॥पापव्यावा॥पापव्याम॥पापवीकु॥पापकु॥पापकी॥पापवकु
॥पापवि॥पापकात्॥पापकी॥पापकु॥पापवनि॥पापवाव॥पापवामा॥दिस्पाहसात्
॥अपापक॥अपापग॥अपापवीत्॥अपापकी॥अपापवन॥अपापवी४॥अपापको॥अ
पापग॥अपापकी॥अपापकु॥अपापवी॥अपापव॥अपापव्या॥ ॥वदवकार्योवा२
वि॥अन४॥वावदीनि॥वावहि॥वावहं॥वावदनि॥वावदीसि॥वावत्ति॥वावह४॥वा

सा.सू.
१२०

वरु॥ वावदीमि॥ वावशि॥ वावद्व॥ वावय॥ वावशान्॥ वावशान्नी॥ वावयू॥ वावया
॥ वावशान्नी॥ वावशान्॥ वावयू॥ वावयाव॥ वावयाम॥ वावदीकु॥ वावकु॥ वावलान्॥
वावली॥ वावदकु॥ वावदि॥ वावलान्॥ वावली॥ वावल॥ वावदनि॥ वावदाव॥ वावदा
म॥ अवावन्॥ अवावद्॥ अवावली॥ अवावदने॥ अवावन्॥ अवावद्॥ अवावदी॥ अ
वावली॥ अवावल॥ अवावदी॥ अवावद्व॥ अवावय॥ ॥ घटवद्वयी॥ सीयूव॥ कृ
शु॥ मेपानां जववपा॥ सीजाघटीनि॥ सीजाघदि॥ सीजाघद्व॥ सीजाघटनि॥ सीजाघटी
यि॥ सीजाघदि॥ सीजाघद्व॥ सीजाघद्व॥ सीजाघटीमि॥ सीजाघदि॥ सीजाघद्व॥ सीजाघ
य॥ सीजाघद्यान्॥ सीजाघद्यानी॥ सीजाघद्यू॥ सीजाघद्या॥ सीजाघद्यानी॥ सीजाघद्याना॥

गुनः
१२०

संजाघद्यां॥संजाघद्याव॥संजाघद्याम॥संजाघटीतु॥संजाघट्ट॥संजाघटान्॥संजाघट्टी
॥संजाघट्टु॥संजाघट्टि॥संजाघटान्॥संजाघट्टी॥संजाघट्ट॥संजाघट्टनि॥संजाघट्टव॥
संजाघटाम॥समजाघत्ता॥समजाघत्ता॥समजाघट्टी॥समजाघट्टन्॥दिस्योहसात्॥वाव
सान॥समजाघट्ट॥समजाघट्ट॥समजाघट्टी॥समजाघट्ट॥समजाघट्टी॥समजाघट्ट॥सम
जाघट्ट॥ ॥रुसकायां॥गुध॥कादिवदयालूक॥लूकिसनिपिनिस्मिन्काभावका
व्य॥संवातवीति॥संवातानि॥दितिगुध॥दितिपनपूर्वस्यगुधरुवति॥संवातन॥
॥नूधनानिनिउवादे॥संवातवति॥संवातवीषि॥संवात॥संवातथ॥संवा
तथ॥संवातवीमि॥संवातव॥संवातम॥संवातयान्॥संवातयानी॥संवातयान्॥सं

सा.स्व
१२९

संवाह्याः॥ संवाह्येयो॥ संवाह्यात॥ संवाह्याम॥ संवाह्याव॥ संवाह्याम॥ संवाह
वीतु॥ संवाह्यु॥ संवाह्यात॥ संवाह्यानी॥ संवाह्यवतु॥ संवाह्यहि॥ संवाह्यात॥ संवाह्ये
॥ संवाह्यत॥ संवाह्यानि॥ संवाह्याव॥ संवाह्याम॥ समवाह्यवीतु॥ समवाह्यात॥ समवाह्याद
॥ समवाह्यानी॥ समवाह्यव॥ समवाह्यवीतु॥ समवाह्यात॥ समवाह्यानी॥ समवाह्यत॥ समवा
ह्यवी॥ समवाह्यव॥ समवाह्यव॥ समवाह्यम॥ ॥ इह ३३ कन॥ ॥ अकावाकाअ
इपधानाचपूर्वस्य यदुल्लुकि सति नूक्नि कनी कृत्वा गमावकाव्यः॥ अतानि ०० स्याप
वादः॥ नः॥ कुहाधुः॥ पितृत्वात्मीति ०० काने॥ गुहः॥ चर्कनीति॥ चनिकनीति॥ चनी
कनीति॥ चर्कचर्क॥ चनिकर्क॥ चनीकर्क॥ चर्कतः॥ चनिकृतः॥ चनीकृतः॥ वः

गुनः
१२९

नित्यननश्रुत्स्याहवति॥चर्कुति॥चनिकुति॥चनीकुति॥चर्कुनीयि॥चनिकनीयि
॥०००॥कानाहाव॥चर्कुर्षि॥चनिकर्षि॥चनीकर्षि॥चर्कुथ॥चनिकुथ॥चनीकुथ॥
चर्कुनीमि॥चनिकनीमि॥चनीकनीमि॥चर्कुर्मि॥चनिकर्मि॥चनीकर्मि॥चर्कुव॥
॥चनिकुव॥चनीकुव॥चर्कुम॥चनिकुम॥चनीकुम॥चर्क्यात्॥चनिकुयात्
॥चनीकुयात्॥चर्क्यात्॥चनिकुयात्॥चनीकुयात्॥चर्क्यु॥चनिकुयु॥चनी
कुयु॥चर्क्यो॥चनिकुया॥चनीकुया॥चर्क्यात्॥चनिकुयात्॥चनीकुयात्
॥चर्क्यात्॥चनिकुयात्॥चनीकुयात्॥चर्क्या॥चनिकुया॥चनीकुया॥चर्क्याव॥
चनिकुव॥चनीकुयाव॥चर्क्याम॥चनिकुयाम॥चनीकुयाम॥ ॥यद्दिश्व॥य

सा.स्व
१२२

[illegible]

गुनः
१२२

सा.स्व
१२३

[illegible]

गुनः
१२२

॥वनीवृद्धि॥वर्चस्मान्॥वनिवृत्तान्॥वनीवृत्तान्॥वर्चस्मान्॥वनिवृत्तान्॥वनीवृत्तान्॥वर्चस्मान्॥
वनिवृत्तान्॥वनीवृत्तान्॥वर्चस्मान्॥वनिवृत्तान्॥वनीवृत्तान्॥वर्चस्मान्॥वनिवृत्तान्॥वनीवृत्तान्॥
नीवृत्तान्॥वर्चस्मान्॥वनिवृत्तान्॥वनीवृत्तान्॥ ॥अनयत्न॥अवर्चस्मान्॥अवनिवृत्तान्॥
नी॥अवनीवृत्तान्॥अवर्चस्मान्॥अवनिवृत्तान्॥अवनीवृत्तान्॥अनयत्न॥अवर्चस्मान्॥कुरु
दिव्येवनाश्मिपन्नगुरुणावर्चस्मान्॥अवनिवृत्तान्॥अवनीवृत्तान्॥अवर्चस्मान्॥अवनिवृत्तान्॥
अवनीवृत्तान्॥अवर्चस्मान्॥अवनिवृत्तान्॥अवनीवृत्तान्॥अवर्चस्मान्॥अवनिवृत्तान्॥अवनीवृ
त्तान्॥अवर्चस्मान्॥अवनिवृत्तान्॥अवनीवृत्तान्॥अवर्चस्मान्॥अवनिवृत्तान्॥अवनीवृत्तान्॥अवर्च
स्मान्॥अवनिवृत्तान्॥अवनीवृत्तान् ॥कुरुयद्वा॥कुरुनूपमानादवाग्नर्थयद्वापुत्पया

सा.सू.
१२४

रुवति॥ रमनयनं नृमिस्ति॥ यदीर्घं॥ काकं रमनं नृवाचनमीति॥ रमनायनं॥ पद्मि
तायनं मूर्ध्नि॥ अयनस्य नृमिस्ति॥ यदिसलापावकाव्यं॥ यदीर्घं॥ अयनायनं
कनूपा॥ अयनं पंगु॥ पयसु विहायार्थं॥ पयायनं॥ पयस्य नृकैर्न॥ पयस्य नृ
पयस्यती॥ अपयस्यत॥ उपमानादावानरर्थविपक्षयावकाव्यं॥ व॥ वलोपावति॥ च
नृव आवनमीति वदुति मूर्ध्नि॥ कन्दति॥ कलागति॥ आवाच उपमानात्॥ कर्मणि उ
पमानादावानरर्थविपक्षयावति॥ आनरर्थ अकान्त्वात्॥ कान्॥ पूगीयति गिह्यमूपा
धाय॥ पूगीयत॥ पूगीयन्ति॥ पूगीयन्॥ पूगीयन्तु॥ अपूगीयन्॥ प्रासादयति कुतिलि
क॥ रुसहायी॥ नृकायामात्मनः॥ अनानिष्ठायामर्थ आत्मनः सप्रत्ययावति॥ साव

गुनः
१२४

सा.स.
१२५

श्रु॥ मपातीरुववपा॥ पूर्ववत् ॥ श्रुयति ॥ श्रुयत् ॥ श्रुयतु ॥ अश्रुयत् ॥ नृग
दृ॥ नृनृयति ॥ नृनृयत् ॥ नृनृयतु ॥ अनृनृयत् ॥ य॥ स॥ ॐ श्रुश्रुय॥ अकोनपूर्व
ॐ कावीरुवतिसयन॥ गु॥ १॥ प्रकृत्पर॥ ३॥ न्युत्सात् ॥ सप्रत्ययादन्यप्रकृत्पर॥ १॥ गु
१॥ अप्रधानरुवति ॥ ननकाष्टनय॥ पाकत्वमिच्छति॥ तीपाकस्प्राधान्यनत्विच्छाया॥
काष्टसंभवेपति॥ वा॥ ४॥ कृ॥ किलात्स॥ स॥ सधु॥ तियप्रत्यय॥ अप्रकर्तुनि॥ २
अद॥ ॐ त्यकानलाप॥ काष्टनयकमिच्छति॥ पियेकृत् ॥ पियेकृत् ॥ अपिप
कृत् ॥ पापान॥ पापुमिच्छति॥ पिपासत् ॥ पिपासतु ॥ अपिपासत् ॥ त्यजहानो॥ सप्रत्यय
१॥ द्वित्वं ॥ पूर्वसहसादि॥ १॥ ग॥ य॥ स॥ वा॥ कृ॥ निजकावसंगकान॥ तस्परवसेव

गुनः
१२५

पामसानामितिककान॥ किलात्य॥ स॥ नित्यकृति॥ नित्यकृत॥ नित्यकृतु॥ अतित्यकृता॥ व
 वपविताय॥ विवकृति॥ विवकृत॥ विवकृतु॥ अविवकृत॥ पृष्ठसंपर्क॥ न॥ पूर्वव
 त्वापिपृष्ठेति॥ पिपृष्ठकृत॥ पिपृष्ठकृतु॥ अपिपृष्ठेति॥ गुरुउपादान॥ गुरुकिटि॥ सिव॥ व
 कोनसप्तत्ययकविहृदित्वंमविनी॥ ननसंपसानेदी॥ पेशाद्विती॥ न॥ कृहाश्रु॥ य॥
 स॥ हा॥ आदिजवानांमितिद्यंकान॥ अ॥ आदिजवानांमिति॥ व॥ किलात्य॥
 स॥ कवसंयारगक॥ जिघृक्षति॥ जिघृक्षत॥ जिघृक्षु॥ अजिघृक्षत॥ उवगुरुसंवि
 वर॥ रुयुक्षति॥ पृष्ठह्रीप्राया॥ गुरुकिटि॥ नित्यसंपसानेदी॥ द्विती॥ न॥ य॥ स॥
 पिपृष्ठति॥ कृगयनाजादीनामितिबली॥ य॥ कंस॥ पिपृष्ठकृत॥ पिपृष्ठेति॥ अपिपृ

सा.सु.
१२८

कृत् ॥ हनहिंसागत्या ॥ सप्रत्यय ॥ द्विर्त्वा ॥ कृहाश्रुनितिपूर्वस्या ॥ तस्यमयानीजववया
००तिजकान ॥ य ॥ स ॥ हन्तेसाधिरू ॥ हन्तेद्वीतो ॥ सकोनामिहवति ॥ सित्वाइपाधावृद्धि
॥ हनाधूनश्चापदानमस ॥ जिघांसति ॥ जिघांसन् ॥ जिघांसतु ॥ अजिघांसन् ॥ शूकशूक
नर ॥ मत ००न ॥ मकानस्य ००वतवति ॥ द्विनिवपेन ॥ असाध्विनि कार्यविधि ॥ किकिव
सतिपू ००तिस्ति ॥ कृहाश्रु ॥ यौर्विहसदीर्घ ॥ विकीर्षति ॥ विकीर्षन् ॥ विकीर्षतु ॥ अ
विकीर्षन् ॥ ह ॥ हनर ॥ जिहीर्षति ॥ जिहीर्षन् ॥ जिहीर्षतु ॥ अजिहीर्षन् ॥ हल्लवननव
या ॥ नितीर्षति ॥ नितीर्षन् ॥ नितीर्षतु ॥ अनितीर्षन् ॥ शूकयकनर ॥ सप्रत्यय ॥ कृसतः
००तिस्ति ॥ द्विर्त्वा ॥ मत ००न ॥ यौर्विहस ॥ यकशूक ॥ यक ॥ यकानात्पूर्वाकोनस्यलारव

गुनुः
१२८

तिअनपि विषयराव कर्मसिद्धिः॥ॐ तिसकानस्य अकानलापः॥ विकीर्यत देवदहनः॥२
 विकीर्यत॥ विकीर्यतां॥ अविकीर्यत॥ उपचय्याक॥ पवता ॐ तिसिद्धिः॥ अतिगयह
 सादयद्विष्टा॥ अतः॥ यदि सति पूर्वस्य अकानस्य अकानादरमाहवति॥ अनविचहसा
 ॥ सिसतासिस्पामित॥ पापविता॥ पापविता नो॥ पापविता नः॥ पापविता सारथः॥ पाप
 विता ॥ पापविता ह॥ पापविता स्वह॥ पापविता स्मह॥ दादान॥ दानि पू॥ ॐ तिसिद्धिः॥
 ॐ द्यायानात्मनः सः॥ सावद्विष्टा॥ ॐ स्म॥ दादीनां स्वनस्य सपन ॐ सादरमाहवति॥ पूर्व
 सलापः॥ सीताः नपीति सकानः॥ दित्सति॥ दित्सतु॥ दत्सु॥ अदित्सतु॥ शुद्धाः अधानः
 पापयः॥ पूर्ववेत्साधनिका अगपि॥ दित्सति॥ दित्सतु॥ दित्सु॥ अधित्सतु॥ माहमानः॥

सा.स्य
१२७

ठकान आत्मन पदार्थः॥ इमि उ प्र कयन॥ दयाः समानी॥ प्रपूर्वः॥ प्रमित्सुतः॥ प्रमित्सुतः॥
॥ प्रमित्सुतः॥ अप्रमित्सुतः॥ इलरुष्याको॥ इकायेनेकानो अन्वन्धका योरथो॥ रुकान
स्याकान आत्मन पदार्थः॥ ॐ छाया मात्मनः॥ दिव्यं॥ खसचपामसानामिनिहकान
स्यपकानः॥ ॐ सा॥ ॐ सादग॥ पूर्वस्यवलापः॥ स्कानायांश्च ॐ निसकानस्यलापः॥ लिप्स
तः॥ लिप्सती॥ अलिप्सतः॥ नरुनारु॥ पूर्ववत्॥ लिप्सतः॥ लिप्सतः॥ निप्सती॥ अनिप्सतः॥
पलपतन॥ पताधेतः॥ पताधेताः॥ सकानस्यवा ॐ इहवति॥ यः॥ पतिरुमिच्छति
पिपतिषति॥ पिपतिषतः॥ पिपतिषतुः॥ अपिपतिषतः॥ दीर्घः॥ आपः॥ वाको॥ आप्रा
तनी॥ आप्रातर्द्धाः॥ खनेस्य ॐ आदरः॥ इहवति॥ ॐ प्रेति॥ ॐ प्रेताः॥ ॐ प्रेताः॥ ॐ प्रेताः॥

गुनः
१२७

अग्निरुक्तः॥ अग्ननायावा॥ अग्नर्धोता नि द्वायामर्थ अनायप्रत्ययारुवति॥ अग्नयति॥
 अग्ननायक॥ अग्ननायकु॥ अग्ननायक॥ पक॥ ॐ द्वायामात्मनः स॥ सार्वद्विश्च॥ स्ववहीन
 पवधसंयायी॥ सीसतासीस्पामिदू॥ य॥ स॥ अग्निगियति॥ अग्निगियक॥ अग्निगियकु॥ अग्नि
 गियक॥ गुपरा॥ पनया॥ गुप्ता॥ गुपादिस्व॥ स्वार्थसप्रत्ययारुवति॥ तस्मिन्मतिधाराः
 दिर्वचनी॥ कृहाश्रु॥ रुगुप्ता॥ रुगुप्ता॥ रुगुप्ता॥ अरुगुप्ता॥ उरयपदी॥ कितला
 मपनयनसंगयेवा॥ कृहाश्रु॥ विकिसति॥ विकिसक॥ विकिसकु॥ अचिकिसक॥ नि
 अनिभानकमायाचि॥ उरयपदी॥ कृसंयवाजादीनामिति यत्वी॥ य॥ ॥ क॥ स॥ क॥ स॥
 यारुगक॥ मिति कृति॥ मिति कृत्॥ मिति कृत्॥ अमिति कृत्॥ मानविवाहपूजायाचि

सा.स्य
१२८

॥ मानसकं ०० तिसिद्धं ॥ द्विती ॥ अस्व ४ ॥ य ४ स ॥ मानादीनी पूर्वस्य दीर्घावकृत्वा ४ ॥ नश्च
पदान्तमस ॥ मीमीसकं अध्वनी ॥ मीमीसता ॥ मीमासता ॥ मीमीसती ॥ अमीमीसता ॥ वध
निन्दायी ॥ वधसकं ०० तिसिद्धं ॥ द्विती ॥ य ४ स ॥ आदिजेवानामिति रुकान ४ ॥ रेवसच
पाससानामिति रुकान ४ ॥ पूर्वस्य दीर्घ ४ ॥ वीरुसकं ॥ वीरुसता ॥ विरुसती ॥ अविरु
सता ॥ दानसानकजन ॥ पूर्ववत् ॥ दीदीसति ॥ दीदीसता ॥ दीदीसती ॥ अदीदीसता ॥ उ
त्तयपदी ॥ गीमासकं ॥ गीमीसता ॥ गीमीसती ॥ अगीमीसता ॥ गुपूवकृत्वा ४ ॥ ये ४ ॥ गुपा
दित्यु ४ स्वार्थे आयपत्ययावति ॥ उपधाया लघा गु ४ ॥ रगपायति ॥ रगपायता ॥ रगपा
यती ॥ रगपायतु ॥ अरगपायता ॥ उत्तयपदी ॥ उर्वधूपसंताप ॥ धूपायति ॥ धूपायता ॥ धूपाय

गुनः
१२८

पा १

ॐ॥धूपायती॥अधूपायत॥विष्कगती॥विष्कायति॥विष्कायत॥विष्कायतु॥अविष्काय
त॥पक्षव्यवहानकुतोपरिच॥पक्षयति॥पक्षयत॥पक्षयतु॥अपक्षयत॥पनायति
॥पनायत॥पानायतु॥अपनायत॥नाम्नाय००चास्या॥नाम्न००कायामरथेयप्रत्ययात्
वति॥तस्मिन्निधारणवश्रुकाजस्य००कोनात्तवति॥आत्मनःपुनर्मिच्छति॥पुनीयति॥पु
नीयत॥पुनीयतु॥अपुनीयत॥धनमिच्छतिधनियति॥धनीयत॥धनीयेयो॥अधनी
यत॥उदकस्यादनादग॥उदकआत्मन००च्छति॥उदन्यति॥उदन्यत॥उदन्यतु॥उद
न्यत॥काम्यमयीमिच्छतिकवित॥पुरुकाम्यति॥कनरक्षवय॥कंक्षादिष्वकनरक्षार्थ
यप्रत्ययात्तवति॥कर्तुं कर्तव्येति॥कर्तुयति॥कर्तुयत॥कर्तुयतु॥अकर्तुयत॥उत्तय

सा.सू.
१२८

पदि॥ तपः कनातीतपस्यति॥ मनः कनातीति मनस्यति॥ उरयपदार्थः॥ ॐ हामर्थ
 यप्रत्ययः॥ सुगममश्रु॥ वृषरु० वमथुनमिच्छति॥ वृषस्यति॥ दध्राणे जनमिच्छति॥
 दधिस्यति॥ असुगममश्रु॥ दधस्यति॥ गेष्टं कनातीति गद्यायनावेन कनातीतिवेवा
 यन॥ सुखायन॥ इष्टवायन॥ यदीर्घः॥ ०० र्यादिये०॥ जि० ठिक् नर॥ नाम्ना जि० प्रस
 यातवति कनर्थ॥ सच ठिक्॥ ठित्वा ठिक् लापः॥ सधु निनिधत्वा ठिक् वादयः॥ घटवेष्टा
 या॥ घटति प्र०० तिष्ठित॥ अत उषधया वृद्धिः॥ मिमि० स्वः॥ धातुपा० मि० ००००००००
 पठिगानां स्वार्थवति॥ अप् कर्त्तुनि॥ गुधमादरगे॥ घटं कनाती घटयति॥ घटयत्
 ॥ घटयत्॥ अघटयत्॥ घटयान्वकान॥ घटयान्॥ घटयिमा॥ घटयिष्यति॥ अघटयि

गुन्ः
१२८

व्यक्तु॥ अघट्यीत्॥ महान्कनामीति महायति॥ उट्टिकनामीति उधयति॥ उधयत्॥ उट्य
दु॥ उधयत्॥ पृथुर्विस्तार॥ पृथुदन्त॥ पृथुदन्ता॥ मकानस्य नातवति॥ पथयति॥ प
थयत्॥ पथयदु॥ अपुथयत्॥ दधकनामीति डट्यति॥ डट्यत्॥ डट्यदु॥ अडट्यत्॥ क
गतनूकेनर॥ कर्मकनामीति कगयति॥ युवाल्पया॥ कनवा॥ अल्पयूवानीवावष्ट॥ क
नकनामीतिकनयति॥ अल्पयति॥ धाता॥ पनर॥ पनरधप्रयाजकवापानार्थेऽपि
त्यया रवति॥ कूर्चकानयमीति य॥ स॥ प्रयाजकहोके॥ उपनवपाक॥ पचर्गपचये
ति॥ न॥ सिन्नरथेवा॥ नि॥ प्रत्यय॥ अकउपधाया॥ अपकहनि॥ गुह॥ अ॥ अय॥ पाचयः
ति॥ पाचयत्॥ पाचयदु॥ अपाचयत्॥ मास॥ अनुमिश्र॥ मासिमिप्त्तिस्ति॥ अपकह

सा.स्व
१३०

नि॥गुह॥अयादभ॥अन॥सयति॥अन॥सयत्॥अन॥सयदु॥अन॥सयत्॥ह
नहि॥साग॥घनाघत्॥ह॥क॥घदाद॥रुवति॥उप॥उप॥ध्यादीये॥घा॥न
यति॥घा॥नयत्॥घा॥नयदु॥अ॥घा॥नयत्॥व॥वि॥स॥न॥ध॥वा॥व॥सा॥द॥न॥ष॥स॥द॥स॥त्॥स॥द॥
घा॥न॥स॥मा॥द॥रु॥व॥ति॥वृ॥द्धि॥सा॥न॥य॥ति॥सा॥न॥य॥त्॥सा॥न॥य॥दु॥अ॥सा॥न॥य॥त्॥ग॥द॥
भा॥न॥न॥ग॥द॥ग॥त्॥भा॥न॥य॥ति॥भा॥न॥य॥त्॥भा॥न॥य॥दु॥अ॥भा॥न॥य॥त्॥ना॥ता॥उ॥प॥पू॥के॥म॥ग॥ता॥
वि॥त्य॥स्य॥धा॥ता॥ना॥का॥न॥स्य॥व॥उ॥प॥न॥पू॥गा॥ग॥मा॥रु॥व॥ति॥दू॥दा॥उ॥द॥न॥दा॥प॥य॥ति॥दा॥प॥य॥त्॥दा॥
प॥य॥दु॥अ॥दा॥प॥य॥त्॥सा॥ग॥ति॥नि॥वृ॥त्ता॥अ॥द॥रु॥द॥न॥॥स्था॥ति॥पू॥न्ति॥स्थि॥ता॥पू॥गा॥ग॥म॥
॥धा॥ता॥उ॥प॥न॥रु॥जि॥पू॥त्य॥य॥॥अ॥या॥द॥भ॥॥स्था॥प॥य॥ति॥स्था॥प॥य॥त्॥स्था॥प॥य॥दु॥अ॥स्था॥प॥य॥

गुनः
१३०

त॥ यापोपर॥ यापयति॥ यापयन्॥ यापयतु॥ अयापयन्॥ अगतो॥ गुरक्षरिसंयाग
 योलघानिगुप्त॥ अर्पयति॥ अर्पयन्॥ अर्पयतु॥ आर्पयन्॥ ॐ अक्षयने॥ ॐ
 द॥ पुर्वकाव॥ ॐ तिकावधूपसर्जनवाहिननत॥ अधिपूर्व॥ आदिस्वनस्य
 दितिशिष्टि॥ अ॥ य॥ यत॥ ॐ नित्यकानलाप॥ अ॥ क॥ नि॥ अ॥ ध्यापयति॥ अ॥ ध्या
 पयन्॥ अ॥ ध्यापयतु॥ अ॥ ध्यापयन्॥ पू॥ गुरक्षवकाव॥ जीलकाया॥ नि॥ प्रत्यय॥
 ॐ द॥ दिवात्पु॥ क॥ क॥ पयति॥ क॥ पयन्॥ क॥ पयतु॥ अ॥ क॥ पयन्॥ ला॥ विलापना॥ वि
 लापयति॥ विलापयन्॥ विलापयतु॥ अ॥ विलापयन्॥ व॥ लापयन्॥ पा॥ पान॥ पा
 द॥ पुर्वकाव॥ पा॥ पयति॥ पा॥ पयन्॥ पा॥ पयतु॥ अ॥ पा॥ पयन्॥ गी॥ स्वप्न॥ अ॥



939

[illegible]

युद्ध

वि

॥ जिह्वापि सः ॥ तिष्ठितं ॥ सिसृक्षासीत्सपामित् ॥ गुह्यं ॥ अज्यं ॥ खनहीनीपनसंस्था ॥ किलावः सः ॥ १२

पयिषदु॥ अजिह्वापयिवत्॥ ॥ वृनादर्जिः॥ वृनादग्नेष्टास्वारथेऽप्यलयावति॥ वृ
नस्तय॥ उपधायो लघागुंश॥ सधु॥ अप्रकुरुनि॥ गुंश॥ प्रअय॥ वानेयति॥ वान
यत्॥ वानयदु॥ अवानयत्॥ पालंकर॥ पालयति॥ पालयत्॥ पालयदु॥ अपालय
त्॥ विनीर्महान॥ वनयति॥ वनयत्॥ वनये॥ अवनयत्॥ अव्वेषूजायी॥ अव्वेयति॥
अव्वेयत्॥ अव्वेयदु॥ आव्वेयत्॥ विनीस्पृष्टी॥ ॐ नितानूम॥ ॐ नितान्मागमायव
ति॥ विक्रेयति॥ विक्रेयत्॥ विक्रेयदु॥ अविक्रेयदु॥ निदिक्तायी॥ निन्दयति॥ निन्दयत्
॥ निन्दयदु॥ निन्दयत्॥ जिकानान्वधत्वादात्मनपदमपि॥ वानयत्॥ वानयत्॥ वान
यती॥ अवानयत्॥ एतेनहुविश्च॥ एतन्मागर्थप्रत्ययावति॥ दि

सा.सु.
१२२

वा दोप न त ४॥ सव पवाद ४॥ क्षतां वि वि व न ॥ जि प्र त्य य ४॥ दिवा दा व ता ॥ ठि क न क्ष साम
थ ॥ सा प्रा वि गु र क्ष नि व र्त्त न ॥ अ व चू नि अ दि य ०० ति स्ति न ॥ १७३४॥ कि मि दि ति व प व
१७३ ला पा र व ति ॥ ल धा दी र्घ ४॥ अ णि स ति पू र्व स र्व चि ना ल धा दी र्घा र व ति ॥ अ व चू न त
॥ अ व चू न ती ॥ अ व चू न न ॥ अ व चू न ४॥ अ व चू न ती ॥ अ व चू न ॥ अ व चू ना व ॥ अ व चू ना
म ॥ वि द ह्ना न ॥ अ वी वि द ता ॥ अ वी द ती ॥ अ वी वि द न ॥ इ ह प र्ण र ४॥ अ इ इ ह न ॥ अ इ इ ह
ती ॥ अ णि ल यो ङ स्व उप क्ष या ४॥ अ णि स ति पू र्व स र्व चि ना अ कान स का ना र व ति ल यो य
न उप क्ष या ङ स्व ४॥ इ प च व पा क ॥ जि प्र त्य य ४॥ अ न उप क्ष या वृ ङ्गि ४॥ दिवा दा व त ॥ अ पा वि
०० ति स्ति न ॥ १७३ न ह् वि श्व ॥ ज स्व ४॥ वि मि जि ला प ४॥ अ पी प च न ॥ अ पी प ० न ॥ अ जी ङ न न ॥ य

गुनः
१२२

दगती॥प्रतिपूर्व॥प्रत्यपीपदन्॥घटवृक्षायी॥अदिदिवचनकृत्॥कृत्वाश्रु॥मपानाजव
चपा॥२७॥नितितिलोप॥अजीघटन्॥नमन॥मकानताअश्रुकीनरुवति॥रोकगती॥
जिप्रत्यय॥अश्रुद्विती॥दिवादावन्॥पूर्वस्यहसादिगव॥जस्र॥जस्वादेरगसीधकवासा
मामिकानाकानोवकव्यो॥मपानाजवचपा॥अश्रुटीकृत्॥अश्रुटीकृती॥अश्रुटीकृन्॥टी
कृद्गती॥अश्रुटीकृत्॥श्रुयाचृयाचिज्जयी॥अययाचृयाचिज्जयी॥वहृपापर॥वहृ
कि॥वहृद्धीता॥किप्रत्ययारुवति॥यजाजवनाधंसृत्॥सप्रसानदी॥हाट॥गरथार्धथा
हि॥२८॥टिटालोपादीर्घश्च॥जिठिनर॥सचठिता॥सधु॥दिवादावन्॥स्वनाद॥२
७॥नद्विष्ट॥२७॥किनिठितिवचन॥२७॥प्राहवति॥स्वनाद॥पना॥०॥निरुक्तानमा

सा.स्व
१३३

[illegible]

गुनः
१३३

ધમનિ ૧

938

॥यच्छुड॥अयच्छुड॥हृजनका॥हृववाधना॥अनप्राइरावा॥अनयाजादग॥॥दवाइ

938

सा.स्व
१३५

॥ आदादास्येनोरुहोने ॥ आरूपूर्वदा ॥ आत्मनपदैवति ॥ ननुमुखप्रसानक्षार्थ ॥
शूदा ॥ दान ॥ आदह ॥ मुखप्रसानक्षार्थ ॥ व्यादेदातिमूर्खकृष्टं ॥ कीठकीठन ॥ कीठ
॥ नृसंपनित्यश्च ॥ अनूकीठन ॥ पत्रिकीठन ॥ समवप्रापविष्य ॥ सीतिष्ठन ॥ अवति
ष्ठन ॥ पतिष्ठन ॥ उपतिष्ठन ॥ वितिष्ठन ॥ उद्विष्यंतप ॥ तपसंताप ॥ उलपन ॥ वितपन
॥ आदायमहन ॥ आयकन ॥ आहनस्वागी ॥ उदश्चनस्वाग ॥ उच्चननमल ॥ समुत्तीया
युक्ताच्च ॥ संचनन ॥ नरथनदवदह ॥ अन्यनसंचनतिदवदह ॥ व्यपेवेनित्य ॥ की
॥ ३४ ॥ विकीर्षीत ॥ अवकीर्षीत ॥ पत्रिकीर्षीत ॥ गपउपाले ॥ विगपन ॥ अन्यनविग
पति ॥ ह्रागृमृदभीस्वकानामाग ॥ जिह्वासन ॥ गृगृषन ॥ मर्मयन ॥ दिदृक्न ॥ कर्म

गुनः
१३५

वहानमन्यगृहिमादनात्॥विवदन्तुवादिनः॥अस्त्राव्यतिरुवन्॥कुमुपादकपः॥
कुमःसापसग्नेस्पदीर्घतावेवकावः॥संक्रामति॥उपक्रामति॥कर्मन्॥वाद्युपस्यु
पस्थानमः॥विनमति॥पविनमति॥उपनमति॥वृहत्॥वृहद्वर्त्तन॥वृध्वृक्षो॥गृ
ध्वृक्षसायी॥स्यिद्रुपगुवः॥हृपूसासार्थं॥त्यादित्यः॥स्यसयावो॥अगमात्तवति॥
त्यायुक्तं॥विवर्त्तयति॥वत्सति॥वर्त्तयति॥वर्त्तयति॥वत्सन्॥मूत्रादम्रम्॥मूत्राद
नैक्षममागमात्तवति॥अवादीविषयः॥अवादीविषयः॥मूत्रमाचने॥उदादनः॥मूत्र
ति॥विद्रुलात्॥विद्वति॥वृत्तितानम्॥वृत्तिनादातानमागमात्तवति॥द्वन्द्विगवृद्धो
॥त्यादित्वाद्यः॥नन्दति॥नन्दत्॥नन्दुः॥अनन्दत्॥वदिअतिवादनस्तुत्याः॥वदता॥

सास्व वन्दन् ॥ वन्दन्ती ॥ अवन्दन् ॥ भक्तिर्सीकायां ॥ भं कन् ॥ भं कन् ॥ भं कन् ॥ अर्से कन् ॥ दैम्
 १३६ दम् उपसम ॥ भमी दीर्घ ॥ भमा दीर्घा दीर्घा वति अवादी विषय ॥ इषगु अकस्यि
 प्रत्यया कस्य इषधमा दीर्घा वति ॥ कदकं कु कविग ॥ भाम्यति ॥ दाम्यति ॥ दिवा दय्य ॥
 ॥ दी इव खलुने ॥ यति ॥ यन् ॥ यन् ॥ अयन् ॥ क्रमस्वमेकं ॥ कीम्यति ॥ इव वेक्य ॥ इव
 यति ॥ य ॥ य कान पन्धना ना कान स्य लो पाहवति ॥ रगिन् कवर ॥ ग्धति ॥ रग्धत्
 ॥ ग्धत् ॥ अग्धत् ॥ धा इ क कर्मणि ॥ आदेश ॥ स्त्र ॥ स्पति ॥ स्पत् ॥ स्पत् ॥ अस्पत् ॥ पृषो
 लन पूर्ववत् ॥ प्रपूर्वति ॥ पानून् ॥ पवन्त इह न स्य मका स्मरति ॥ चक्रै यित्वा ॥
 मृदु पाद लाग ॥ मृदुर्वति ॥ सपना शो दोप न स्पे पदी ॥ ममान ॥ आदिगदास्य प्रत्यय

गुब्
 १३६

नर नूनर

नपिपनस्मेपदं॥मानिष्यति॥अन्यगमियता॥नूदादश्चउक्तुहसाद॥चकुर्ध्वनिवादिग
 धानामिष्यहकानवर्जयित्वावसाद॥पत्ययस्यजगमाहवनिनूदादयनस्य॥अदादि
 त्वाल्क॥नूदिनअशुविभावने॥उपधायालधानितिगुण॥नादिति॥नूदिन॥नू
 दकिं॥नादिषि॥नूदिथ॥नूदिथ॥नादिमि॥नूदिव॥नूदिम॥नापितिस्व
 पितिरश्वेवश्चसिति॥प्राप्तिसिक्तथा॥यक्रतिरश्वेवविलुप्यानूदादिपंचकागध॥श्व
 मयाधन॥श्वसिति॥स्वपिति॥प्राप्तिसि॥अवरुक्रहसनया॥अक्रति॥अक्रुत॥अ
 क्रुति॥वकास्ति॥वकास्त॥वकासकि॥जागृनिडाकया॥जागर्हि॥जागले॥जा
 गुति॥दनिडादनिदालापश्च॥दविडादक्षानिजगमाहवनिदितिपेना॥२

सा.स्व
१३२

आकाशस्यलापश्चिदितिहस्यनआकाशलापवचकानडिदागमानहवति॥दनि
 डाङ्गमी॥दनिजामि॥दनिडित॥दनिडिती॥दनिडासि॥दनिडिथ॥दनिडिथ॥दनि
 डामि॥दनिडाव॥दनिडामा॥भासूअनसिद्धे॥भासि॥भासनि॥भासनूपधयाआका
 नस्यकावाहवतिद्विद्विहस्यन॥मिस्तु॥भासुति॥सासि॥मिष्यात्॥मिष्याती॥मि
 ष्यु॥भासु॥मिष्यादा॥मिष्या॥भासुता॥आभा॥आमिष्या॥आभासु॥ॐतीसा॥ध
 स्ववदकव्य॥ॐतीस्तुती॥ॐती॥ॐतीजत॥ॐतीन॥ॐतीवि॥ॐतीजथ॥ॐतीति॥
 ॐती॥ॐतीतिवह॥ॐतीमह॥ॐतीमनेध्वर्य॥ॐती॥ॐतीमत॥ॐतीमत॥उवा॥उका
 स्योकांनाहवतिपितितस्मिअवादी॥यूनहुसुखॐती॥योति॥येवीति॥वीति॥नवी

पु. १३७

वीति॥ नोति॥ नवीति॥ स्तोति॥ सुवीति॥ सुत॥ नृक्षानिति उव॥ सुर्वीति॥ लापस्त्वदेनेः
दाहानां॥ अनदाहानांतिनायीनां व॥ मस्य लापा रुवति किति किति मसपत्र॥ हन्ति॥ हत
॥ घ्नन्ति॥ गवीस्वन्॥ नम॥ नमप्रत्ययात्प नस्य च न स्वा नस्य लापा रुवति॥ हिसि हिंसा
यी॥ नृक्षदन्त्रे स॥ हिनस्ति॥ नमस्त्रस्य ०० तिनका नस्या का नस्य लाप॥ हिंस्ते॥ हिंसीति
॥ रुंज आमर्दन॥ रुनक्ति॥ रुंके॥ रुंजीति॥ नृजदं ग सज्ज स्व ज र्यजानो लाप॥ नृजति॥ दण
ति॥ सज्जति॥ विदहाने॥ विदह न वानीत्यादीनां धादिच्चा॥ विदउरु न र्यात्यादीनां न वानीं धा
दिन्नेव का वा रुवति॥ वद॥ विदकु॥ विडू॥ वल्द॥ विदधु॥ विद॥ वद॥ विद्व॥ विप्र॥ व
लि॥ विरु॥ विदन्ति॥ विद्यातु॥ विद्याती॥ विद्यु॥ वरुन का वा नृद॥ विदधता॥ वानृज

51

गुनः
१२८

सा.स्व
१२९

लि का ती॥ लि कृ॥ लि रु कु प्र००० मि लि रु॥ हा ट ४ गर था च ४॥ दू र्वी म गु ध ४॥ रि टा
ला पा दी र्घ थ ॥ ल दू॥ लि टा न॥ ली टा॥ लि रु कु॥ म सा धि ह ४॥ दू र्वी॥ क वि रु ह का
ना म स व न व क व ४॥ ली टि॥ लि हि हि॥ ल हा ह लि ट्वा व क व ४॥ ली टा न॥ ली टा॥
ली टा॥ पि लो रु ध ४॥ ल हा नि॥ ल हा व॥ ल हा मा॥ दि वा दा व न॥ गु ध ४॥ दि स्या ह सा न
॥ वा व सा न॥ अ ल दू॥ अ ल दू॥ अ ली टी॥ अ ली ह न॥ अ ल ४॥ अ ली टी॥ अ ली टा॥ अ
ली ही॥ अ ली क॥ अ ली क॥ गु रु इ रु लि रु दि हा दि लो म न प द स ल क्वा व स क व क व
४॥ रु स वा का स क॥ अ लि क न॥ अ ली टा॥ अ ली का ती॥ अ ली हा ती॥ ॥ व क रु व का
या वि॥ व क रु००० मि लि रु॥ स्फा ना था थ ॥ सं या ग म या ४ स को ने क का व या ला पा रु व ति

गु नः
१२९

मसपननामध्वनसपदानव॥विआहृपूर्व॥व्यावष्ट॥व्यावशान॥व्यावकृ॥अन०००
त॥वेरा०क०स॥कर्त्तृवर्त्तव॥व्यावकृ॥व्यावका॥व्याव॥व्यावकृ॥व्यावषह॥व्यावः
षोह॥व्यावकी॥व्यावकीया॥व्यावकीन॥व्यावकीथा॥व्यावसू॥व्यावको॥व्या
वकृ॥व्यावष्टो॥व्यावका॥व्यावकृ॥अन्य०सा०अ०मृ०अं०वृ०दि०वि०पि०॥कचि
दन्य०सं०या०ग०द०स०कान०स्य०ज०का०ना०द०ग०रु०व०ति॥अल०कु०वी०अ॥ल०कृ०रु०अ०कु०मी०पा०क॥संप
सान०॥सा०अ०॥स०कान०स्य०ज०का०ना०रु०व०ति॥त्या०दो०प०न॥रु०कृ०ति॥म०कृ०ति॥च०का०सु०दी०फो॥व
का०सि॥व०का०सु०॥व०का०सु०कि॥व०का०स्या०ना॥व०का०सु०दि०पि०स०स्य०ग००॥सि०पि०वा०दि०पि०प०न०स
का०न०स्य०रु०का०ना०रु०व०ति॥सि०पि०वा॥दि०स्यो०रु०सो०त्॥अ०व०का०त्॥अ०व०का०सु०॥अ०व०का०सु०॥अ०

सु० सु०

980

[illegible]

980

कु॥ निनर्हूनक॥ आत्मनपदपि॥ अवननिक॥ अवननिजात॥ अवननिजीत॥ अ
वननिका॥ अवननेनिजाती॥ अवननिक॥ ॐ ह्यादि॥ विजिनपृथक्कनर॥ ववेकि
ववक॥ वविजति॥ वविद्यात॥ ववकु॥ अवेवक॥ विवृव्याफो॥ वेवेष्टि॥ ववष्ट॥
वविवमि॥ वविव्याता॥ ववष्टु॥ अवेवता॥ ॥ पृपोनसपूनसया॥ काददिष्ट॥ अ
पालक॥ मप्रानि॥ पूर्वस्य॥ मप्रानि॥ पूर्वस्य॥ ॐ कानाहवति॥ अपिलूकिसति॥ यादपू
र्व॥ व्यापिपति॥ व्यापिपृत॥ व्यापिपति॥ व्यापिपृयाता॥ व्यापिपृष्ट॥ मप्रानि॥
वाअजगभाहवति॥ व्यापिपनता॥ व्यापिपृता॥ धनिस्यस्यअनडस॥ व्यापिपनता॥ ॐ
ह्यादि॥ मगता॥ मप्रानि॥ पूर्वस्य॥ मकानस्य॥ कावाहवति॥ अ

सा.स
१४९

वरुणस्य नृपस्य कानस्य यादरगावकव्य॥ॐ यदिसा॥ॐ युत॥ॐ युति॥ॐ यः
 वि॥ॐ यृथ॥ॐ यृथ॥ॐ यर्मि॥ॐ युव॥ॐ युम॥ॐ युयाता॥ॐ युयाता॥ॐ
 यकु॥ॐ स्वनादित्वादितीयांगम॥ॐ येनता॥ॐ नेती॥ॐ ययु॥ॐ यूसव॥ॐ यित्व
 कत्वाकुहा॥ॐ सिपि॥ॐ येयं॥ॐ युती॥ॐ युन॥ॐ दगती॥ॐ अजित्वादिपोलक॥ॐ यु
 ॥ॐ युति॥ॐ युत॥ॐ यकि॥ॐ याता॥ॐ यु॥ॐ ताता॥ॐ ती॥ॐ यकु॥ॐ हि॥ॐ नेताता॥ॐ ने
 ॥ॐ आयन॥ॐ यीयता॥ॐ यककुर्वु॥ॐ दित्रा॥ॐ नूधाजितिपूर्व॥ॐ कानस्य॥ॐ यादेग॥ॐ धीमान्ना
 मिन॥ॐ निवृद्धि॥ॐ माय॥ॐ यीयकु॥ॐ यीयु॥ॐ यीयिपि॥ॐ यीयेथु॥ॐ यीय॥ॐ
 याय॥ॐ यीयय॥ॐ यीयिव॥ॐ यीयिम॥ॐ यीयु॥ॐ कायी॥ॐ यादरगावकव्ययागु

गुन
१४९

०

०

०

5

10

15

20

25

१४॥ ॐ यवु॥ कविद्रुनस्पउवाद्ग॥ उवदाह॥ उवाव॥ धादुनीमप्यनक्तानाना
 र्थत्वाच्चसर्वथा॥ अतिधुममक्त्वा दलमाख्यातवर्हना॥ ॥ ॐ स्यात्प्राक्प्रक्रिया
 ॥ ॥ अथ कदम्बप्रक्रियानि नूप्यन्॥ कलेर्हनि॥ वक्रमाक्ष॥ प्रत्ययो॥ कर्त्तृका॥ न
 वकर्त्तृनिर्गति॥ वकानाहावकर्मक्षानपि॥ उपचवपाक॥ हवूरक्षो॥ धामोदेवूक्षो
 प्रत्ययोहवता॥ वा॥ क॥ प॥ ॐ तिष्ठन्॥ नामसंज्ञायाम्पादि॥ कुनान॥ सजासव
 डिष्टिवाटिलाप॥ पचनीतिपका॥ पकाभो॥ पकाज॥ पू॥ क॥ क॥ न॥ र॥ गु॥ ॥ क॥ नो
 तिकर्त्ता॥ क॥ उ॥ ह॥ न॥ र॥ ह॥ न॥ वि॥ र्त्ता॥ नि॥ र्त्ता॥ ह॥ न॥ क॥ ती॥ नि॥ र्त्ता॥ का॥ दा॥ ना॥ पा॥ ना
 ॥ स्ताना॥ ॐ स्यादि॥ क॥ न॥ ॥ ध॥ नो॥ क॥ त्प॥ य॥ य॥ स॥ व॥ सा॥ द॥ वि॥ ज॥ ग॥ मा॥ ह॥ व॥ ति॥ ॥ ह॥ स॥ हा॥ यी॥ गु॥ ॥

सा.स्व
१४२

वादेरभो॥ हवतीति हविता॥ अधनं० ति० धिता॥ उपलक० र०॥ उदितावा॥ उदिताधाता॥
वानिजगमा हवति॥ उदितावत्युवाग॥ द्वा० वसहलूषनिर्वाधा हनीता द० प्रत्ययभ
या॥ रभपयतीति रभपिता॥ रभफा॥ विधूभाकुमागल्यवा॥ आद० क० स्त्र०॥ त० धा० क०॥
स० द्वा॥ स० धिता॥ वृषसव॥ साता॥ सविता॥ ०० वृ० का० यी॥ न० द्वा॥ न० धिता॥ सहमर्ष
॥ सह० ति० ति० ति०॥ हवुधवि० ति० ह० प्रत्यय०॥ हो० र०॥ सहिवहावा द० वर्त्त० स्प॥ सहिवहा
वा० न० का० न० स्त्री० का० न० द० रभ० हवति० ट० प० न॥ त० र० धा० क०॥ दृ० ति० क०॥ रि० री० ला० पा० दी० र्च०
॥ सह० ति० सा० दा॥ वह० प्रा० प० र०॥ वहतीति वा० दा॥ वृ० य० व० ष० पा० क॥ यु० वा० न० धा० को॥ यू० वृ० ००
त्य० न० या० प्रत्य० या० न० न० अ० क० ०० त्या० वा० द० रभ० हवत०॥ यथा० सी० र्व० न॥ प० व० ती० ति० या० न० य० ति० वा०

गुनः
१४२

मि०४

पात्रक०॥ सित्वाइपक्षयावृद्धि०॥ गवर्धदववम॥ प० वकायवाचि॥ प० नीमिया० यमी०
तिवापा० क०॥ लोकमावृद्धि०॥ लोकयमीतिचैलोयमीतिवालाकक०॥ गूयाचुयावृद्धि०
यी॥ याचयमीतियाचक०॥ गूक०३ कन०॥ कनामीतिकानयतिवाकाचक०॥ हनन०॥
॥ नवनीशानयमीतिवानानक०॥ मानक०॥ हसहायि॥ वृधप्रत्यय०॥ मकानाहवाथ०॥
यूवानमकी॥ आवाइग०॥ हवमीतिहावावयमीतिवाचक०॥ लू०३ छंदन॥ लूनानिलाव
यतिवालावक०॥ पू०३ पवन॥ पुनातिपावयमीतिवाचक०॥ ०० लादि॥ किपेजे
न०॥ नाम्पुपक्षक०॥ नाम्पुपक्षछाता० कप्रत्ययावृद्धि॥ ककागुहप्रतिषेधार्थ
०॥ किपमीतिकिप०॥ तिदिनविद्वान०॥ तिनाहिरितिदि०॥ छिदिनवधीकन०॥ छि

सा.सु
१४३

नहीतिदिद॥ हाश्रववाधन॥ आशानपित्याकानलाप॥ जानातश्चक॥ जानाकधनाक
प्रत्यथारुवति॥ सूरजानातीतिसूरु॥ पृरुगृत्यश्चक॥ मरुन॥ दूक॥ ३३॥ यविनि
मय॥ किन॥ पृपानक्षपूषनया॥ पिन॥ गृनिगनर॥ गिन॥ पविनन्दिगहादन
यूतिनि॥ पवादनृन्नादगहादश्रुधनात्रयूतिनि॥ ००॥ प्रत्यथारुवति॥ यथासूरव
न॥ हाकावाच्यथ॥ अप्रत्यय॥ उपववपाक॥ पवतीतिपव॥ विदहान॥ वहीति
विद॥ वदवकार्याविवि॥ वदतीतिवद॥ दिवूकीजया॥ दीवतीतिदव॥ सनृसवाया
॥ सवतीतिसव॥ दूनदिसमृद्धी॥ नन्दिवासिमादिदूषिमादिवधि॥ भासिभावीत्यादया
नन्नादय॥ यूपत्यय॥ यूपानक्षको॥ ००॥ दिमान्म॥ ००॥ दिताकोतान्मागमाहवति॥

गुनः
१४३

कमदविकल्प

नाधसाधसंसिद्धो॥ नावयतीति नाधत ३

नन्दयतीति नन्दन॥ वसूकी जायी॥ नमन्ति नमन॥ वामकमसं हर्ष॥ वामतीति वाम
न॥ कमतीति कमन॥ अर्द्धमर्द्ध अर्द्धन॥ जने अर्द्धयतीति जनार्द्धन॥ मदिरुर्ध्व॥ मेद
तीति मदन॥ मेदयतीति मेदन॥ इव दूष॥ इवयतीति इवध॥ साधयतीति साध
न॥ सूरतीति सूरन॥ तपतीति तपन॥ दममम उपसम॥ दमतीति दमन॥ जपज
ल्यताप॥ जल्ययतीति जल्यन॥ दय्यही कान॥ दय्यतीति दय्यन॥ नूय॥ नार्थ
॥ नूयतीति नूयन॥ नूयतीति नूयन॥ नूयतीति नूयन॥ नूयतीति नूयन॥ नूयतीति नूयन॥
॥ गृहादिति निप्रत्यया सवति॥ गृहादीनामिटादीर्धोत्तवस्यपनाकायी॥ गृहउपादान
॥ गृहातीति गृहही॥ आनीयूक्॥ स्वागतिनिवृत्ति॥ स्वात्त्यस्यति स्वादन॥ गिस्तेतीति

सूरगाहन ५

तपसनाप ५

सं. सं.
१४४

स्वायी॥ ययद्वपूजासंगतिकर्तृदानवृ॥ यजतीति याजी॥ नृगद॥ विष्णुर्व॥ विनाः
वी॥ याप्रापर॥ यायी॥ चवगतिरक्रय॥ विचनतीती विचानी॥ दृग्मेदृग्म॥ दृ
ग्मदर्शना॥ गपत्ययातवमिभउत्यग्धमीतिउत्यग्ध॥ रध्वरूपान॥ धयमीतिधय॥ ध्व
ग्मद्वग्निसंयोगया॥ धमादृग्म॥ उच्चमतीतिउच्चम॥ पापान॥ उत्थिव॥ प्रागरध्वः
पापान॥ उच्चिद्युतीतिउच्चिद्यु॥ गवस्त्विने॥ लूपधयालाप॥ रुनाध्व॥ गर्भहमीतिग
ध्व॥ कर्तृहकीतिहृत्तघ्व॥ मूत्रादम्भमे॥ विह्वलाह॥ गर्भविन्दतीतिगविन्द॥ ॥
कलादन्त्र॥ कलाद्वर्धना॥ पत्ययातवति॥ एकानावृद्धार्थ॥ कनदिर्धो॥ कल
मीति काल॥ तपसुकाय॥ तपमीतिताप॥ पथिगमी॥ पथमीतिपथि॥ नृगवृद्ध

गुनः
१४४

न क्व वीम मागमः॥ व्यध ता उने॥ व्यधतीति व्याधः॥ पूरु क ऊ क न र स॥ कार्यः॥ धाताः क
 म्मिषिष यु क मान अ रूप स्या त वति॥ धाता नो मि न ँ मि वृ षि॥ कूर्त क ने तीति कूर्
 र कानः॥ गुह्यं क ना तीति गुथ को नः॥ मल्लं क ना तीति मल्ल कानः॥ विगु का व॥ अ
 रं को नः॥ गमु कानः॥ पूरु क ऊ क न र स॥ आगा उ॥ आ काना ना आताः क म्मिषु य प द सति
 उपु ल्य या त वति॥ छिन्ना दित्वा प॥ गी ददा तीति र ग द॥ धनं ददा तीति धन द॥ नाः
 म्रि व उ॥ नाम मा र्ग प यु क मान पि उ पु ल्य या त वति॥ छिन्ना दित्वा प॥ कमलं ददा
 तीति कमल द॥ छायां पिवतीति द्विप॥ गी र्ति प्रो दता वि॥ छायां जि न्मा पनय नायां
 यनं ँ नि द्वि ज॥ गृहं तिष्ठतीति गृह षु॥ द्रु गती॥ गुवा उ व तीति गू उ॥ गुव गू द

तव लुनव ॥ ४

सा. ख
१४५

॥ शुचं गृह्णादं गृह्णादं तव नि ॥ उपन ॥ उ न स ॥ स सा पा मू म्ना ना म नि व का र्थ उ न स ॥ स का न ॥
स्य ला पा ग व ति वा मू मा ग म ॥ ग क्क ग ती ॥ उ न सा ग क्क ती ति उ न ग ॥ उ न मी ॥ उ य मी म ॥
वि हा य सा वि ह व ॥ वि हा य स ग द्द स्य वि ह आ द र्ग म त व ति व का ना द्वा मू मा ग म ॥ वि
हा य सि ग क्क ती ति वि ह ग ॥ वि ह मी ॥ त न स ग द्द स्य उ न आ द र्ग म त व ति व का ना न व
मू मा ग म ॥ त न सा व र ग न ग क्क ती ति उ न ग ॥ उ न मी ॥ उ ज स द्द स्य व वा मू मा ग म ॥
उ ज र्ग क्क ती ति उ ज ग ॥ उ ज मी ॥ प्र व ग द्द स्य वा मू मा ग म ॥ प्र व ग ॥ प्र व मी ॥ अ टो ॥
ध ना त्रो म्नि का र्थ व स ल्य का न ट का नो प ल्य यो त व त ॥ त का न व व र्थ ॥ ल धा गु र ॥
अ स्ति ह व ती ति अ स्ति ह न ॥ क व र्द ह व ती ति क व व ह व ॥ त न र्द ह न ती ति त न र्द ह व ॥

गुनः
१४५

धृजध्वनः॥धन॥धनतीतिधन॥धन॥धनगतिरुक्तया॥कनूध्वनतीति॥
वृध्वन॥ठकान॥वर्थ॥कनूध्वनीअपत्ययसर्वध्वनती॥ठकानपत्य
यसुध्वनाध्वन॥रगर्ककनतीति॥ककनीकन्या॥यग॥कनतीति॥यगस्कनीवि
या॥द्विदान॥पूनीदानयतीति॥पूनीन॥यमूनियमन॥वाचयमतीति॥वाचय
म॥सर्वसहतीति॥सर्वसह॥द्विध्वनतीति॥द्विध्वन॥गर्कनपतीति॥गर्कनप॥द्वि
दान॥रगर्कदानयतीति॥रगर्कन॥लस्कन॥दिवाकन॥पुलाकन॥लेपिकन॥
॥००॥त्यादि॥००॥खरि॥ध्वनान्नि॥कार्यसति॥००॥खरि॥००॥त्यमपत्ययोवनि॥सर्वकन
तीति॥सर्वकनि॥वृहन्नि॥आप्॥वो॥देवानांतीति॥देवाधि॥वाताधि॥खि

सा.सु.
१४६

तिपदस्य॥खितिप्रत्ययपत्रपूर्वपदस्यसूमागमाहवति॥कर्मकनातीति कर्मकं न॥पि
र्थकदतीतिप्रियंवदे॥आत्मानंविहतीतिआत्मीरुनि॥उदनीविहतीतिउदनीर
वि॥कृत्तिरुनि॥उज्जयिनी॥उज्जयिनी॥००॥आदीनीरुप्रत्ययाहवति॥रवकाआमूः
मागमार्थ॥गकानधुवृत्तायार्थ॥वृत्तादिर्जि॥लघागुह॥ऊर्न॥उजयतीतिऊन
मऊय॥जिऊय॥धनजयतीतिधनजय॥मनहान॥पहितमात्मानमन्यत॥००॥तिपिडि
तमन्य॥दिवादस्य॥रूपकन॥कन॥रथरूपप्रत्ययाहवति॥रवकानामूमाग
मार्थ॥यूवाननाकी॥यूव॥००॥स्यगथातया॥प्रत्ययानेनेअक॥००॥स्यमावादर्ग॥रवत॥
॥अन॥ग्नानग्र॥क्रियत॥नेनेतिनग्रकनर्हीदृती॥असूल॥सूलीक्रियत॥अननेतिस्

गुनः
१४६

लंकनर्षदधि॥ रुजाविश॥ रुजादर्शना॥ कर्तृनिविष्टप्रत्ययावति॥ व॥ वलापार
वति॥ एकावावृद्धार्थ॥ वा॥ कृ॥ वावसानगस्यक॥ रुजसंवायी॥ अर्थरुजगीतिअर्थः
राक॥ कृकृताक॥ ककृताक॥ पनिवात॥ वरुप्रापन॥ रागवाट॥ हाट॥ वावसान॥ वा
हावीगसादीस्वने॥ अवर्ततेवस्यवाहीवाकावस्थोकादोदरंरुवति॥ संसादीस्वनेप
न॥ रागोह॥ रागोहा॥ रागवाग्मिस्थोदि॥ अवयजनीतिअवयान॥ सहमवर्तते॥ स
ह॥ व॥ संदि॥ सादिनूपसतिसह॥ सेकानस्यषकावादर्श॥ रुवति॥ वसपेदाकव॥ दुना
सह॥ रुतिदुनावात॥ दुनावात॥ दुनासाह॥ दुनासाह॥ मानाधर्मा॥ मकावाकण
धर्मास्यकानस्यनकावावति॥ नसपेदाकव॥ गमूदमूपगम॥ प्रकर्षनगममीति

सा.सू.
१४७

पुनर्गो॥ वनिमिविलापः॥ अरुतहाव कस्यसि यागवि॥ चोदीर्घः००० वास्य॥ चोप
नमेवर्हस्य००० कानाहवमि॥ अस्वस्यवादीर्घः॥ वकानः००० चोदीर्घः००० निविलेखवध
थः॥ वनिमिविलापः॥ गवशु॥ धातागवर्थशुप्रत्ययाहवमि॥ ओमिथुनीमिथुनी
कियत००० मिमिथुनीकनर्ग॥ पादीगुरुर्गमि॥ अगुकि००० गुकी००० हयन००० मिगुकीराव
॥ अगुप्रत्यय॥ असहायः००० सहायाहवमीति सहायीस्याम॥ अरु००० रु००० हयन०००
तिरु००० रु००० रु००० चोसलोपः॥ अउन्मना००० उन्मना००० हवमीति उन्मनीराव॥ गवकीदि
वकायः॥ अरु००० रु००० रु००० कनातीति इ००० रवाकनीति॥ अमेतोनिप्रकनिचनिप॥ अका
नाकाधनामनिप्रकनिप्रवनिप्र००० हयनप्रत्ययाहवमीति कर्त्तुनि॥ ००० कानपका

गुनः
१४७

नपकानुउच्चावधार्थः॥सू॥रुनोदामानोमस्यससूदामा॥नापध्यायादीर्घः॥नाम्नाना
लापश्चा॥धी॥नाजगदवत्युक्रिया॥सूमी॥सूयोगदीनामीरवमिकित्तिपना॥नकि
पि॥सूदूपीवतीतिसूपिवा॥सूनिददामीतिसूनिदाया॥कविदभ्यस्यापिदुग्धन॥सूदू
कनामीतिसूकम्मा॥उमीमि००त्वावल॥गृगुवरे॥गुद॥नापध्यायादीर्घः॥गृदमी
निसर्वा००मि॥किप॥सर्वधुस्य०किपप्रत्यथारवति॥रुस्वस्यपितिकृतिगुक्॥पि
तिकृतिपनेरुस्वस्युगभगमारवति॥किप॥सर्वपहानीलाप०॥कर्मकनातीतिक
र्मकृता॥अग्निर्विनातीमिअग्निवित॥दवानस्मोतीतिदेवसुते॥सामीपिवतीतिसामपा॥
दीर्घत्वानुक्॥सर्वपग्धतीतिसर्वदेक्॥दिग्भेमिति कृत्वा॥वि०३॥सवायी॥सूपूर्व०॥प

सा.त्व
१४८

[illegible]

गुनूः
१४८

न्यादग॥ अन्त्यादक॥ अन्त्यादक॥ टकान० वर्थ॥ अन्त्यादगी॥ तद्वत्तुदग्धं० तिताद
 ग॥ तादक॥ तादक॥ तादगी॥ अहमिवदग्धं० तितादग॥ मादक॥ मादक॥ दिग्म
 मितिकृत्वा॥ टान्वन्धत्वादीपतादगी॥ अन्त्यादगी॥ किमिदम॥ कीग॥ किमगदस्य० द
 म्मगदस्यचकी० गीग० ल्यतावादरग॥ खवत॥ क० वदग्धं० तिकीदग॥ कीदक॥
 ॥ कीदक॥ कीदगी॥ ००ीर्य० ००ीवदग्धं० तिकीदग॥ ००ीदक॥ ००ीदक॥ ००ीदगीवा
 लीरुवतोदिषु॥ दग्धविधिना॥ टकानादेयादीर्घतावक्या॥ रुवामिवदग्धं० रुवा
 दग॥ रुवपूर्व॥ रुवादक॥ रुवादक॥ सदग॥ सदक॥ सदक॥ तिनिजतीत॥ धा०
 मानतीत॥ कालेचतिनिपुण्यारुवति॥ ००नीसीरग॥ अग्निश्चमेवमीति॥ अग्निश्चमया

सा.ख
१४८

जी॥ उर्ध्वं न कसीमि उक्ता जी॥ किप्रवनि प्रजा॥ धामा नमी न कालगी लवकि प्रवनि
प्रजुं सत प्रत्येया रुवनि॥ वरुमवधीमि॥ वृर्गुहवो ते न वृंति वृगुहा॥ यजमीमित्येका
॥ वृजु प्राशिपसव॥ वनिप ४ पित्वा उ क कित्वा मु सा तावे॥ सूतवान् वृंति सूत्वा॥ स न
सिजो मे स वसि जी॥ छित्वा दिलाप ४॥ स च मे ग मदिमि स च ग ४॥ सामं अग्नेदिमि साम ग ४॥
का क व ४॥ धामा नमी कालका क व ४ प्रत्येया रुवनि॥ रावकार्यथा ४ क ४॥ कत ट प ४
॥ क का ना गु ४ प्रतिष धार्थ ४॥ क रु नि क व ४॥ उ का ना नृन्नि धानार्थ ४॥ क ट क्त न वान॥ आ
गता देव द ४॥ आ गती देव द रुना॥ क ट क्त्वा राव न पू स क त्वी॥ गत्यर्थ द कर्म का च्चे क रु
निक ४॥ गत्यर्थ द कर्म का च्चे धा ना ४ क रु नि क प्रत्येया रुवनि॥ अट गती॥ आ टी न वृंति

गुनः
१४८

अ० टी० ग० ॥ अनन्नपाक० ॥ दान० धाना० कृत्युह्ययस्य वसादनिजगमानरुवति ॥ स्थित० ॥
 गमूदमूउपगमा० गमादीर्घ० ॥ गन० दान० कमुकाको० ॥ कान० कोवासद० ॥ सद० क
 पत्यथावाकिरुवति ॥ कित्वादानगुह० ॥ यूनथातनपकधन्यामि० ॥ ०० ॥ मिप्रथामित० ॥
 प्रयुमित० ॥ प्रमित० ॥ वदित० ॥ वादित० ॥ नूदित० ॥ नादित० ॥ मूहवे० ॥ आमाहीत० ॥ ०० ॥ मि
 मूयित० ॥ मायित० ॥ ०० ॥ नागुहामितिदीर्घ० ॥ गृहीत० ॥ गृहीत० ॥ नादित० ॥ नूदित० ॥ वि
 दित० ॥ वदित० ॥ वृषि० ॥ ३४ ॥ कित० ॥ उव० ॥ कादेव० ॥ काच्च० ॥ ३३ ॥ वधाना० ॥ पेनस्पकि
 कित० ॥ प्रत्ययस्य वसादनिजगमानरुवति ॥ वृत्त० ॥ रूत० ॥ शित० ॥ आदीदित० ॥ आ
 दित० ॥ ०० ॥ दित० ॥ ०० ॥ दनरुवति ॥ ०० ॥ शितानककवर्तमानपि ॥ ०० ॥ गी० ॥ रूना० ॥ क० ॥ प्रत्यया० ॥ रुव०

०

०

०

5

10

15

20

25

सा.सु.
१५०

तिवर्तमानकालपि॥दहस्पनादश्व॥दकानाकाइहनस्यकिमगदस्यवनत्वरव
तिदकोनस्यवनकान॥जि३मिदास्त्रहन॥जि३कानेसुककेप्रत्ययार्थ॥आकानेअ
निदखापनार्थ॥मिदकक००मिस्ति॥ककानागुधपतिषधार्थ॥गकानस्यन
काने॥दस्यवनकान॥मिन्नेमेनैतलनवर्तता॥जि३धिदागभप्रकपन॥पूर्वव
गशकान॥आदक॥स्त्र॥आयासनचिन्न॥जि३किदासीचूर्त्तन॥कि३॥अदर
के॥अदाजघ॥कित्यनन्य॥अदाधताजघादरगभवकि३कि३पनअन्यवाच्यनर
वति॥जघकप्रत्यय॥ग॥थ॥जगधमन्नमि३कर्म॥न॥न॥न॥इहनस्यगका
नस्यनत्वरवति॥क३हिंसायीविक्रपनव॥अत००॥मकानस्य००नैरवति॥धा

गुवः
१५०

विरुसंतिदीर्घः॥विंकीर्हः॥रुषुनूवयाहानो॥अषं॥अषं॥नरवतिरुस
 पन॥जीर्हः॥मीर्हवागनीनी॥ल्वदनादिनः॥ल्वदेवादिगन्धधोतास्मानोरोवति॥लू३
 कदन॥लूनः॥किरुय॥कदीधोनिषायाम्वा॥किरु॥कीरु॥रुनेरुवैरुय॥सध
 कनाथ॥मो॥रुनः॥म्रानः॥अहाकृत्पा॥रुमिनिं॥कानः॥हीनः॥दीनः॥अयाथी
 रुक्षो॥यायथी॥यायाधता॥पी॥वमाद॥रुवति॥पीनः॥पू३पुगव॥आ३३
 रुनः॥सूनः॥दादलि॥दा॥स्पस्पदरुवति॥तकानादीकिनिपन॥अ३यिदली॥अ३दात
 ॥मिदलवाना॥पू३उपसीनाप॥आवि॥मिदूनः॥स्वनालावा॥स्वनादूरुनेस्पदा॥
 स्पेनावावति॥तकानादीकिनिपन॥प३दल॥प३रु॥द३३धन॥अ३वली॥अ३वद

७

७

०

5

10

15

20

25

सा.स्व
१५१

ली॥ यज देव पूजायी॥ यजयिव नाक्षमिति संप्रभा नदी॥ सुगमवाजा द४ व४॥ ॐ वृ॥
ॐ वान॥ द्रव प्रवीज सक्तान॥ उफवीर्ज॥ वह्वा परत॥ संप्रसा नदी॥ हाट ४ ॐ मिटः
लेकन॥ तरभा द४॥ दूली॥ दिगला पादी च॥ उर अनू रूपा प४॥ क४३ आ कान॥
संप्रसा नदी॥ दीर्घा॥ क४ प्रत्यय॥ आरूत॥ व४३ सीवन॥ संप्रसा नदी॥ सीवीत॥
वदव कायी वायि॥ ववप निरा वर॥ या४ क४॥ उकी॥ वसनि वास॥ उविनी॥ क४ ॐ
ति० ॐ द॥ क४ धवू उ कायी॥ वसि क४ र५ विदू॥ क४ धित॥ घसा द४ स४॥ स्वप स्वप्र॥ स४ फ
४॥ क४ र५ पालन॥ गाथा या वानि पात्यन॥ गाथ॥ गान॥ जीत॥ जीत॥ घाथ॥ घात॥
विदवि वान॥ विन्न॥ विल॥ उदि क४ दन॥ उन्न॥ उल॥ वागति गन्धन था॥ निवो

गुनः
१५१

१४॥ निर्वोक्तः॥ स पय्युपस्यः कनागुरुयस्यस्य॥ संस्कृतः॥ पनित्तुतः॥ तावयः॥
 धातावावर्थयः पुस्यथातवति॥ संस्कानः॥ अलंकानः॥ जनकः॥ जनकः॥ जाओ
 दग्गातवति॥ जातः॥ पवावः॥ पवउरुनस्य कितस्तकानवस्यवकानातवति॥ पकः॥
 पकवानः॥ कौक्यः॥ संधकनाममा॥ क्रोयामः॥ क्रोयाधामपुस्यथातवति॥ क्रामः॥
 गुयग्गावरेतः॥ गुयकः॥ गुयनूलनस्य कितस्तकानककानातवति॥ गुकः॥ स्थायीवृ
 क्षः॥ स्थायः॥ स्थायाधामः॥ स्त्री॥ स्त्री॥ स्त्री॥ स्त्री॥ स्त्री॥ स्त्री॥ स्त्री॥ स्त्री॥ स्त्री॥ स्त्री॥
 तगाधामः॥ कस्तकानोपस्यथातवतः॥ कीर्तकालः॥ गोवधपुत्रः॥ निवरुवतः॥ सवादिब
 होवादिबवनी॥ ननुवृक्षादि॥ यथाधप्यनस्यपदगथाकस्तः॥ यथाअत्मनपद

सा.स्व
१५२

अतथा कान ॥ क का ना गुण प्रतिषेधार्थ ॥ विद्वान् ॥ उ कानान् विधानार्थ ॥ वृत्तान्
मू ॥ स्याग्नकस्य लाप ॥ हसप ॥ संज्ञाप ॥ वहीति विद्वान् ॥ विद्वद्वन्ति विद्वान् ॥ इह
उ कनर ॥ कसूपस्य य ॥ द्विती ॥ न ॥ ० ॥ स्व कान ॥ क हा धू ॥ वृत्तान् मू ॥ हसप ॥ संज्ञाप
॥ स्याग्नकस्य लाप ॥ वृत्तान् च कान ॥ ० ॥ स्वार्थ ॥ च का ध ॥ कान प्रत्यय ॥ हन ही सा
या कसूपस्य य ॥ जघान ० ॥ तिजघ्रिवान् ॥ जगन्वान् ॥ ददगि वान् ॥ ददग्वान् ॥ विविगि वा
न् ॥ विगप्रवगन ॥ विविश्वान् ॥ गरुग्नोति फ वक्रियायी ॥ क्रियापपदगम्यमानग ह
ग्नोति प्रत्ययोरुवत ॥ मोचति पतवत् ० ॥ तिपनस्तेपदात्मनपदयार्हवत ॥ पचमूह
० ॥ तिस्ति ॥ अय कर्तुनि ॥ अदे ० ॥ स्वकाव ॥ लाप ॥ नामसीह्यीत्यादिर्विरुक्ति ॥ वृ

गुनः
१५२

नानुम॥ हसप४सलोप४॥ पवननास्म॥ पवनास्म॥ प०स्मिष्टमि॥ रगो॥ ग॥ यनास्मि॥
 म॥ न॥ त॥ अ॥ कान॥ न॥ स॥ न॥ प॥ व॥ म॥ ग॥ ग॥ मा॥ त॥ व॥ ति॥ प॥ व॥ त॥ प॥ व॥ म॥ न॥ प॥ ०॥ ती॥ ति॥ प॥ व॥ न॥ म॥
 उ॥ मान॥ स्मि॥ ति॥ त॥ ना॥ द॥ न॥ प॥ म॥ न॥ त॥ ०॥ ति॥ म॥ न्वा॥ न॥ ४॥ आ॥ स॥ ना॥ न॥ ०॥ आ॥ स॥ द॥ मा॥ ना॥ स्यो॥ ने॥ का॥
 न॥ स्य॥ ०॥ का॥ ना॥ द॥ ग॥ त॥ व॥ ति॥ अ॥ दा॥ द॥ ले॥ क॥ आ॥ स्म॥ ०॥ ति॥ आ॥ सी॥ न॥ ४॥ वा॥ दी॥ पा॥ ४॥ म॥ रु॥ ४॥ अ॥ व॥ द॥
 ल्य॥ न॥ स्य॥ ग॥ त॥ प॥ स्य॥ य॥ स्य॥ वा॥ न॥ मा॥ ग॥ मा॥ त॥ व॥ ति॥ ०॥ कान॥ ०॥ ०॥ पि॥ च॥ प॥ न॥ ॥ दु॥ द॥ व्य॥ थ॥ न॥ ॥ ग॥ द॥ स॥
 ल्य॥ य॥ ॥ दु॥ द॥ त॥ ॥ दु॥ द॥ ति॥ ॥ दु॥ द॥ की॥ ॥ कु॥ ल॥ ॥ अ॥ प्य॥ यो॥ न॥ ति॥ ल्य॥ ॥ अ॥ प्र॥ ल्य॥ स्य॥ य॥ प्र॥ ल्य॥ य॥ स्य॥ च॥ र्से॥ व॥ शिः॥
 ना॥ अ॥ काना॥ ल्य॥ न॥ स्य॥ ग॥ दु॥ नि॥ र्से॥ न॥ मा॥ ग॥ मा॥ त॥ व॥ ति॥ ॥ रु॥ च॥ ती॥ ति॥ रु॥ व॥ ति॥ ॥ प॥ व॥ ती॥ ति॥ प॥ व॥ ती॥ ॥ प॥ ०॥
 ती॥ ति॥ प॥ ०॥ की॥ ॥ ह॥ स॥ ती॥ ति॥ ह॥ स॥ की॥ ॥ दि॥ व्य॥ ती॥ ति॥ दि॥ व्य॥ की॥ ॥ ना॥ मा॥ द॥ ग्ध॥ न॥ ॥ शि॥ अ॥ लि॥ न॥ ॥ ॥ शि॥ व॥

सा.ख
१५३

गीतिश्लेषकी॥ दिवूकानोयकादीनीवंडुर्नूपतिष्वधवकाव्य॥ ददातीतिददता॥ दद
ती॥ यकतीतियकता॥ यकती॥ जागृनिडाकथ॥ जागृतीतिजागृत॥ जागृती॥ दनिडाइर्न
तो॥ दनिडाइर्नलोपोवकाव्य॥ दनिडातीतिदनिडता॥ दनिडातीतिदनिडती॥ चकास
तीतिचकासता॥ चकासती॥ अगुअनूसिक्तो॥ अनूभागेत॥ अनूभागेती॥ विदर्शवसु॥
विदर्शता॥ गराविषयवावसूपथाहवति॥ वलीतिविद्योत॥ पक्र॥ विदता॥ अगुरुवर्त
वर्तवच्छेपूकार्थनिपात्यत॥ अगुरुवकीरुदमिश्र॥ तमेरुवरिहर्गवत्यादीरहित
॥ भीलरुत॥ धमासुनप्रत्ययाहवतिभीलस्वरार्थ॥ नकानप्रत्ययरुद्रापनार्थ॥ क
नक्षभीला॥ कर्त्ता॥ रुनेक्षभीलाहर्त्ता॥ नयनभीलानमा॥ रुनेक्षभीलाहर्त्ता॥ विचनक्षभी

गुनुः
१५३

लाविवनता॥ॐ॥त्यादि॥अनित्यत्वानना॥गुह॥ॐ॥कस्तुक्र॥धाता॥भीलस्तलावर्थ॥ॐ॥
 कस्तुक्र॥ॐ॥त्यगपुत्यारावकि॥गुह॥अर्लपूष॥अर्लकनधभील॥अर्लकनिक्॥नि
 लाक॥भीलमस्यनिनाकेनिक्॥गुह॥दुदिफो॥जाजननभीलाजाजिक्॥गुह॥अर्ल
 ॥गुसनभील॥गुसिक्॥सहमवर्ष॥सहनेभील॥सहिक्॥अर्लभीलमस्यतिजिक्॥
 सवनभीलात्क्॥स्तीनभील॥स्तीन॥विष्कवाफो॥विष्कभील॥विष्क॥गृध्रजिक्
 कोयी॥गृधनभीले॥गृध्र॥वाकोकध॥धाता॥भीलर्थवाकउउकध॥ॐ॥त्यगपुत्याराव
 कि॥धकातावृध्वर्थ॥वननिद्यायी॥वनधभीलावनोक्॥वाकपुत्यय॥वकाज॥ॐ॥
 वर्ध॥वनाकी॥अल्पव्यकायीवावि॥अल्पाक॥हिक्कयावउशयी॥हिक्कभीलम

यत्नमादयः॥ नमनगीलः नमुः॥ हिमिहिंसायी॥ अजसनगीलः अजसुः॥ कमनगी
लः कमुः॥ कपुः॥ दीपुः॥ घसु अदनः॥ घसादः कनः॥ घसादः कोः॥ कनपुस्यथा
रुवति॥ ककानगुहपुतिषधार्थः॥ घसनगीलः घसनः॥ अदनगीलः अदनः॥ सुस
नः॥ सनधगीलः सुमनः॥ छिदिमिदिदिदीकनः॥ छिदनी॥ रिदनी॥ विदनी॥ रासा
दधुनः॥ रासादः कोः॥ घनपुस्यथारुवति॥ घकावाधिकायार्थः॥ रासनगीलः रासुः
नः॥ यजदेवपूजासंगतिकनदानेव॥ अतिगयहसादयद्विधुः॥ यदुदुः॥ यदुका
कानानूकपुस्यथारुवति॥ यदालुः॥ तसन्निधाययदालुगुवति॥ पूर्वस्येहसादिः॥
वः॥ ययदुकः॥ अतिदिः॥ अतः॥ पूर्वसम्बन्धिनः॥ अकानस्य अकानाः रुवति॥ याय

सा.स्व
१५५

रूकः॥ रंशु आमर्दनः॥ वजाः॥ करणे घितिः॥ वजाः॥ कगा विनिक कानग कानो रुवतः
॥ घितिपने॥ रुजनगीलः॥ रं गुनः॥ नूधादनेमः॥ दगनगीलः॥ उमजषीन गितिन
मागमः॥ पूर्वस्यः॥ दंदगूकः॥ जपनगीलः॥ जजेपूकः॥ वदनगीलः॥ वावदूकः॥
जागनगीलः॥ जागनूकः॥ आदतः॥ किर्दिगुरुः॥ आकाना कादका वाका डातांगील
रथरुन काल किः॥ प्रत्य आरवति॥ धाताधु द्विर्वनी॥ गमादधु॥ नामः॥ सामेयपि यरुददि
गंधकि नरुन जाजका न्विनाजकिः॥ पोद्युनी कमहादिजान्॥ सर्वसिदयः॥ सर्वेसिः
नूकान उरुदयः॥ प्रत्यया रवति॥ नूकः॥ उक नरुदः॥ धका नादुधार्थः॥ कनातीति कागुः
॥ वागमिर्वधनयाः॥ वातीति वायुः॥ आभायूः॥ नूमिः॥ प्रकृपः॥ मिनातीति मायूः॥

गुनः
१५५

स्वदस्वादस्वादना॥ स्वाइ॥ कुगआकाननादनव॥ कुगयनाजाद॥ व॥ इति॥ इ॥
 ॥ कीगतीगिका॥ एषप्रत्ययश्च॥ अवलकृपालन॥ मूकप्रत्यय॥ ककावकित्ताः
 यार्थ॥ कित्तात्प्रसानन॥ अवगीतिताम्॥ अगसाम्प्रगमन॥ मशिप्रत्यय॥ दका
 नावृद्धार्थ॥ अमगीतिआत्मा॥ मधूपधयाजन॥ मशिप्रत्ययापुधयासुगस्यमकान
 सनकानादरगावति॥ इतिवृहिवृहिवृद्धो॥ वृहत्वावृहदत्वावावृद्धा॥ धृज्ध
 नक्षपायक्षया॥ मप्रत्यय॥ धीनक्षम्म॥ धृज्कोपेन॥ ध्वादन्तुलि॥ ध्वादन्तुना
 नृनिप्रत्ययावति॥ धूनामीतिधूलि॥ अगिनागिलगिगत्यर्थ॥ ॐदिनॐमिन्मा
 गम॥ अगनीतिअगुलि॥ ॐत्पादि॥ गसादित्य॥ कनक्षत्र॥ गसुअनूनिक्षो॥

नमो भगवते वासुदेवाय

सा.स्व
१५६

निष्कामप्रणमिभिरुक्तं ॥ गच्छहि माया ॥ गगतीति गच्छ ॥ अस्तु कृपया ॥ अस्तु ॥ पापानां
पापं ॥ नाशप्रदं ॥ सत् ॥ गच्छ गच्छ ॥ आरुपूज्येति निष्कामय ॥ एकानां वृद्धयर्थे ॥
॥ ॐ का न उच्चानर्थे ॥ आगच्छुमीमस्य आगच्छमी ॥ रसकाया ॥ रविर्गुणीलमस्यहावी ॥ ॐ
भादेवेन ॥ ॐ भादेवेनोर्वनप्रत्ययोरुवमि ॥ ॐ गच्छुमीमस्य ॥ ॐ ह्युमि ॥ ॐ गच्छुमीमस्य ॥
छागच्छिनिवृत्तौ ॥ स्थागच्छुमीलमस्य स्थावन ॥ नाशप्रदोक्तो ॥ नाशप्रदोक्तो ॥ नाशो ॥ अमि ॥
॥ योमीनियुक्तो ॥ नृधामा ॥ मनसास्का ॥ सर्वधाम ॥ मनसु अस्तु कृपया ॥ सत्प्रत्ययोरुव
मि ॥ कर्मन ॥ पापं ॥ कर्मपापं ॥ ऊर्ग ॥ नृधाम ॥ वचादेनसो ॥ वचादेनसो ॥ नसुप्रत्ययोरुव
मि ॥ वद ॥ अहमहं पूजाया ॥ अह ॥ मह ॥ नृधाम ॥ सोकार्यलिम ॥ सुधनेकीयमय

गुनः
१५६

हं कं

नत रणे कार्य ॥ हिंद निर्मका श्री ॥ देवदहन रिशमानी का श्री स्वयमवति शुभ ॥ पवन
 मपोर्ग ॥ पवलिमादक ॥ युवह अगिथानि ॥ यदिगीतिथानि ॥ वरुगीतिविक्रि ॥ अगनी
 तिअगि ॥ ॐ गिपनमेश्वर्य ॥ वदिआलादन ॥ ॐ विवदिगकिनूदित्याच ॥ ॐ दित ॥
 तिनूमा ॥ ॐ नुगीति ॥ ॐ नु ॥ चंदगीतिवन्दु ॥ गक ॥ ॐ विगक ॥ नूदगीतिवूड ॥ पुव्य
 तीतिपुष्यी ॥ रुलगीतिरुल ॥ मूलगीतिमूल ॥ उदनादयपनिमिता ॥ पुथागमनरूपपुया
 कव्य ॥ कुमतदथीयाविष्यति ॥ धाताविष्यतिकालकुम्पुत्यथावति ॥ गदभसीकि
 यायापि युक्तेमानाया ॥ कुअपालनाएवहानया ॥ गवसचपामेसाना ॥ शाकुवजगि ॥ प
 थिपथन ॥ पठिउमिष्ठान ॥ स्ताकुमीहन ॥ घउरुव ॥ धाताविष्यथघउपुत्यथावति

सा.सु
९५१

॥ वज्रोऽकरो घिति ॥ वज्रोऽककानगकानोरुवनऽघिति पत्र ॥ पच्यतं नूति पाकऽ ॥
उकावृच्यर्थऽ ॥ त्यजहानो ॥ त्यजतं नूति त्यागऽ ॥ उकाऽरुपथागऽ ॥ अनू नूति नूति
अनूयागऽ ॥ रुजसवायी ॥ विरुजनी विरागऽ ॥ नूति गतो अयनी आयऽ ॥ संज्ञायामकर्तुः
निव ॥ कर्तुर्वर्जितकानकसावकर्मसि वच्युपेयया रुवति संज्ञाय विषय ॥ प्रति
निकाय्यमाजियतं नूति पुल्याहानऽ ॥ उच्यतं स्मिन् नूति वासऽ ॥ दीयतं नूति दायऽ ॥ विजि
यतं नूति विकानऽ ॥ पीयतं नूति पायऽ ॥ साधनाधने होयार्थं जनानां नस्वेना नाना विषयः
उवकव्यऽ ॥ मृजवृद्धिऽ घिति व ॥ अयमृजते अननति अपामार्गऽ ॥ लिखतं अस्मिन्निगि
लखऽ ॥ आवा न एस्मिन्निष्पावानऽ ॥ नूति अयन ॥ अधीयतं नूति अध्यायऽ ॥ स्वनाद

गुनः
९५१

४॥ स्वनादको ना न प्रत्यया र व नित ला वा दो ॥ सी वी य न ०० नित सी व य ४॥ नी य न ०० नित न य ४॥
उ न्नी य न ०० नित उ न्न य ४॥ लु व न ०० नित लु व ४॥ नृ विक्र प ॥ नी य न विक्रि य न को मा दि ति नि
ति न न ४॥ पो नि ह य न ति प नि रु व ४॥ म दी ॥ म दा दी ना म ४ प्र त्य या र व नित ला वा दो ॥ म दी रु
थ ॥ प्र मा य न ३ ने न ति पु द म ४॥ अ न ना च ति पु द म ४॥ प द व्य व हा न रु तो वे ॥ प द्य न ००
ति प द ४॥ ग म्य न ०० नित ग म ४॥ य म उ प य म ॥ य म्य न ०० नित य म ४॥ द म्य न ०० नित द म ४॥ दी
व न वि ग्ध म न न ति दे व ४॥ वि उ व न्ध न ॥ वि र ण य द सी य न ०० नित वि ष य ४॥ मू र्क्ष घ न ४॥
मू र्क्ष का ठि न्य प नि रु द वा हि र्ध य रु न न ४ प्र त्य या र व नित ला वा दो ॥ घ ना द ग म्ना ॥ क ठि २
न द धि द धि घ न ४॥ प नि रु द से न व च न ४॥ व र्ण वि प र्य य ॥ ह ला द र्क्ष ना व र्ण वि र्य या र व

[illegible]

~~गुनः~~
१५८

लि० ३४॥ य० ३४॥ ॐ क० अ० न० न० म० य० ३४॥ इ० ग० ॥ इ० व० नी० ति० डा० ३४॥ टी० ला० दी० प्र० डा० ३४॥
 क्रि० य० न० के० न० ३४॥ टि० वा० क० र्क० ॥ ना० हा० धी० य० नी० ति० ना० ज० धा० नी० ॥ स्व० य० नी० त्व० प्रा० ३४॥ आ० मो० न० पी० ला० का०
 न० ला० प० ३४॥ कि० प्र० स० य० ३४॥ वि० धी० य० न० ॐ ति० वि० धि० ३४॥ सी० धी० य० न० ॐ ति० सी० धि० ३४॥ आ० धी० य० न० ॐ ति० आ० धि०
 ३४॥ अ० नी० ति० नि० धी० य० न० ॐ अ० नी० ति० नि० धि० ३४॥ रा० व० य० ३४॥ धा० ना० सो० वि० य० ३४॥ पु० स० य० ३४॥ य० वा० न० ना० की०
 ॥ क्रि० य० न० ॐ ति० क० न० र्क० ॥ जी० य० न० ॐ ति० ह० व० र्क० ॥ ह० य० न० ॐ ति० ह० व० र्क० ॥ ह० य० न० ॐ ति० ह० व० र्क० ॥ दी० य०
 न० ॐ ति० दा० र्क० ॥ ह० य० न० ॐ ति० नि० व० र्क० ॥ नृ० य० न० ॐ ति० न० व० र्क० ॥ द० वृ० द० व० न० ॥ द० व० नी० ति० द० व० र्क० ॥ ग० मी०
 दी० र्क० ॥ उ० द० ३४॥ द० स० लो० प० ३४॥ उ० त्पू० र्वा० त्प० न० स्ता० ग० ति० नि० वृ० ला० वि० ला० द० र्क० ना० ३४॥ स० का० न० स्य० ला०
 पा० र्क० ॥ स्ता० ग० ति० नि० वृ० ला० ॥ उ० त्पू० र्वा० ॥ उ० लि० कृ० ती० ति० उ० ला० न० ग० म० नी० ॥ स्त० कृ० ना० ध० न० ॥ उ० कृ०

सा.सु
१५८

कृगं०तिउलुफनी॥आदिगदात्॥स्थानी॥मातृतिमानी॥पानी॥साधनाधनयाधु॥सा
धनेआधनार्थेयुष्टपुष्टयागवति॥पच्यत३ननतिपचनान्नि॥पच्यत३स्वीपचनीस्त्री
ली॥चकानादाधनेचति॥संपदीयत३अस्मैसंपदानी॥००॥यदृष्टसूरवल्॥००॥बदादी
वृष्टयुक्तमानेसूरवल्००॥त्युक्तोपुष्टयोक्तवत्॥सावादी॥लेकानेपुष्टयसंदेहापनार्थ
॥रवकावागुप्तपुष्टिधेधार्थ॥००॥यदृष्टवत्॥सूरवत्॥००॥यत्कन॥संकन॥इष्टस्वनापि
रुविशुभगुक्तइष्टवत्॥इष्टकन॥इष्टस्वनाकुरुमगुक्त॥लक्ष्मिस्तु॥इष्टस्वनालक्ष्मि
क्त॥इष्टवत्॥युधिसेपुहाने॥इष्टस्वना॥युष्टात्॥००॥तिदृष्टोधिधने॥सुयोधन॥सुस्वयुः
द्यत००॥ति॥युधिसेपुहाने॥००॥यदृष्टयत्००॥ति००॥यदृष्टवत्००॥यदृष्टवत्॥गव्यानीयो॥धार्ता

गुप्तः
१५८

रुव्यानीषे यो एष यावद्वतः॥ सावा दोरविष्यतिकालः॥ रुविष्यतः०० रुवितव्यी॥ रुतः०० रुतिः००
 दः॥ आसुडवैसनः॥ आसुतः०० रुति आसुनीची॥ कनिष्यतः०० रुतिकनहीयी॥ दातव्यी॥ दानीयी॥ पो
 तव्यी॥ पानीयी॥ स्नातव्यी॥ स्नानीयी॥ नमयमीति नमनीयी॥०० लघुकर्तव्यं यनीयप्रत्यः
 यः॥०० रुतिकचितः॥०० टागुही॥ गृहादीनामिटादीरुवति॥ गृहेतः०० रुतिगृहीतव्यी॥ वृज्
 सवनरे॥ वनियेतः०० रुतिवनीतव्यी॥ स्वनायः॥ स्वनाकाकातार्यप्रत्ययातवति॥ कुरु
 योग्यं कुर्या॥ कुरुयोग्यं कुर्या॥ अन्यगुरुकुर्याकुर्यामनः॥ कुरुयोग्यं कुर्याकुर्यामनः॥ अन्यगुरुकुर्याकुर्यामनः॥
 कुर्याकुर्यामकार्थनिपात्यतः॥ कुरुगर्भकुर्या॥ कुरुयोग्यं कुर्याकुर्यामनः॥ अन्यगुरुकुर्याकुर्यामनः॥
 नः॥ पूगकात्॥ पवर्गोक्तकात्॥ गकादश्च यप्रत्ययातवति॥ कुरुयोग्यं कुर्याकुर्यामनः॥

सा.ख
१६०

[illegible]

गुणः
१६०

सा.स्य
१८९

प्रत्ययः स्व न वत् ॥ अ व स्यं ल वि दुं या र्गं अ व र्ध ला र्वा ॥ नू लु गो ॥ अ व र्ध ना र्वा ॥ लू ७३ क
दन ॥ अ व र्ध ल यं दुं या र्गं अ व र्ध ला र्वा ॥ लू य द व र्ध म ४ कृ त्वा कृ त्वा ४ र्ध व स मा र्वा ना क
प घ्य हो ला व क म् २ ६ ४ ॥ त व्या नी यो स्व ना यं क लि म ४ क म् क र्त्त नि ॥ लू स दुं का मं म
ने सा नी पे ॥ स मा वहि त त त या म् स स्य प वि यू ट् घ २ ३ ४ ॥ त व्या नी यो नी कृ त्वा स र्वा मा सि
नी या नी ॥ अ व र्ध ला र्वा इ व र्ध ला र्वा ४ ॥ घ ७३ ला व ॥ य स्य ला प ४ ॥ ला कृ का म ४ ॥ ला कृ का
म ४ ॥ २ ७ अ दुं मन ४ २ ७ अ दुं मन ४ ॥ सी हि र्ग ॥ सी हि र्ग ॥ सी र्ग ती ॥ सी र्ग त म् ॥ सी स्य प व व नी ॥ सी स
प व नी ॥ सी स्य पा की ॥ सी स पा क म् ॥ अ इ प धा या क प ॥ अ इ प धा जो मा ४ कृ प पु स्य थारु व ति
॥ ला व का यं या ४ ॥ कृ ति कृ द न ॥ क र्त्तुं या र्गं कृ त्वा नि त नी कृ त्वा नि कृ त्वा ॥ जे स्वा न् कृ प यि

गुनः
१८९

० नि४॥ गमि४॥ गच्छमि४॥ विहिदाम४॥ विनाधमा४॥ रिदाद४॥ क्रिया म४॥ प्रत्यया रवः
 ति॥ पविता००॥ निपव॥ अकानप्रत्ययोत्यश्वात्सर्वेगुआवतक्रिया मित्यापे॥ मृश्वगु०
 खो॥ मृजतीतिजासा मृजा॥ रिदा॥ क्रिदा॥ जनत्यगुदानूवभनहितअप्रयोत्येवकाव्य
 ४॥ हव्ययाहानो॥ जना॥ गुनाहसाता॥ गुनर्मनाधमाहसातादप्रत्ययारवति॥ ००॥ हव्य
 या॥ ००॥ हा॥ उहवितक्का॥ ००॥ क्रिदगुनाकनया४॥ ००॥ का॥ प्रत्ययानाच॥ प्रत्ययानाधा
 मानकोनप्रत्ययोरवति॥ विकीर्णासदिस्पनननेकुनयकारवायर्थ॥ पुनामीतिपू
 न॥ पूनीया॥ आवतक्रिया॥ पूर्वकालेका॥ समानकलेकधमापयुक्तमानपूर्वकाल
 काप्रयोरवति॥ स्नात्वाउक्ता॥ उक्ताप्रमि॥ स्नात्॥ वदित्वा॥ वदित्वा॥ विदित्वा॥ अ

सा.च
१६३

लीखत्वा पुनि वरधत्वा ॥ अलुत्का ॥ उदितः कावता ॥ उदितः कावता ॥ कावता वति ॥ ॐ सु
ॐ छाया ॥ ॐ का ॥ उचित्वा ॥ उका ॥ उचित्वा ॥ दृष्ट्वा ॥ दृष्ट्वा ॥ समाप्त कष ॥ समाप्त सति
निपूर्व काल कष प्रत्यया रवति त क हृक धातो प्रयुक्त मान ॥ अलो कष ॥ पित्वा लुक् ॥ स
हृक धाति ॥ प्रथम्य गच्छति ॥ समप्र कत्व गच्छ ॥ अन्तर्गच्छ पूर्व ॐ ल्य क ॥ नो ॐ ल्य का बोध
गच्छ ॥ क्त्वा कपि ॥ गुह्य ॥ अकुत्वा पवि दम्प्य क ॥ मत्काल पि दम्प्य ॥ न गच्छिमी ल्य हस
ति ॥ मील मील न ॥ वी आ हृ पूर्व ॥ मूर्ख व्यादाय स्वपिति ॥ पो न ॥ य न्य दम दिश्व ॥ समानः
क हृ क धा प्रयुक्त मान व पूर्व काल पो न ॥ पृथ्व्य धाता समप्र प्रत्यया रवति ॥ तस्य पदस्य
द्विच वनी ॥ आतो यक् ॥ पो र्य पा र्य गच्छति ॥ हो जी हा जी वृ जति ॥ कथमो दि नू स्वार्य दम्प्य ॥

गुनुः
१६३

कथमादिषूपयूक्तमानवस्वार्थकनारुह्यगुपत्ययाहवति॥ इह ७३॥ कथं कानी॥ १
 ॐर्थकानी॥ उवाहावक्कप्॥ तावगद्वपुहिनितिमिरुधना॥ कपूपत्ययाहवति॥ वमर
 यगेत॥ नमकस्यपुदस्यउपधयागुध॥ लकनीमुख॥ लकधनानीपत्ययाहवति॥ म
 मागमध॥ लकदगनाकनया॥ लकी॥ स्त्रियायत॥ स्त्रीस्वदू॥ स्त्रियायतधना॥ स्त्रीरहितिध
 यदुदूपत्ययाहवति॥ स्त्रीदेगेसीघातया॥ टिलाप॥ सीधोगकस्यलाप॥ टिलादीप॥ स्त्रिया
 यत॥ ॐरिस्त्री॥ वरुहकान॥ अकावादिक्कानाकषुवर्हषुवर्हत्वीनिर्दिग्धमानत्वा
 कानपत्ययाहवति॥ अकान॥ ककान॥ नादिहवावरु॥ ॥ नकानादीनिना
 मानिगृधेमासमपावति॥ मन॥ पुसन्नतामति॥ नोमनामाहिर्भकया॥ नकानादीनि

सा.स्व
१६४

नामानि शुक्ला गुरुसनावनः॥ नत्नानि नमनीयानि सगुणमजनयक्तिमः॥ ॥ लाका
क्षं वसुसिद्धि यथा मात नपित नोदः॥ ॥ स्व नूपा कानू रूपादिः गदा रूयगु
गुसाथः॥ समस्त नीलु र्त्तचक्र पुष्टयौ च नुना चित्ता॥ ॥ स्व नूपा धारुयगीवः कम
ला कनः री ग्वेनः॥ सूना सूवन नना कान मधूपा पीत पकीजः॥ ॥ ॐ तिथी पनम
हं स पनि वाज कानू रूति स्व नूपा वाय्ये विन चित्ता सान स्वती प्रक्रियो समाफाः॥
॥ ॐ ॐ ॐ ॥ लिखितं यैव जेदया च नमः कमल एवित द्विज वीर गुरु वा वाय्ये श्री यथा
नन सिंह नति॥ ॥ फरीशी न्द्ररत्न वज्राचार्यस्य पुस्तकमिदम् ॥

गुनः
१६४

ॐ नमो वागि शिवाय
४४

